फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 75 संख्या: 354 प्रभात जयपुर, शनिवार 26 जुलाई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Sawan Ka Bazaar And The Perfect Ghewar

At Haldiyon ka Rasta, Ajit Mal Ji's Sambharwala Sweets, the assistant greets me with laughter. They swear their Ghewar is better than Bhawar Ji's

There Is Hope For Dyeing In Jaipur

The Untold Story of Jaipur's Master Dyers: A Legacy in Every Thread

सरकारी स्कूल की बिल्डिंग गिरी, 7 बच्चों की मौत, 28 घायल

मनोहरथाना के पिपलोदी में आक्रोशित ग्रामीणों ने जाम लगाया व पुलिस की गाड़ियाँ तोड़ीं

झालावाड़, 25 जुलाई (निसं)। राजस्थान के झालावाड़ में सरकारी स्कूल की बिल्डिंग का एक हिस्सा गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई है, और 28 बच्चे घायल हो गए हैं, जिनमें से 9 की हालत गंभीर है। शुक्रवार सुबह मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल की इमारत ढह गई, जिसमें 35 बच्चे दब गए। ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाकर बच्चों को निकाला और अस्पताल पहुँचाया।

- **आठवीं कक्षा की छात्रा ने बताया कि छत से छोटे पत्थर व रेत गिरने लगी, शिक्षकों को बताया तो उन्होंने डांट कर बैठा दिया और खुद बाहर बैठकर पोहे-जलेबी का नाश्ता करने लगे, तभी इमारत भरभरा कर गिर गई और 35 बच्चे दब गये।**
- **आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतक व घायल बच्चों के परिजनों को मुआवज़ा तथा भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्यवाही की माँग की। शिक्षा विभाग ने पाँच शिक्षकों को निलम्बित किया।**

मनोहरथाना हॉस्पिटल के अनुसार, 5 बच्चों की मौत मौके पर ही हो गई थी, और 2 बच्चों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे को लेकर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुख जताया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, "इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित छात्रों और उनके परिवारजनों के साथ हैं।"

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया: "राजस्थान के झालावाड़ में एक स्कूल में हुई दुर्घटना दुखद और अत्यंत पीड़ादायक है। इस कठिन घड़ी में मेरी संवेदनाएं प्रभावित छात्रों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायल छात्रों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। प्रशासन प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है।"

पूरे मामले को लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है, ग्रामीण सुबह से लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसके कारण कई रास्ते भी बंद किए गए। पिपलोदी गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर अधिक समय नहीं रुके तथा पुलिस एवं स्थानीय लोगों ने ही मोर्चा संभाला।

गांव वालों ने बताया कि सुबह से बारिश हो रही थी। प्रार्थना का समय हुआ तो क्लासों के बच्चों को स्कूल के ग्राउंड में इकट्ठा करने के बजाय कमरे में बैठा दिया गया, ताकि वे भीगें नहीं। इसके कुछ ही देर बाद छत गिर गई और 35 बच्चे दब गए। गांव वालों ने बताया कि इस स्कूल में कुल 7 क्लासरूम हैं। हादसे के दौरान स्कूल के क्लासरूम में 71 बच्चे थे। स्कूल में 2 टीचर भी मौजूद थे, लेकिन छत गिरने के वक्त बिल्डिंग से बाहर थे और सुरक्षित हैं। दुर्घटना के समय स्कूल में मौजूद आठवीं क्लास में पढ़ने वाली वर्षा ने बताया कि जब छत गिरी, उस समय वह भी क्लासरूम के अंदर बैठी हुई थी। उसने देखा कि छोटे-छोटे पत्थर और रेत छत से गिरने लगे। उसने स्कूल में मौजूद शिक्षकों को बताया कि पत्थर गिर रहे हैं तो शिक्षकों ने डांट -फटकार कर अंदर बैठ जाने को कहा और शिक्षक बाहर बैठकर पोहे और जलेबी का नाश्ता करने लगे। इसी बीच इमारत भरभरा कर गिर गई और बच्चे दब गए।

आक्रोशित ग्रामीणों ने घटनास्थल के समीप मुख्यमार्ग के गुराड़ी चौराहे पर टायर जलाकर जाम लगा दिया तथा रास्ते पर विद्युत पोल डाल दिए और चौराहे पर ही धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे लोग एक करोड़ मुआवज़ा और सरकारी नौकरी की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों का कहना है कि इस हादसे में जिन बच्चों की जान गई है, उनके साथ न्याय होना चाहिए। इसके लिए मृतक बच्चों के परिजनों को 1 करोड़ और घायल बच्चों के परिजनों को 50 लाख का मुआवजा मिलना चाहिए। इसके अलावा, मृतक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग भी की गई। ग्रामीणों ने भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की।

एक बार तो प्रदर्शनकारी अचानक उग्र हो गए और पुलिस की गाड़ियों पर पथराव शुरू कर दिया, ड्राइवर गाड़ियां

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मानवाधिकार आयोग ने स्कूल भवन गिरने का प्रसंज्ञान लिया

जयपुर, 25 जुलाई। राज्य मानवाधिकार आयोग ने झालावाड़ में सरकारी स्कूल भवन गिरने से मासूमों की मौत के मामले में प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही, आयोग ने झालावाड़ जिला मजिस्ट्रेट, शिक्षा निदेशक, एसपी और डीईओ को नोटिस जारी किए हैं। आयोग ने इन अधिकारियों को कहा है कि घायलों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा दिलाई जाए। इसके साथ ही,

- **आयोग ने दोषियों पर तुरंत कार्यवाही करने व पीड़ित पक्ष को क्षतिपूर्ति राशि दिलाने को कहा।**

आयोग ने घटना के दोषियों पर कानूनी कार्रवाई करने, साथ ही पीड़ित पक्ष को क्षतिपूर्ति राशि दिलाने को कहा है। आयोग ने अधिकारियों से 7 अगस्त को प्रकरण की तथ्यात्मक रिपोर्ट आयोग के समक्ष पेश करने को कहा हैं। आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने ये आदेश प्रकरण की प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स पर कार्रवाई करते हुए दिए।

आयोग ने कहा कि स्कूलों की छतों पर गंदगी साफ नहीं होने से हर साल मानसून में यहां पानी भर जाता है, जिससे छत धीरे-धीरे जर्जर हो जाती है। यह बड़े दुख की बात है कि स्कूल के भवनों का रखरखाव भी निश्चित समयावधि में ठीक से नहीं किया जाता। इसी के चलते इस स्कूल में छत गिरने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोमवार से संसद में गतिरोध खत्म होगा?

बताया जाता है कि लोकसभाध्यक्ष द्वारा आहूत सर्वदलीय बैठक में यह समझौता हुआ है, विपक्ष व सरकार के बीच

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जुलाई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने संसद में चल रहे गतिरोध को समाप्त करने के लिए आज सभी दलों के सांसदों की बैठक बुलाई, क्योंकि संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार विपक्षी सांसदों के विरोध के कारण स्थगित हो रही थी, विशेषकर बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर।

- **28 जुलाई से लोकसभा में "ऑपरेशन सिंदूर" पर बहस होगी तथा राज्यसभा में भी बहस 29 जुलाई को आरंभ होगी तथा नौ घंटे का समय आवंटित है, राज्यसभा में इस बहस के लिए।**
- **शुक्रवार को दोपहर दो बजे बाद, दोनों सदनों में कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। जैसा कि विदित ही है, प्र.मंत्री मोदी शनिवार शाम तक विदेश यात्रा से लौटेंगे तथा संभवतया सोमवार से संसद की कार्यवाही में भाग लेंगे।**

बैठक में बिड़ला ने सांसदों से संसद को सुचारू रूप से चलने देने की अपील की। उन्होंने सदन की गरिमा बनाए रखने और प्रश्नकाल तथा विधायी कार्यवाही को चालू रखने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उम्मीद है कि संसद में चल रहा गतिरोध सोमवार को समाप्त हो जाएगा।

बैठक में यह भी तय हुआ कि ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा 28 जुलाई से शुरू की जाएगी। लोकसभा में इसके लिए 16 घंटे और राज्यसभा में 9 घंटे निर्धारित किए गए हैं।

शुक्रवार को दोनों सदनों की कार्यवाही दोपहर 2 बजे के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई, क्योंकि नाराज़ विपक्ष ने संसद नहीं चलने दी, यहाँ तक कि निजी सदस्यों के कार्य दिवस पर भी चर्चा नहीं होने दी।

इस सप्ताह मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में कोई कार्यवाही नहीं हो पाई, जबकि राज्यसभा मंगलवार से स्थगित रही।

सत्र के पहले पाँच दिनों, 25 जुलाई तक, में कई बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। विपक्षी सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम आतंकवादी हमला और बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे मुद्दों पर ध्यान देने की मांग को लेकर विरोध किया। उनका आरोप है कि मतदाता पुनरीक्षण से बड़ी संख्या में मतदाताओं की नागरिकता खतरे में पड़ सकती है।

बैठक में यह सहमति बनी कि सोमवार को सुबह 11 बजे से दोनों सदनों की कार्यवाही फिर से शुरू की जाएगी।

लोकसभा में 28 जुलाई से ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू होने की उम्मीद है, और राज्यसभा 29 जुलाई को इस पर विचार करेगी।

इस दौरान, सदन के भीतर और बाहर विपक्ष द्वारा उठाए गए मतदाता सूची पुनरीक्षण और विदेश नीति से जुड़े मुद्दों पर लगातार समन्वय और चर्चा जारी रही।

हालांकि तनाव अभी भी बना हुआ है, विपक्षी इंडिया गठबंधन ने अपनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना और आंध्र की विधानसभा सीटें बढ़ाने की याचिका खारिज की

इन राज्यों ने माँग की थी, कि कोर्ट केन्द्र सरकार को परिसीमन शुरु करने के लिए निर्देश दे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें केन्द्र सरकार को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए परिसीमन प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

- **याचिकाकर्ता राज्यों का तर्क था कि केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में परिसीमन कराना तथा आंध्र व तेलंगाना को इससे बाहर रखना अविवेकपूर्ण, असंगत व संविधान विरूद्ध है।**
- **लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा, राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों में परिसीमन के नियम अलग हैं, इसलिए जम्मू-कश्मीर के साथ आंध्र व तेलंगाना में परिसीमन नहीं करना केन्द्र सरकार का पक्षपात पूर्ण कदम नहीं है।**

यह फैसला न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सुनाया। यह रिट याचिका प्रोफेसर (डॉ.) के. पुरुषोत्तम रेड्डी द्वारा दायर की गई थी, जिसमें केन्द्र को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 26 को लागू करने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि केवल नवगठित केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में ही विधानसभा और संसदीय क्षेत्रों का परिसीमन करना, जबकि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को इससे बाहर रखना, असंगत तथा अविवेकपूर्ण वर्गीकरण है और इसलिये यह संविधान के विरुद्ध है।

लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से की गई तुलना तथा भेदभाव की दलील को इस आधार पर खारिज कर दिया कि राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में परिसीमन से संबंधित प्रावधान अलग हैं, और इसलिए जम्मू-कश्मीर के लिए जारी परिसीमन अधिसूचना से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को बाहर रखना न तो मनमाना है और न ही भेदभावपूर्ण।

एसआई परीक्षा पेपर लीक मामले की सुनवाई 28 जुलाई को

जयपुर, 25 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट में एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में सुनवाई जारी है। अगली सुनवाई सोमवार 28 जुलाई को होगी।

सुनवाई के दौरान, शुक्रवार को जस्टिस समीर जैन की अदालत ने मामले की "इन-कैमरा" सुनवाई की। इस दौरान केस से जुड़े वकीलों के

- **हाई कोर्ट में आरपीएससी सचिव से सवाल जवाब हुए।**

अलावा अन्य किसी को अदालत कक्ष में रुकने की अनुमति नहीं दी गई। वहीं, अदालती आदेश की पालना में आरपीएससी के सचिव पेश हुए। अदालत ने उनसे भर्ती को लेकर सवाल-जवाब किए।

गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट में बीते कई दिनों से प्रकरण में सुनवाई चल रही है। मामले में याचिकाकर्ता कैलाश चन्द शर्मा व अन्य का कहना है कि भर्ती परीक्षा का पेपर व्यापक स्तर पर लीक हुआ है और कई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव राज्यसभा में पेश नहीं होगा

हालांकि इस्तीफे से पहले सभापति जगदीप धनखड़ ने विपक्ष का महाभियोग प्रस्ताव स्वीकार कर लिया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जुलाई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ नकदी घोटाले को लेकर लाया गया महाभियोग प्रस्ताव राज्यसभा में स्वीकृत नहीं हुआ, हालांकि राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने इसकी अनुमति दे दी थी।

- **समझा जाता है कि धनखड़ के इस कदम के बारे में सरकार को जानकारी नहीं थी, कहा जाता है कि संभवतया इसीलिए उन्हें इस्तीफा देना पड़ा।**
- **सूत्रों के अनुसार, सत्तारूढ़ पार्टी ने मानसून सत्र शुरु होने से पहले ही महाभियोग प्रस्ताव तैयार कर लिया था। भाजपा ने इस पर सर्व सम्मति बनाने क लिए विपक्षी दलों से भी से सम्पर्क किया था और कुछ विपक्षी सांसदों ने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए थे।**
- **चर्चा है कि महाभियोग प्रस्ताव लोकसभा में पेश होगा और स्पीकर बिड़ला एक जाँच कमेटी बनाएंगे, कमेटी की रिपोर्ट के बाद ही वे तय करेंगे कि महाभियोग की सिफारिश की जाए या नहीं।**

अब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला एक समिति का गठन करेंगे, जो न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ लगे आरोपों की जांच करेगी और, यदि पर्याप्त आधार मिला, तो महाभियोग की सिफारिश करेगी।

सूत्रों के अनुसार, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा, जिनके दिल्ली उच्च न्यायालय में कार्यरत रहने के दौरान उनके आवास से मार्च में जली हुई नकदी के ढेर बरामद हुए थे, के महाभियोग की कार्यवाही को अब लोकसभा में सरकार द्वारा लाये जाने वाले प्रस्ताव के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि पूर्व उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के तत्कालीन सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा स्वीकार किए गए विपक्ष समर्थित महाभियोग प्रस्ताव को अब खारिज कर दिया जाएगा, क्योंकि इसे औपचारिक रूप से सदन में प्रस्तुत नहीं किया गया था। सूत्रों के अनुसार, धनखड़ के इसी कदम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नाराज़ हो गई थी और इसी वजह से धनखड़ को इस्तीफा देना पड़ा था।

महाभियोग की प्रक्रिया किस तरह आगे बढ़ाई जाये, ताकि विपक्ष को "भ्रष्टाचार-विरोधी मुहिम" का लाभ लेने से वंचित किया जा सके, इसके लिये बुधवार को सरकार ने एक मीटिंग की।

सूत्रों का कहना है कि भाजपा स्वयं को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर सख्त रुख दिखाने के मामले में (विपक्ष से) आगे दिखाना चाहती है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव, इस वर्ष बिहार में और अगले साल बंगाल व तमिलनाडु में, से पहले भ्रष्टाचार-विरोधी संदेश दिया जा सके।

सत्तारूढ़ पार्टी ने 21 जुलाई, सोमवार से शुरु हुए संसद के मानसून सत्र से पहले ही महाभियोग प्रस्ताव तैयार कर लिया था। भाजपा ने विपक्षी दलों से संपर्क भी साधा था, ताकि सर्वदलीय सहमति बन सके, और कुछ विपक्षी सांसदों ने सरकार के उस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर भी कर दिये थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

धनखड़ को विदाई भोज देगा विपक्ष

नई दिल्ली, 25 जुलाई। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार (21 जुलाई, 2025) को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए राष्ट्रपतिद्रौपदी मुर्मूको अपना त्याग पत्र भेजकर तत्काल पद छोड़ने की बात

- **पर, धनखड़ विपक्ष का न्यौता स्वीकार करेंगे, इसके बारे में अभी कुछ भी तय नहीं है।**

कही थी। उनके इस अचानक लिए गए फैसले ने सत्ता पक्ष और विपक्ष में सभी को चौंका दिया।

इस बीच विपक्षी दलों ने जगदीप धनखड़ को फेयरवेल डिनर के लिए आमंत्रित किया है। विपक्षी दलों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"उदयपुर फाइल्स" को सशर्त रिलीज़ की अनुमति मिलेगी?

केन्द्रीय सरकार ने पिक्चर को पुन: देखकर कुछ परिवर्तन की सलाह दी थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि वह हिंदी फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सोमवार से सुनवाई शुरू करे।

यह निर्देश केन्द्र सरकार द्वारा कुछ संशोधनों के साथ फिल्म की रिलीज़ की अनुमति देने के बाद दिया गया। फिल्म उदयपुर के दर्जी कन्हैयालाल की दिन दहाड़े की गई नृशंस हत्या पर आधारित है, जिसमें उन्हें भाजपा नेताओं के भाषणों पर आधारित नारे लगाते हुए दिखाया गया है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे पहले हाईकोर्ट में अपनी याचिका रखें, क्योंकि फिल्म निर्माता केन्द्र सरकार के आदेश से संतुष्ट हैं और अब सुप्रीम कोर्ट में अपनी याचिका आगे नहीं बढ़ाना चाहते।

कोर्ट ने टिप्पणी की:

"पहले हाईकोर्ट जाइए, वहां बहस कीजिए और फिर ज़रूरत हो तो यहां आइए। अब फिल्म निर्माता कह रहे हैं कि वे संतुष्ट हैं और याचिका वापस लेना चाहते हैं, तो आप लोग भी हाईकोर्ट जाइए। हमारा समय क्यों बर्बाद कर रहे हैं?"

फिल्म की रिलीज़ के पक्ष और विपक्ष में याचिकाएं दायर की गई थीं।

फिल्म निर्माता ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें फिल्म की रिलीज़ पर रोक लगाई गई थी और केन्द्र सरकार को इसकी पुन: समीक्षा करने के लिए कहा गया था।

बाद में सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को फिल्म की जांच करने की अनुमति दी। इसके तहत नियुक्त एक पैनल ने कुछ संशोधन सुझाए, जिनके बाद सरकार ने रिलीज़ को मंज़ूरी दी।

- **ये परिवर्तन करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने प्रोड्यूसर को पुनः हाई कोर्ट जाने के आदेश दिये।**
- **पिक्चर की रिलीज़ के खिलाफ याचिका दायर करने वाले जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मदनी ने इस सशर्त रिलीज़ को भी चुनौती देने की बात कही है।**
- **फिल्म में प्रोड्यूसर के अधिवक्ता ने पिक्चर के खिलाफ और आगे स्थगन आदेश देने का विरोध किया।**
- **अधिवक्ता के अनुसार, मदनी सुपर सैंसर जैसे व्यवहार कर रहे हैं।**
- **सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश कांत ने इस पर कटाक्ष किया कि प्रोड्यूसर को लाभ ही हो रहा है, मुकदमा चलते रहने से, उसकी पिक्चर को पब्लिसिटी ही मिल रही है।**

फिल्म के विरोध में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और कन्हैयालाल हत्या मामले के एक आरोपी मोहम्मद जावेद ने याचिकाएं दायर की थीं।

अब उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा दी गई मंज़ूरी को चुनौती देने की घोषणा की है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल (मदनी की ओर से) और मेनका गुरुस्वामी (जावेद की ओर से) ने कहा कि वे इसे दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती देंगे।

ज्ञातव्य है कि कन्हैयालाल की जून 2022 में दो लोगों ने हत्या कर दी थी, जब उन्होंने भाजपा नेता नूपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद पर दिए बयान का समर्थन करते हुए एक वॉट्सऐप स्टेटस डाला था।

'उदयपुर फाइल्स' को पहले 11 जुलाई को रिलीज़ किया जाना था।

रिलीज़ से कुछ दिन पहले मौलाना मदनी ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की, उन्होंने कहा कि यह फिल्म मुस्लिम समुदाय को बदनाम करती है।

हाईकोर्ट ने फिल्म की रिलीज़ पर रोक लगाई, ताकि सरकार सिनेमैटोग्राफ अधिनियम की धारा 6 के तहत अपनी पुनरीक्षण शक्तियों का उपयोग कर सके।

इस रोक को चुनौती देते हुए फिल्म निर्माता सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। अब सुप्रीम कोर्ट ने मामला फिर से हाईकोर्ट को सौंप दिया है।

फिल्म निर्माता के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने आगे कोई रोक लगाने का विरोध करते हुए कहा: "सुप्रीम कोर्ट हमेशा ऐसी रोक को हटाता रहा है। क्यों फिर से रोक लगे?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष ने संसद परिसर में मार्च निकाला

नयी दिल्ली, 25 जुलाई। विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए शुक्रवार को संसद भवन परिसर में मार्च निकाला।

- **इसमें मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका सहित कई बड़े नेता शामिल हुए और इन्होंने बिहार मतदाता पुनरीक्षण के खिलाफ नारे लगाए।**

विपक्षी सांसदों ने राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की प्रतिमा से संसद भवन के 'मकर द्वार' तक मार्च निकाला। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेता एवं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

विजय गर्व और प्रतिष्ठा के साथ आती है पर यदि उसकी रक्षा पौरुष के साथ न की जाय तो अपमान का ज़हर पिला कर चली जाती है। –मुक्ता

देश व लोकतंत्र के हित में चुनाव आयोग केवल सक्रिय ही नहीं, किंतु निष्पक्ष भी हो और ऐसा दिखे भी

लगभग निम्न आशय की बात चुनाव आयोग के हवाले से प्रिंट, टीवी व सोशल मीडिया में घूम रही है ::---

पर उठाए जा रहे बेबुनियादी सवालो से डरकर, चुनाव आयोग ऐसे लोगों के बहकावे में आकर --

1. मरे हुए मतदाताओं
2. स्थाई तौर से प्रवास के गए मतदाताओं
3. दो जगह वोट बनवा चुके मतदाताओं
4. फर्जी मतदाताओं
5. विदेशी मतदाताओं के नाम पर फर्जी बात डालने वाले लोगों को

पहले बिहार में और फिर पूरे देश में, संविधान के विरुद्ध जाकर बात डालने की अनुमति दें???

चुनाव आयोग भारतीय संविधांन के अंतर्गत गठित एक शक्तियुक्त आयोग है जिस पर देश में निष्पक्ष चुनाव करने का बहुत बड़ा दायित्व है। राजनीतिक दलों को भी बिना बात उसकी गरिमा को बेवजह ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए, यह बात तो सामान्य से सामान्य बुद्धि वाला व्यक्ति भी मानेगा।

किंतु उतना ही महत्वपूर्ण यह भी है कि चुनाव आयोग भी पूर्ण निष्पक्षता से अपना दायित्व निभाए।

कौन इस से असहमत होगा कि मृत व्यक्तियों के नाम मतदाता सूचियों से हटे। यह रूटीन एक्सरसाइज चुनाव आयोग नियमित रूप से करता आया है, किसी ने प्रश्न उठाया क्या कि ऐसा नहीं किया जाए?? तो फिर यह प्रश्न ही क्यों??

इसी प्रकार जिन मतदाताओं का नाम दो जगह मतदाता सूचियों में है उनका नाम एक जगह से विलोपित होना चाहिए किन्तु ऐसे व्यक्ति को यह विकल्प दिया जाना चाहिए कि वह किस स्थान पर मतदान करना चाहता है?? क्या नहीं हो ऐसा?? जिन लोगों को रोजी-रोटी व सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए ग्रामीण व शहरी दोनों जगह रहना रहना पड़ता है जैसे कि अल्पायभोगी दिहाड़ी काम वाले लोग, किसान - मजदूर आदि। सामान्य बुद्धि तो कहती है मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण करते वक्त ऐसे चिन्हित लोगों को अवसर दें कि वे कहां के मतदाता रहना चाहते है? केवल बीएलओ के द्वारा भरे या भराये गए गणना पत्र के आधार पर नाम काटना सरासर अन्याय होगा और सुनाव आयोग की साख भी कुछ तो कम होगी ही, चुनाव आयोग माने या न माने।

इसी प्रकार जिन मतदाताओं में स्थाई तौर पर पुराना निवास छोड़ कर नई जगह रहना शुरू कर दिया उनका नाम भी हटना चाहिए और मैं समझता हूं किसी राजनीतिक दल ने इसका विरोधी नहीं किया है। किंतु ऐसे मामलों में पूर्णतः निष्पक्ष रूप से जांच तो होनी चाहिए कि यह तथ्य सही है या BLO की लापरवाही है या कहीं BLO या BLA की मिलीभगत तो नहीं है, किसी दूसरे पक्ष के वोटर्स का नाम कटवाने की???

जो समाचार है उनके अनुसार, आयोग को ज्ञात हुआ है कि विदेशी व फर्जी मतदाताओं के वोट दूसरे लोग डालते है। यह तो अत्यंत ही गंभीर बात आयोग में बताई है। फिर तो पूरी चुनाव प्रक्रिया ही संदेह के घेर में आ जाएगी? अगर आयोग के हवाले से छपी खबर सही है तो फिर आयोग को पता है कि किन फर्जी व विदेशियों के वोट कौन डालता, डलवाता है???? फिर तो आयोग विस्तृत सूचनाएं देश के सामने आने दे।

हर चुनाव के बाद पोलिंग बूथ के बाहर ऐसे व्यक्ति शिकायत करते मिलते है कि पहले उसका नाम था अब नहीं, क्यों??

और अब आयोग के द्वारा, मतदाता सूचियों में से फर्जी व विदेशी मतदाताओं के हटाने की बात पर विचार करे। शायद ही कोई असहमत होगा कि फर्जी व विदेशी लोगों के नाम मतदाता सूचियों में से हटने चाहिए? प्रश्न यह है कि आयोग ने यह प्रश्न पूछा क्यों? सबसे पहले आयोग ही स्पष्ट करे कि फर्जी और विदेशी मतदाताओं की पहचान कैसे की? ऐसे लोगों की सूची जारी करे जिन्हें आयोग फर्जी या विदेशी मानता है और उसके आधार बताए।

ऐसे लोगों के नाम मतदाता सूची में, निम्न कारणों से होना संभव है ::-- की निष्क्रियता, लापरवाही के कारण या फिर BLO और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं की मिलीभगत हो। यह मिली भगत पहले संभव थी तो अब भी हो सकती है। बहुत से लोगों को झूठमूठ मृत बताया जा सकता है, निवास छोड़कर अन्यत्र बसाना बताया जा सकता है।

इसलिए आयोग को आगामी एक माह में ऐसे समस्त लोगों जिन्हें मृत या निवास छोड़ गए बात रहे है, उनकी बूथवार सूची बूथ पर, पंचायतों में, पटवारियों के पास, तहसील कार्यालयों में व पॉलिटिकल पार्टियों को उपलब्ध करानी चाहिए ताकि जिन को आपत्ति हो वे आपत्तियां दर्ज कर सकें।

जो समाचार है उनके अनुसार, आयोग को ज्ञात हुआ है कि विदेशी व फर्जी मतदाताओं के वोट दूसरे लोग डालते है। यह तो अत्यंत ही गंभीर बात आयोग में बताई है। फिर तो पूरी चुनाव प्रक्रिया ही संदेह के घेर में आ जाएगी?

अगर आयोग के हवाले से छपी खबर सही है तो फिर आयोग को पता है कि किन फर्जी व विदेशियों के वोट कौन डालता-डलवाता है???? फिर तो आयोग विस्तृत सूचनाएं देश के सामने आने दे।

चलते-चलते, आम आदमी की जिज्ञासा है कि कौन देश का नागरिक कोन विदेशी, इसकी पहचान कौन दफ्तर कौन अधिकारी करते हैं? नागरिक होने का प्रमाण पत्र लेना हो तो चुनाव कार्यालय में दरख्वास्त दें या अब जो वोटरलिस्ट जारी करेगा आयोग वही प्रमाण पर्याप्त होगा नागरिकता दिखाने के लिए। वैसे कानून जानने वाले लोग मानते है कि चुनाव आयोग को नागरिकता की जांच का अधिकार नहीं। अब यह सही है या नहीं यह तो सुप्रीम कोर्ट या सरकार या चुनाव आयोग जाने।

यों ही, एक बात सुनते आए है कि न्याय हो यही पर्याप्त नहीं, न्याय होता दिखना भी चाहिए। एक न्यायाधिकारी के सामने मुकदमा पेश होने के बाद सभी पक्षकारों और उनके पैरवी कर्ताओं को सुना जाता है। फैसले में सारी बातें विस्तार से लिखी जाती है। जो भी कानून के बातें कही जाती है वे लिखी जाती है। इन सभी पर न्यायाधीकारी अपना मत व्यक्त कर फैसला देता है। इस से न्याय हुआ दिखता है। फैसला तो यों भी हो सकता है कि सब को सुनने के बाद यह मानता हूं कि यह यह बात सही है और यह आदेश दिया जाता है ----? नहीं? किंतु नहीं क्यों कि ऐसा करने से न्याय होता दिखता नहीं।

अल्पज्ञानि सामान्य आदमी का तो मानना है कि यह बात चुनाव आयोग भी लागू होती है। चुनाव आयोग कोई छोटे अधिकारियों का दफ्तर नहीं जहां कोई गलती कर दे तो ऊपर के दफ्तरों में जाने के रास्ते है। यदि चुनाव आयोग मतदाताओं का नाम बिना पूर्ण- विस्तृत जांच के नाम काटी दे तो लोकतंत्र में इस से घातक ओर क्या बात होगी??

चुनाव आयोग का सम्मान होना ही चाहिए किंतु इसके लिए आयोग को भी निष्पक्ष दिखना ही होगा।

–अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह, पूर्व आइ ए एस

दहेज : परम्परा या अभिशाप?

अर्पिता माथुर

क्या हम सच में चाँद पर पहुँच गए हैं या अब भी पुरानी सोच में जकड़े हैं?।

"सोचिए, जिस लड़की ने तीन साल पहले अपने सपनों की शादी की थी, वही दहेज के बोझ से दबकर अपनी जान दे बैठी।"

राजस्थान के जयपुर में हाल ही में दो विवाहित महिलाओं की मौत की खबर आई। वैशाली नगर में तीन साल पहले लव मैरिज करने वाली महिला ने दहेज प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। वहीँ दूसरी ओर श्याम नगर में एक और विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई जहाँ पीहर पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया। ये घटनाएँ चौंकाती हैं और सोचने पर मजबूर करती हैं कि क्या हम सच में चाँद पर पहुँच गए हैं या अब भी पुरानी सोच में जकड़े हैं?। और भी कई ऐसी घटनाओ ने समाज को एक बार फिर सोचने पर मजबूर कर दिया है कि हम चाहे चाँद तक पहुँच जाए लेकिन समाज की कुछ रीति-रिवाजों का बोझ जीवन भर सहना पड़ेगा। वैसे रीति-रिवाजों के विरोध में नहीं हूँ मैं लेकिन कुछ रीति-रिवाज़ों का अपना ऐतिहासिक महत्त्व रहा है, बस समाज ने बिना ज्ञान के अपनी मानसिकता के बल पर अन्य प्रकार से उन्हें ग्रहण किया है और अब आने वाली पीढ़ी पर थोप रहे हैं।

न केवल भारत में बल्कि यूरोप, अफ्रीका और दुनिया के अन्य भागों में भी दहेज प्रथा का लम्बा इतिहास है। भारत में इसके और भी कई नाम है जैसे हुँडा या वर-दक्षिणा। इतिहास में इसे एक परम्परा के रूप में देखा जाता था जिसका ऐतिहासिक सन्दर्भ कई लेखों और चित्रों में भी मिलता है। जिसे यहाँ प्रदर्शित करना एक नयी बहस शुरू कर देगा। क्यूंकि मेरा और मेरे जैसे कितने पत्रकारों का यही मकसद रहने वाला है कि इस प्रथा को सही ढंग से प्रस्तुत किया जाये न कि जंग से प्रस्तुत किया जाए.. खैर.. भारत में दहेज, भले ही वर्ष 1961 से दहेज निषेध अधिनियम के तहत अवैध घोषित है, फिर भी इसे आज भी एक सामाजिक प्रथा के रूप में देखा जाता है। वधू यानि लड़की के परिवार द्वारा नक़द या वस्तुओं के रूप में यह वर यानि लड़के के परिवार को दिया जाता है। कई परिवार इसे विवाह का जरुरी हिस्सा मानते हैं और अक्सर इसे उपहार का नाम देकर रूप में ढाब दिया जाता है। समाज में अभी भी ये मानसिकता नजर आती है जहाँ उस लड़की की अहमियत उसके जीवन की उपलब्धियों से नहीं, उसकी शिक्षा से नहीं, उसके संस्कारों से नहीं नापी जाती है, बल्कि वह कितना दहेज लेकर आई, इससे तय की जाती है। और इसी दबाव के कारण परिवार दहेज की मांगों को पूरा करने के लिये मज़बूर हो जाते हैं, और यही मजबूरी बन जाती है बेटियों की ज़िन्दगी का कलंक उत्पीड़न, हिंसा और मौत के रूप में। कुछ बेटियां संस्कारों और माता पिता के सम्मान को बचाने के बोझ तले पूरी ज़िन्दगी गुजार देती है।

आंकड़ों की बात की जाए तो साल 2017 से 2022 के बीच, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार भारत में हर साल औसतन 7,000 दहेज से संबंधित हत्याएँ दर्ज हुईं। वैसे में ये कहूँगी की के आँकड़ें अपवादित भी हो सकते है क्योंकि दहेज से होने वाली अनेक मौतें रिपोर्ट ही नहीं की जातीं, जो इस समस्या की गंभीरता और हम अपने अधिकारों के प्रति कितने जागरूक है उसकी तरफ एक इशारा है। वहीं दहेज के लिए तंग करने पर कानून सख्त सज़ा देता है जैसे धारा 498-ए: अगर पति या उसके घरवाले दहेज की मांग करके पत्नी को परेशान करें, तो उन्हें 3 साल तक जेल और जुर्माना हो सकता है।

धारा 406: अगर पत्नी का गहना या उसका सामान वापस नहीं करते, तो 3 साल तक जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। धारा 304-बी: अगर शादी के 7 साल के अंदर दहेज की वजह से महिला की संदिग्ध मौत हो जाए, तो 7 साल से लेकर उम्रकैद तक की सज़ा हो सकती है। हालांकी दहेज का विवाह के साथ अटूट संबंध है लेकिन दहेज निषेध अधिनियम, 1961 का अनुच्छेद 3 निर्दिष्ट करता है कि दहेज देने या लेने का दंड उन उपहारों पर लागू नहीं होता है जो दूल्हा या दुल्हन को शादी के समय दिए जाते हैं जब उनकी कोई मांग नहीं की जाती है।

गाँव हो या शहर, अमीर हो या गरीब - दहेज प्रथा की जड़ें बहुत गहरी हैं जिसका दूसरा छोर ढूंढ़ने से भी नहीं मिलेगा। जहाँ एक और महिलाओं को अब भी यानि मॉडर्न समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न, मारपीट और आत्महत्या जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है, जबकि जाँच प्रक्रियाएँ इतनी लंबी होती हैं की दोषियों को सजा मिलना और बेक़सूर को न्याय मिलना ऊँट के मुँह में जीरा मिलने समान है। सबसे बड़ी समस्या तो सोच की ही है. बेटी को आज भी 'पराया धन' समझा जाता है। वहीं दिखावा और समाज में 'स्टेटस मेन्टेन' करने की होड़ मची है । अपराधियों में कानून का डर ही नहीं है क्यूंकि कई केस दबा दिए जाते हैं या रिपोर्ट नहीं होते। अपराधियों के हौसले और बुलंद हो जाते है। कुल मिलाकर समस्या समाज की मानसिकता में है। दोनों पक्षों को अपना अपना सामाजिक स्टेटस बढ़ाना है चाहे आतंरिक स्थिति हिचकोले खा रही हो। उनकी इसी सोच का भुगतान उनकी बेटी और बहु ही नहीं उससे सम्बंधित हर व्यक्ति को करना पड़ता है। एक जीवन के खोने से केवल वो व्यक्ति नहीं जाता उसके साथ चली जाती कई यादें, टूट कर बिखर जाते है कई सपने, उनके माता पिता की उम्मीदें और उनकी भावी पीढ़ी का भविष्य।

सामाजिक तौर पर समाज को बदलना होगा। अपनी चुप्पी को तोड़ना होगा और आवाज़ उठानी होगी। अगर आपके आस पास ऐसी कोई घटना आप महसूस करते है तो नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत अवश्य करे और एक नहीं कई ज़िन्दगियों को आप बचा सकते है। परिवार मिलकर 'नो डाउरी शादियाँ' अभियान चलाएँ। वहीं न्यायिक तौर पर ऐसे फैसले तेजी से हों और कठोर हो ताकि समाज में डर पैदा हो। मानसिक तौर पर हमे सोच में बदलाव लाना होगा। बेटी को बोझ नहीं, बराबरी का अधिकार दें। दहेज़ के रूप उन्हें शिक्षा और आत्मनिर्भरता सौंपे। बेटियों को मजबूत बनाएं।। भले ही आज हम टेक्नोलॉजी में आगे हैं,चाँद तक पहुँच रहे है, लेकिन अगर दहेज की वजह से बेटियाँ जलती रहें तो ऐसे विकास और प्रगति का क्या मतलब? कन्या दान पुण्य है, लेकिन कन्या की जान लेना सबसे बड़ा पाप।समाज को मिलकर सोचना होगा -"क्या हम अगली पीढ़ी को भी यही दर्द सौंपना चाहते हैं?"

-अर्पिता माथुर (पत्रकार)

कारगिल युद्ध : भारतीय सेना और सैनिकों की गौरव गाथा

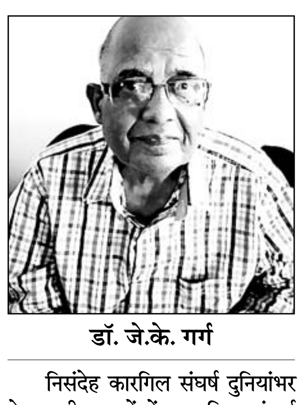

डॉ. जे.के. गर्ग

निसंदेह कारगिल संघर्ष दुनियांभर के पहाड़ी इलाकों में अत्याधिक ऊंचाई पर लड़ी गई लड़ाईयों में से एक लड़ाई है। कारगिल संघर्ष परमाणु बम शक्ति सम्प्पन भारत-पाकिस्तान के बीच हुआ पहला सशस्त्र युद्ध था। जहाँ 1965 में हम लाहोर तक पहुच गये और पाकिस्तान के होंसले पस्त कर दिए थे इस युद्ध की परिणीती तास्क्न्द समझोते में हुई थी, वहीं 1971 में पाकिस्तान को दो भागों में विभाजित करके एक नये राष्ट्र बंगलादेश को जन्म दिया था। यह युद्द इंदिराजी जी के विलक्षण प्रतिभा का प्रमाण था, वहीं बीसवी शदी का निर्णायक एकमात्र युद्ध भी था जिसमें 93000 से ज्यादा पाकिस्तान के सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर भारतीय सेना के गौरव को उच्चतम शिखर पर पहुचा कर विजय पताका फहरा कर तिरगें की शान बढ़ाई थी।

कारगिल युद्ध को मोटे तोर पर तीन चरणों में विभक्त किया जा सकता है।

पहिले चरण में पाकिस्तानी घुसपैठियों ने श्रीनगर को लेह से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग नम्बर एक पर नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण सामरिक स्थानों पर क़ब्ज़ा कर लिया था। दूसरे चरण में भारत के सुरक्षा बलों और सेना ने घुसपैठ का पता लगाकर अपने सुरक्षाबलों को अविलंब जबाबी हमले के लिए लामबंद करना शुरू किया था। तीसरे चरण में भारत और पाकिस्तान के बीच भयंकर लड़ाई हुई जिसमें पाकिस्तानी सेना को अग्रिम भागों से पीछे हटना पड़ा। कारगिल युद्ध भारत की सेना के पराक्रम शौर्य का परिचायक है वहीं इस लड़ाई में भी पाकिस्तानी शासकों एवं उसकी सेना की इतिहास को दोहराते हुए करारी पराजय हुई थी।

पाकिस्तान की सेना और तथाकथित कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा पार करके भारत की जर जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। संघर्ष की प्रारम्भिक अवस्था में पाकिस्तान ने दावा किया कि लड़ने वाले उसके नियमित सैनिक नहीं हैं वरन वे सभी कश्मीरी उग्रवादी-जिहादी हैं। पाकिस्तान के इस सफेद झूट का शीघ्र ही पर्दाफाश हो गया क्योंकि युद्ध में बरामद हुए दस्तावेजों, हथियारों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हुआ कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप मेंइस युद्ध में शामिल थी। कारगिल- द्रास सेक्टर में हुए संघर्ष में लगभग 30000 भारतीय सैनिकों ने भाग लिया वहीं पाकिस्तान के नियमित सैनिकों के अलावा करीब 5000 घुसपेठीयें ने भी पाक सैनकों की मदद की थी। भारतीय सेना ने इस लड़ाई में बोफोर्स तोपों का प्रयोग किया इन तोपों ने दुश्मनों पर कहर बरपा। भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सफेद सागर के अंतर्गत कठिन भौगोलिक परिस्थतीयों के बावजूद थल सैनिकों की सहायता की थी। भारतीय नोसेना ने ऑपरेशन तलवार के अंतर्गत पाकिस्तानी बंदरगाहों विशेषतया कराची बंदरगाह की नाके बंदी कि जिससे पाक सैनिकों को कोई मदद नहीं मिल सके। भारतीय नोसेना की उत्तरी एवं पश्चिमी फ्लीट ने उत्तरी अरब सागर के क्षेत्र में आक्रमक पेट्रोलिंग कर पाकिस्तान के समुद्रीय व्यापार के लिये गम्भीर चुनोती उत्पन्न कर उसके सामुद्रिक व्यापार को क्षति पहुचाई। इस लड़ाई में भारतीय सेना के तीनो अंग थल,वायु एवं नो सेना परस्पर अनुकरणीय समन्वय का परिचय दिया जिसके फलस्वरूप इस युद्ध में भी हमें विजयश्री प्राप्त हुयी। युद्ध समाप्ति के तुरंत बाद में पाकिस्तान ने दावा किया उसके मात्र 375 सैनिक ही मारे गए हैं लेकिन बाद में सच्चाई सामने आई कि पाक के तकरीबन चार हजार सैनिक करगिल संघर्ष में मारे गए हैं। भारतीय सेना के मुताबिक 543 अफसर और जवान शहीद हुए जबकि करीब 1300 जख्मी हुए। महज एक भारतीय सैनिक को युद्ध बंदी बनाया गया था। कारगिल संघर्ष के समय जहाँ अमेरिका नें पाकिस्तान को नियन्त्रण रेखा के उल्लघन का दोषी माना था वहीं 8 देशों, यूरोपियन यूनियन एवं के क्षेत्रीय संघटन ने भी पाकिस्तान की आलोचना कर सघंर्ष समाप्त करने एवं नियन्त्रण रेखा के उल्लघन को रोक कर सघर्ष के पूर्व वाली स्थिती पर लोटने को कहा। अमेरिकन राष्ट्रपति क्लिंटन और नवाज शरीफ के संयुक्त व्यक्तय में नियन्त्रण रेखा का सम्मान करते हुए भारत-पाकिस्तान के विवादों को बातचीत से शांतीपूर्ण तरीकों से सुलझाने को कहा। चारों ओर से अंतर्राष्ट्रीय दबाव के कारण तत्कालीन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री श्री नवाज़ शरीफ ने बचे हुए पाकिस्तान के सैनिकों को भारतीय सीमा के अन्दर वाले क्षेत्र से पीछे हट जाने का आदेश दिया।

भारत की विजय के साथ 26 जुलाई 1999 को संघर्ष समाप्त हुआ। कारगिल युद्ध में भारत की विजय की स्मृति में प्रतिवर्ष 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। समस्त भारत में इस कारगिल युद्ध के दौरान अद्भुत राष्ट्र प्रेम एवं देशभक्ति की भावना देखने को मिली थी। वहीं पाकिस्तान की पराजय के कारण पाकिस्तान में राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता बढ़ गई जिसकी परिणति में नवाज़ शरीफ़ निर्वाचित सरकार का तख्ता पलट कर वहां की सेना के प्रमुख परवेज़ मुशर्रफ़ राष्ट्रपति बन गए। कारगिल युद्ध के अनेकों शूरवीर बहादुर एवं फोलादी इरादों वाले जवानों में अनुज नायर, विक्रम बत्रा एवं योगेन्द्र यादव तो प्रमुख हैं ही, भारत को उनके और उनके साथियों की वीरता तथा फोलादी देश भक्ति के इरादों से युद्ध में निर्णायक विजयश्री मिली थी। इस लड़ाई में मुख्य विजय टाईगर हिल्स पर कब्जें पर थी।

कारगिल युद्ध के उपरोक्त नायकों के अतिरिक्त कारगिल संघर्ष के अन्य हीरों यथा केप्टिन जेरी प्रेमराज, केप्टिन शशि भूषण घड़ियाल, सूबेदार रघुनाथ सिंह एवं हवलदार सीसराम गिल के योगदान को भी समूचा राष्ट्र हमेशा याद रक्खेगा। कारगिल विजय पर्व के 25वीं वर्ष गांठ के मोके पर समूचा भारत कारगिल संघर्ष के समस्त शहीदों को शतः शतः नमन करता है और उनके देशभक्ति के जज्बे को सलाम भी। समूचा राष्ट्र कारगिल विजय दिवस के मोंके पर भारत की अखंडता पर तिरछी नजर रखने वालों को कड़ी चेतावनी देता है कि वे अपनी नापाक हरकतों से बाज आयें। जय हिंद जय किसान जय जवान। भारत का बच्चा करें उनका सम्मान और सलाम।

–डॉ. जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त शिक्षा निदेशक
कॉलेज शिक्षा जयपुर

पर्यावरण संरक्षण के लिए राज्यभर में "बर्तन बैंक" बड़ी पहल बना

शादी व दूसरे साामाजिक समारोह के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम स्थल के आसपास कचरे के ढेर के बजाय साफ-सफाई नए राजस्थान की सुखद तस्वीर है। राज्य सरकार ने क्लीन कुकिंग को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक की व्यवस्था की है ताकि सरकारी और निजी कार्यक्रम में डिस्पोजल का उपयोग न करना पड़े। राज्यभर में इसी सोच को साकार करने की दिशा में 1000 ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक स्थापित किये हैं।

बर्तन बैंक के एक सेट में स्टील की एक प्लेट, तीन कटोरी, एक चम्मच एवं एक गिलास कुल छः बर्तन होते हैं। एक ग्राम पंचायत में इनके 400 सैट उपलब्ध करवाए गए हैं। प्रति ग्राम पंचायत 1 लाख रूपये मूल्य के बर्तनों की खरीद की गई है। प्रति सेट 3 रूपए किराया लिया जाता है ताकि इनका रखरखाव करने वाले राजीविका के महिला स्वयं सहायता समूह को योजना संचालन में आसानी हो। ग्राम पंचायत विधवा, एससी, एसटी जैसे वर्गों के लिए आधा किराया माफ कर सकती है।

राज्य में अजमेर जिले में 27, अलवर में 30, बालोतरा 27, बांसवाड़ा 30, बांरा में 24, बाड़मेर में 30, ब्यावर में 18, भरतपुर में 21, भीलवाड़ा में 30, बीकानेर में 27, बूंदी में 15, चित्तौडगढ़ में 30, चूरू में 21, दौसा में 30, डीग में 15, धौलपुर 20, डीडवाना-कुचामन में 21, डूंगरपुर में 30, श्रीगंगानगर में 27, हनुमानगढ में 21, जयपुर में 30, जैसलमेर में 21, जालौर में 30, झुंझुंनू में 30, झालावाड़ में 24, जोधपुर 30, करौली 24, खैरथल-तिजारा 15, कोटा 20, कोटपुतली- बहरोड़ 20, नागौर 24, पाली 24, फलौदी 24, प्रतापगढ़ 24, राजसमंद 24, सलूम्बर में 20, सवाईमाधोपुर में 21, सीकर में 30, सिरोही में 20, टोंक 21 और उदयपुर में 30 ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक की स्थापना की जा चुकी है।

इस योजना के सफल संचालन से भरतपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक स्वच्छता के प्रति नई चेतना आई है। गरीब परिवारों को भी टैंट किराये से राहत मिली है। शादी समारोह में टैंट किराये में लगने वाला हजारों रूपये का खर्च बचने से बड़ी राहत मिली है, कचरे के ढेर, दुर्गंध, पर्यावरण क्षरण का कुछ हद तक समाधान हुआ है। जिले की पंचायत समिति सेवर में ग्राम पंचायत हथैनी, जघीना और जाटौली रथवान, पंचायत समिति भुसावर की बल्लभगढ, निठार और पथैना, उच्चैन की भैंसा, पिचूना और सहना, वैर की समराया, सरसैना और पाली, रूपवास की औडेलागद्दी, निभेरा और चैकोरा, नदबई की लखनपुर, कटारा और परसवारा एवं बयाना की बंधबरैठा, सालाबाद और गाजीपुर ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक खोले गए हैं। राज्य में इसके अतिरिक्त एक लाख लाभार्थियों को निःशुल्क इंडक्शन कुकटॉप वितरित करने का निर्णय लिया गया है। वेस्ट टू वैल्थ पार्क्स और क्लीन एंड ग्रीन टेक्नोलॉजी डवलपमेंट सेंटर जैसे नवाचारों से पर्यावरण संरक्षण को तकनीकी मजबूती दी जा रही है। इसे गांवों को प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार का महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे ग्रामीणों को भी सामूहिक आयोजनों में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की प्रेरणा मिलेगी।

यह लेख हरिओम सिंह गुर्जर, संयुक्त निदेशक, भरतपुर सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय और संतोष कुमावत, सहायक निदेशक (जनसम्पर्क), पंचायतीराज विभाग ने लिखा है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 26 जुलाई, 2025

सावन मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, आश्लेषा नक्षत्र दिन 3:52 तक, व्यतिपात योग रात्रि 4:06 तक, बालव करण दिन 11:02 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:52 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क चन्द्रमा-कर्क, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति, सिंजारा, अश्वत्थ मारूती पूजन, व्यतिपात पुण्य है। आज शुक्र मिथुन राशि में प्रातः 8:56 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:32 से 9:12 तक, चर 12:33 से 2:14 तक, लाभ-अमृत 2:13 से 5:34 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:52, सूर्यास्त 7:14

मेष
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। पारिवारिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

सिंह
घर-गृहस्थी और व्यक्तिगत खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कन्या
आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मांगलिक-धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

कुंभ
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मांगलिक-धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मांगलिक-धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

शासन सचिव ने प्री वेटरनिरी टेस्ट को पारदर्शी तरीके से कराने के निर्देश दिए

शासन सचिव पशु पालन डॉ समित शर्मा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर। शासन सचिव पशुपालन, गोपालन और मत्स्य डॉ समित शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, (राजूवास) बीकानेर/जोबनेर, जयपुर के संघटक पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालयों एवं संबद्ध वेटरनिरी कॉलेजों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से अगस्त में आयोजित होने वाले राजस्थान प्री वेटरनिरी टेस्ट पर चर्चा हुई। शासन सचिव ने निर्देश दिए कि यह परीक्षा पूर्ण रूप से निष्पक्ष, कदाचार रहित और पारदर्शी तरीके से करवाना सुनिश्चित करें। किसी भी तरह की अनियमितता बिल्कुल बरदाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने परीक्षा की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और पारदर्शी करने के सख्त निर्देश दिए।

- पशु चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रवेश पारदर्शी और मेरिट के आधार पर हो

उन्होंने कहा कि परीक्षा और प्रवेश की पूरी प्रक्रिया केंद्रीकृत होनी चाहिए। उन्होंने सख्त निर्देश दिया कि परीक्षा में किसी प्रकार की कोई धांधली नहीं होनी चाहिए। सरकार इसके प्रति बहुत गंभीर है अगर ऐसा मामला कहीं भी सामने आता है तो जिम्मेदार लोगों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान प्री वेटरनिरी टेस्ट की परीक्षा 3 अगस्त को प्रदेश के चार शहरों उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर और जयपुर के 33 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। शासन सचिव ने निर्देश दिए कि इन केंद्रों पर शुचितापूर्ण परीक्षा की सारी माकूल व्यवस्थाएं आवश्यक रूप से सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने राजूवास को निर्देश दिए कि परीक्षा से पहले मानक संचालन प्रक्रिया जारी हो जानी चाहिए। डॉ शर्मा ने सीटों की हेराफेरी करनेवालों को रोकने के लिए एक सेल गठित करने के निर्देश दिए और कहा कि पूरी प्रक्रिया भ्रष्टाचार रहित होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सा डिप्लोमा कार्यक्रम के संचालनकर्ता कॉलेजों की संबद्धता तभी करें जब वे राष्ट्रीय पशु चिकित्सा परिषद के सभी मानकों को पूरा करते हों। डॉ शर्मा ने कहा कि प्रदेश के सभी पशु चिकित्सा संस्थानों को राष्ट्रीय पशु चिकित्सा परिषद के मानदंडों पर काम करना होगा इसमें किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि 31 जुलाई तक सभी कॉलेजों को बायोमेट्रिक अटेंडेंस वेबसाइट पर, अध्यापकों की पारदर्शी सूची प्रदर्शित करने आदि नियमों का पालन करना होगा अन्यथा कॉलेजों की असंबद्धता के लिए राष्ट्रीय पशु चिकित्सा परिषद को अनुशंसा भेज दी जाएगी।

उन्होंने सभी कॉलेजों को सभी प्रकार के उपकरण और औजार की उपलब्धता और उनका उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और कहा कि कॉलेज के संचालन में भी पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए। उन्होंने चिकित्सा संस्थानों को निर्देश दिए कि पूरे सत्र का कैलेंडर पूर्व में ही तैयार करें और उसकी अनुपालना भी सुनिश्चित करें साथ ही सत्र समयपर प्रारंभ हों और समय पर समाप्त हों ऐसी व्यवस्था भी सुनिश्चित हो।

बैठक में शासन उपसचिव संतोष करोल, राजुवास के प्रो वाइस चांसलर डॉ हेमंत दाधीच, डॉ ब्रजनंदन श्रृंगी, निदेशक शोध, डॉ प्रकाश, डॉ अशोक डांगी, डॉ साकार पालेचा सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

जर्जर भवनों एवं संरचनाओं को लेकर जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने सख्त निर्देश दिये

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जिले में स्थित जर्जर एवं खतरनाक भवनों तथा संरचनाओं को लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए है।

उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में ऐसे भवन आमजन की जान-माल के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं, अतः इन्हें प्राथमिकता से चिन्हित कर नियमानुसार ध्वस्त किया जाए। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि नगरपालिका, नगर परिषद, नगर निगम तथा ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान चलाकर आमजन के आवास, विद्यालय, अस्पताल, सरकारी कार्यालय भवन सहित ऐसे सभी भवनों की सूची तैयार की जाए, जो उपयोग में होने के बावजूद बेहद जर्जर हालत में हैं। ऐसे मामलों में भवन स्वामियों को नोटिस जारी कर नियत समय में भवन खाली कराने की कार्रवाई की जाए।

जिला कलक्टर ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि वे स्वयं अथवा किरायेदार के रूप में किसी पुराने, जर्जर या असुरक्षित भवन में रह रहे हैं, तो शीघ्र उस भवन को खाली कर लें। जन सुरक्षा सर्वोपरि है और इस दिशा में जिला प्रशासन सजग और संकल्पित है।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें और संभावित जोखिम वाले भवनों के संबंध में नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

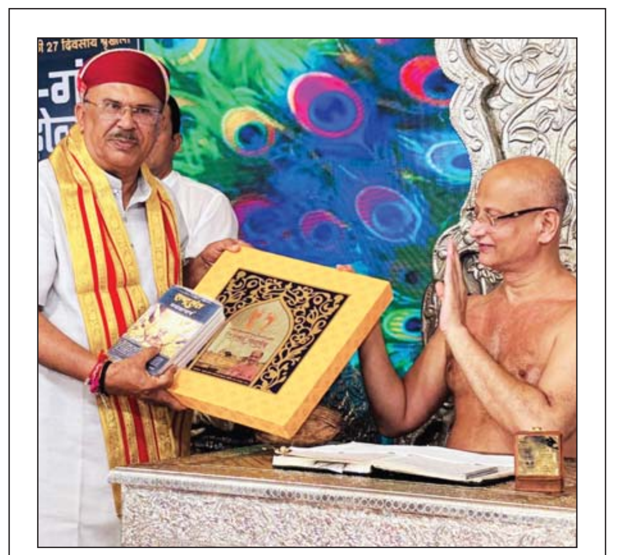

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को उदयपुर में आचार्य पुलक सागर की 27 दिवसीय प्रवचन श्रृंखला में पहुँचकर उनसे आशीर्वाद लिया, देवनानी ने कहा कि आचार्य पुलक सागर के प्रेरणादायी विचारों से आध्यात्म, संयम, सदाचार एवं आत्मशुद्धि की भावना जागृत होती है। उन्होंने कहा कि ओजस्वी प्रवचनों ने जनमानस में आध्यात्मिक चेतना और नैतिक मूल्यों के प्रति नई ऊर्जा का संचार भी होता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने झालावाड के पीपलोदी स्कूल हादसे पर संवेदना व्यक्त की

जयपुर। झालावाड़ जिले के पीपलोदी क्षेत्र में हुए विद्यालय भवन हादसे पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। दिल्ली में मीडिया को संबोधित करते हुए राठौड़ ने कहा कि यह एक अत्यंत पीड़ादायक घटना है और पूरा भाजपा परिवार शोकसंतप्त परिजनों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार इस कठिन समय में हर संभव संबल और सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार दुखी परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। राहत और पुनर्वास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि इस हादसे की तत्काल जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है, जिसमें सीईओ, जिला परिषद झालावाड़, एसडीएम मनोहरथाना और अधीक्षण अभियंता झालावाड़ को शामिल किया गया हैं। जांच समिति शीघ्र ही दुर्घटना के कारणों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही सभी जिलों और विद्यालयों को भवनों की स्थिति को लेकर अलर्ट जारी किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचने के लिए सभी जर्जर भवनों को चिह्नित कर सुरक्षित रूप से ध्वस्त करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, इसके लिए भी स्थानीय निकायों को पत्र जारी किए गए है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि इस दुखद समय में राजनीति करना निंदनीय है। हम सबको राजनीति से ऊपर उठकर पीड़ितों की सहायता के लिए कार्य करना चाहिए। जो लोग आज बयानबाजी कर रहे हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि वे स्वयं कभी शिक्षा मंत्री रहे हैं। डोटासरा को ध्यान रखना चाहिए कि यह भवन काफी पुराना बना हुआ है, लेकिन यह समय राजनीति का नहीं है।

उन्होंने यह भी बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही भाजपा कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और राहत कार्यों में सक्रिय सहयोग किया। चिकित्सा व्यवस्था पर राठौड़ ने बताया कि सरकार ने विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम भेज दी है और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए पाबंद किया गया है। उन्होंने बताया कि हमने पहले भी समय-समय पर अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। कुछ अधिकारियों की लापरवाही सामने आने पर निलंबन की कार्रवाई भी की गई है। यह घटना अत्यंत दुखद है और हमने अपने मासूम बच्चों को खो दिया है, जिसका दुख हम सबके मन में है।

हेरिटेज निगम 26 जुलाई को मनाएगा सिंजारा तीज महोत्सव

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज जयपुर की ओर से 26 जुलाई शनिवार को सिंजारा तीज महोत्सव आयोजन किया जाएगा। हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव के नेतृत्व में आदर्श नगर में होने वाले इस आयोजन में शहरवासियों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन भी किए जाएंगे। सिंजारा तीज महोत्सव में राजस्थानी संस्कृति और सभ्यता को दर्शाया जाएगा। जिसमें कई प्रतियोगिता आयोजित की गई है। मेंहदी प्रतियोगिता, साफा बंधाई प्रतियोगिता, लहरिया प्रतियोगिता, बनी ठनी प्रतियोगिता का आयोजन शहरवासियों के लिए किया जाएगा। इन आयोजन में नगर निगम हेरिटेज के समस्त चेयरमैन, पार्षद, निगम अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल होंगे। वहीं हरियाली तीज के अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

इत्तलानामा बनाम रेस्पोंडेन्ट
न्यायालय संभागीय आयुक्त महोदय, जयपुर (संभाग जयपुर) राजस्थान
अपील नंबरी मुतफरिक या इजराय : 236/2014/00015
डिग्री नं....सन...बिनाराजी
तजवीज....अदालत
मुकाम...मुकाम....मवरिखा....सन....
भारत संघ वगैरह अपीलान्ट
बनाम
जे.डी.ए. वगैरह रेस्पोंडेन्ट
वनाम गुलाब बाजी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. रजिस्ट्रेशन नंबर 2564/एल जरिये अध्यक्ष शिव विजय शर्मा, पता-चार नंबर डिस्पेन्सरी के पास, सोडाला, जिला जयपुर, राजस्थान मुत्तिला हो कि अपील बिनाराजी डिक्री व तारीख.....इस मुकदमे में......में पेश किया है और अदाल की तजबीज 05 माह 08 सन् 2025 ई. वास्ते समाअत इस अपील के मुकर्रर की गई है, अगर खुद आप या आपके वकील या कोई सख्श जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवालत करने का माजज हो हाजिर न आवेगा, तो उसकी समाअत और की जायेगी। आज तारीख 22 माह 07 सन् 2025 ई. मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया।
आदेशानुसार-रीडर
मोहर अदालत
न्यायालय संभागीय आयुक्त
जयपुर

देवनानी का शहीदों को नमन किया

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। यह दिन उन वीर सपूतों की याद में समर्पित है जिन्होंने 1999 में पाकिस्तान के खिलाफ कारगिल युद्ध में अदम्य साहस दिखाया और भारत की सरहदों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

न्यायिक कर्मचारियों का सामूहिक अवकाश जारी

जयपुर। कैडर पुनर्गठन की मांग को लेकर प्रदेश न्यायिक कर्मचारी संघ के बैनर तले कर्मचारियों का सामूहिक अवकाश शुक्रवार को भी जारी रहा। हाईकोर्ट के आदेश की पालना में डीजे कोर्ट प्रशासन ने कर्मचारियों को काम पर नहीं लौटने पर कार्रवाई की चेतावनी भी जारी की है।कर्मचारी संघ के संरक्षक बद्रीलाल चौधरी ने बताया कि हमारे आंदोलन को कई वकील संगठनों का समर्थन मिला है। जब तक

- डीजे कोर्ट प्रशासन ने कर्मचारियों को काम पर नहीं लौटने पर कार्रवाई की चेतावनी भी जारी की

कैडर पुनर्गठन को लेकर चल रही हमारी मांग पूरी नहीं होती, हम सामूहिक अवकाश जारी रखेंगे। हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ ने दो साल पहले कैडर पुनर्गठन को लेकर राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा था, लेकिन राज्य सरकार अभी तक उस पर निर्णय नहीं कर पाई है।

जबकि दूसरी ओर राज्य कर्मचारियों का कैडर पुनर्गठन पूर्व में ही किया जा चुका है। इसके अभाव में न्यायिक कर्मचारियों को हर माह हजारों रुपए का आर्थिक नुकसान होने के साथ-साथ पदोन्नित भी समय पर नहीं हो पा रही है।

पुलिस ने 22 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया

जयपुर। करणी विहार थाना पुलिस ने हार्डकोर, एचएस, गैंग के सक्रिय बदमाश, भगोडे, फरार अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए 22 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। जिनमें 05 स्थायी वारंटी, 02 आर्म्स एक्ट और धारा 170 बीएनएसएस में एचएस सहित 17 बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि पुलिस मुख्यालय जयपुर राजस्थान की ओर से 31 जुलाई तक चलाये जा रहे विशेष अभियान हार्डकोर, एच.एस. गैंग के सक्रिय सदस्य, वांछित अपराधी एवं भगौड़े जो क्षेत्र में अपराध करते रहते हैं, इन वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए समस्त थानाधिकारी जयपुर पश्चिम को निर्देशित किया गया था। जिसके चलते करणी विहार पुलिस के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

झालावाड़ हादसे पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने जताया दुःख

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक में एक सरकारी स्कूल की बिल्डिंग गिरने से हुई जनहानि को दुःखद और अत्यंत व्यथित करने वाली बताया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैंने इस संदर्भ में स्थानीय प्रशासन से राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली है। त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए कहा है।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम प्रमोद कुमार से बदलकर प्रमोद कुमार केसवानी कर लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये, पता-75/29 टैगोर लेन, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर-302020

मैं आर्मी नं. 15159842K बी.एच.एम. (गनर) सुब्रत मंडल यूनिट 199 मध्यम तोप खाना है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरे पत्नी का नाम मोनकीया माजी (Monkia Maji) है जो गलत है। मेरे पत्नी का सही नाम मोनीका मंडल (Monika Mondal) है।

मैं, अदिति खंडेलवाल, पुत्री विजय राजदान, निवासी 110, इन्द्रा कॉलोनी, बानी पार्क, जयपुर, यह घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम अदिति खंडेलवाल से बदलकर अदिति राजदान कर लिया है। अब से मैं सभी कानूनी और आधिकारिक कार्यों हेतु अदिति राजदान नाम से जानी जाऊँगी।

मैं, 15433049W हवलदार राजीव रंजन कुमार सिंह निवासी एम.एच. जयपुर ने कार्यपालक मजिस्ट्रेट, जयपुर के समक्ष दिनांक 24.07.2025 को दिए गए हलफनामे के माध्यम से अपनी माता का नाम ज्ञानमाला देवी से बदलकर ज्ञानी देवी कर लिया है।

I, Chauhan Komalben Rameshbhai spouse of No. 8038990X LNK (GD) Gohel Ravindrakumar Rameshbhai resident of Vill: Keshod, Po: Keshod, Teh: Keshod, PS: Keshod, Dist: Junagadh, State: Gujarat, PIN-302220 have changed my name from CHAUHAN KOMALBEN RAMESHBHAI to GOHEL KOMALBEN RAVINDRAKUMAR Vide affidavit No. CD547719 date 23.07.2025.

आम सूचना सभी जन साधारण को मेरे मुवक्किलान 1. श्रीमती शमीम बानो, 2. मोहम्मद इमरान, 3. असरार अहमद निवासीगण जयपुर के पास से एक असल रजिस्टर्ड विक्रय पत्र मकान संख्या 662, लवाण का घेर, चौकडी गंगापोल, जयपुर दिनांकित 17.07.2007 कहीं खो गया है उक्त असल विक्रय पत्र यदि किसी को मिले तो कृपया मेरे कार्यालय में सूचित कर देवें।
जयपुर (शमी अली), एडवोकेट
दिनांक मो. नंबर-9828075086

खोया पाया
मैं पृथ्वी सिंह राठौड पुत्र स्वर्गीय राम सिंह राठौड निवासी ए-134, मंगल विहार कॉलोनी मुरलीपुरा जयपुर का हूँ की मेरी प्रॉपर्टी प्लॉट 33 गोकुलेश नगर निवारू रोड जयपुर का आवंटन पत्र, साइट प्लान, रीसद राधा देवी शर्मा पत्नि रामराज शर्मा के नाम से थे कही गुम हो गए मिलने पर सूचित करें-6375008987

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री नाथू लाल शर्मा पुत्र श्री गोपी लाल, जाति ब्राह्मण, निवासी जोशियों का मोहल्ला, पुरानी टोंक, टोंक- 304001 (राज.) स्वयं की पत्नी अर्थात श्रीमती श्याम लता शर्मा पत्नी श्री नाथू लाल शर्मा के स्वामित्व की अचल सम्पत्ति आवासीय प्लाट नं. ए 51, 52, आजाद नगर-ए, टोंक रोड, सांगानेर, जयपुर (राज.) जिनका कुल क्षेत्रफल 350 वर्गगज है जो कि निर्मित अवस्था में है तथा जिसे मेरे मुवक्किल श्री नाथू लाल शर्मा एवं उनकी पत्नी श्री श्याम लता शर्मा एवं इनके पुत्र श्री बनवारी शर्मा पुत्र श्री नाथू लाल शर्मा ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) में बंधक रखकर ऋण प्राप्त किया हुआ था जिनके ऋण खाता (1) ऋण खाता संख्या 520781128 (2) ऋण खाता संख्या 529536585 एवं (3) ऋण खाता संख्या 529673590 है, उक्त श्रीमती श्याम लता शर्मा पत्नी श्री नाथू लाल शर्मा का स्वर्गवास 28.03.2012 को हो चुका है, श्रीमती श्याम लता शर्मा पत्नी श्री नाथू लाल शर्मा के हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी एवं वारिसान में मेरे मुवक्किल श्री नाथू लाल शर्मा पुत्र श्री गोपी लाल तथा मेरे मुवक्किल के दो पुत्र क्रमशः (1) श्री बनवारी शर्मा पुत्र श्री नाथू लाल शर्मा (2) श्री गिरधारी पुत्र श्री नाथू लाल एवं मेरी मुवक्किल की एक पुत्री श्रीमती गायत्री शर्मा पत्नी श्री ललित मोहन गौड़ पुत्री श्री नाथू लाल शर्मा है। इनके अलावा श्रीमती श्याम लता शर्मा पत्नी श्री नाथू लाल शर्मा का कोई विधिक उत्तराधिकारी अथवा वारिसान नही है, चूकि मेरे मुवक्किल एवं उनकी पत्नी श्रीमती श्याम लता शर्मा एवं इनके पुत्र श्री बनवारी शर्मा पुत्र श्री नाथू लाल शर्मा के द्वारा लिए गए समस्त ऋण की अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) को की जा चुकी है इसलिए मेरी मुवक्किल स्वयं की पत्नी अर्थात श्रीमती श्याम लता शर्मा पत्नी श्री नाथू लाल शर्मा के स्वामित्व की उक्त अचल सम्पत्ति के समस्त मूल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) सी- 25, भगवान दास रोड, सेन्ट जेवियर स्कूल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001 (राज.) से प्राप्त करना चाहते है, इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय सबूत सात दिन की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अवधि समाप्ति के पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरी मुवक्किल के विरुद्ध शून्य व बेअसर मानी जावेगी। (श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट, 6/48, मालवीय नगर, जयपुर-302017, मो.9829218044

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:5769 जाहिर आम-सूचना दिनांक:24.07.2025
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 34/342 (MIG-B) (एरिया 98.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का आवंटन श्री नरेन्द्र स्वरूप खन्ना पुत्र श्री रामकृष्ण खन्ना को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2669 दिनांक 19.02.1996 को जारी किया गया था। जिसका भौतिक कब्जा दिनांक 01.03.1997 को प्राप्त किया गया। श्री नरेन्द्र स्वरूप खन्ना की मृत्यु दिनांक 29.05.2021 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती रेखा खन्ना पत्नी स्व. श्री नरेन्द्र स्वरूप द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, श्रीमती रेखा खन्ना पत्नी स्व. श्री नरेन्द्र स्वरूप का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 390/2024
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री किशन बैरवा पुत्र श्री राम लाल बैरवा निवासी ए/259, जे.डी.ए. मालवीय नगर जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास बैरवा शिक्षा प्रचार एवं सहायतार्थ समिति कार्यालय पता 72, बरकत नगर टोंक फाटक जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जायेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जायेगा।
आज दिनांक 24.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 26.9.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आबकारी निरोधक टीम ने 60 कार्टून अवैध शराब बरामद कर पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया

जयपुर। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर अंकुश लगाने के लिए जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत आबकारी निरोधक टीम जयपुर शहर व ग्रामीण की संयुक्त कार्यवाही में नकली होलोग्राम की 60 कार्टन अवैध शराब जब्त की गई एवं पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।

नकली होलोग्राम की 60 कार्टन अवैध शराब सहित पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया।

अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन जयपुर ने बताया कि जयपुर में नकली होलोग्राम की अवैध शराब जब्त की गई। आबकारी निरोधक दल द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र से स्कॉर्पियो वाहन से 30 कार्टन नकली होलोग्राम की देशी शराब बरामद की गई। इसी क्रम में जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में एक स्कूटी से 6 कार्टन देशी शराब 288 पव्वे बरामद किए। झोटवाड़ा क्षेत्र में 305 पव्वे आरएमएल शराब एवं दादी का फाटक जयपुर क्षेत्र से 26 पव्वे घूमर ब्रांड अवैध शराब बरामद की गई। उक्त कार्यवाही में मुकेश जांगिड़, अर्जुन सिंह, राकेश जाट, वरूण सिंह, राजू यादव को गिरफ्तार किया गया।

आबकारी निरोधक दल की उक्त कार्यवाही से मिली सूचना के आधार पर चौमू में भी 2 अलग- अलग कार्यवाही में 23 कार्टन एवं 121 अवैध शराब के पव्वे बरामद किए गए। चौमू में एक महिला अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्यवाही उपायुक्त आबकारी निरोधक दल जयपुर के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी देविका तोमर, सहायक आबकारी अधिकारी शिवकुमार सिंह, प्रदीप बिश्नोई, आबकारी निरीक्षक जयपुर जितेन्द्र सिंह शेखावत, आबकारी निरीक्षक चाकसू गगन यादव, प्रहराधिकारी नरेन्द्र सिंह द्वारा मय जाब्ता की गई।

इत्तलानामा बनाम रेस्पोंडेन्ट
न्यायालय संभागीय आयुक्त महोदय, जयपुर (संभाग जयपुर) राजस्थान
अपील नंबरी मुतफरिक या इजराय : 458/2014/00015
डिग्री नं....सन...बिनाराजी
तजबीज....अदालत
मुकाम...मुकाम....मवरिखा....सन....
भारत संघ वगैरह अपीलान्ट
बनाम
जे.डी.ए. वगैरह रेस्पोंडेन्ट
बनाम (1) श्रीमती मेखा बेवा प्रभू, (2) भूरिया, (3) मोती पुत्रान श्री लादू, (4) मनोज, (5) ब्रजेश पुत्रान बाबूलाल (6) सीमा, (7) बीना, (8) रचना पुत्रीयान बाबूलाल, समस्त जातियान मीणा जरिये आनन्द भवन गृह निर्माण समिति, जगन्नाथपुरा, खातीपुरा रोड, जिला जयपुर राजस्थान (9) सचिव, आनन्द गृह निर्माण समिति जगन्नाथपुरा, खातीपुरा रोड मुत्तिला हो कि अपील बिनाराजी डिक्री व तारीख....इस मुकदमे में......में पेश किया है और अदाल की तजबीज 05 माह 08 सन् 2025 ई. वास्ते समाअत इस अपील के मुकर्रर की गई है, अगर खुद आप या आपके वकील या कोई सख्श जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवालत करने का माजज हो हाजिर न आवेगा, तो उसकी समाअत और की जायेगी। आज तारीख 22 माह 07 सन् 2025 ई. मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया।
आदेशानुसार-रीडर
मोहर अदालत
न्यायालय संभागीय आयुक्त,
जयपुर

पूपत् संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक पुन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर
DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/489
चूंकि पार्थी श्री MAHESH CHANDRA SHARMA, 173, BRIJ MOHAN PURA, ARNIYA, DAUSA, RAJASTHAN 303313 ने राजस्थान सार्वजनिक पुन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास
विश्व हिंदू सनातनी गौ सेवा संस्थान, KIRATPURA, BANDIKUI, RAJASTHAN 303313 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है,
में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त पुन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जायेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जायेगा।
आज दिनांक 24-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.09.2025
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय ग्राम पंचायत मासलपुर पंचायत समिति मासलपुर, जिला करौली
क्रमांक:-spl-7 ई-निविदा सूचना 02/2025-26 दिनांक: 22.07.25
ग्राम पंचायत मासलपुर, पंचायत समिति मासलपुर के अधीनस्थ ग्रामों में दिनांक 31.03.2026 वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय पर देखी जा सकती हैं।
सरपंच ग्राम पंचायत मासलपुर — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत मासलपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत नरायणा पंचायत समिति मासलपुर, जिला करौली
क्रमांक:-spl-7 ई-निविदा सूचना 02/2025-26 दिनांक: 22.07.25
ग्राम पंचायत नरायणा, पंचायत समिति मासलपुर के अधीनस्थ ग्रामों में दिनांक 31.03.2026 वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय पर देखी जा सकती हैं।
सरपंच ग्राम पंचायत नरायणा — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत नरायणा

कार्यालय ग्राम पंचायत खूण्डा पंचायत समिति मासलपुर, जिला करौली
क्रमांक:- ई-निविदा सूचना 02/2025-26 दिनांक:
ग्राम पंचायत खूण्डा, पंचायत समिति मासलपुर के अधीनस्थ ग्रामों में दिनांक 31.03.2026 वित्तीय वर्ष 2024-25 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय पर देखी जा सकती हैं।
(हरप्यारी) प्रशासक ग्राम पंचायत खूण्डा पंचायत समिति मासलपुर — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत खूण्डा पंचायत समिति मासलपुर

रजि. नं. MSCS/CR/700/2012 दि. 18.12.2012
सेल ऑफिसर कार्यालय पदमावती क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि.
पंजीकृत कार्यालय : 10/163, स्वर्णपथ, मानसरोवर, जयपुर - 302020 (राज.)
कोर्पोरेट ऑफिस : फ्लैट नं. एफ 02, प्लाट नं. 111, शिव शक्ति नगर, निर्माण नगर, जयपुर - 302019
क्रमांक : पीसीसीएसएल / रिकवरी / 2025 / 95 — **नीलामी की सूचना** — दिनांक : 24.07.2025
अन्तर्गत मल्टी स्टेट को-ऑपरेटिव सोसायटी एक्ट 2002 के नियम 37 (11) ई
कार्यालय सेंट्रल रजिस्ट्रार को ऑपरेटिव सोसाइटी, साहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा मल्टी स्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटी एक्ट 2002 की धारा 97 के अंतर्गत अधोस्ताक्षरकर्ता को सेल ऑफिसर नियुक्त किया गया है।
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की पद्मावती क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के दोषी कैलाश चंद शर्मा पुत्र श्री पांचू राम एंव सह ऋन्नी श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री कैलाश चंद शर्मा निवासी वार्ड न 06, ग्राम बांसा, फतेहपुरा, समोद, जयपुर 303806 ऋण खाता संख्या ML/95 द्वारा सोसाइटी का बकाया ऋण नहीं चुकाने पर केंद्रीय रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ (मल्टीस्टेट) के आदेशों के अनुक्रम में दिनांक 09.07.2025 को जरिये पुलिस इमदाद के दोषी ऋन्नी की रहन सम्पति ग्राम बांसा, तहसील चौमू जिला जयपुर खसरा संख्या 292 / 295 / 296 / 324 / 325 / 552 / 553 / 554 /1485 / 769 / 771 / 1602 कुल क्षेत्रफल 3.12 हेक्टयर हिस्सा 1/15 पर निर्मित आवासीय मकान कुर्क कर कब्जे में ले लिया गया है। दोषी ऋन्नी को दिनांक 11.07.2025 को कुर्की कार्यवाही के पशचात नीलामी पूर्व डिमांड नोटिस दिया गया था लेकिन दोषी ऋन्नी द्वारा सोसाइटी का बकाया ऋण नहीं चुकाया गया इसीलिए उक्त कुर्कशुदा रहन सम्पति का सार्वजनिक नीलामी के जरिये विक्रय किया जाना है। विवरण निम्ननुसार है। अतः सूचित रहे।

क्र.सं.	सम्पत्ति का विवरण व अवस्थिति	नीलामी का समय तिथि व स्थान	सम्पत्ति का आरक्षित मूल्य
1	वर्णित कुर्कशुदा रहन सम्पत्ति ग्राम बांसा, चौमू में जयपुर अवस्थित	दिनांक 24.08.2025 प्रातः 11:30 बजे, समिति के शाखा कार्यालय निर्माण नगर पर	रुपये 10,60,071/- (रुपये दस लाख साठ हजार इकहत्तर)

इच्छुक बोलिदाता आरक्षित मूल्य की 05% प्रतिशत राशि का सोसाइटी के नाम का डिमांड ड्राफ्ट अथवा नगद राशि जमा करवाकर नीलामी में भाग ले सकता है। नीलामी की शर्तें और नीलामी आवेदन पत्र सोसाइटी के शाखा कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।
यह नोटिस आज दिनांक 25.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव मोहर से जारी किया गया। (जिज्ञासा शेखावत) सेल ऑफिसर पदमावती क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि.

युगांडा में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ को मिला जैफ इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का दर्जा

जयपुर। युगांडा में स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाला संस्थान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड अलाइड साइंसेज अब अपने गौरवपूर्ण सफर के एक नए और ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंच चुका है। अगस्त 2014 में शुरू हुआ यह सफर अब जैफ इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रूप में स्थापित हो गया है। युगांडा सरकार द्वारा हाल ही में इसे आधिकारिक रूप से विश्वविद्यालय का लाइसेंस प्रदान किया गया है, जो संस्थान की शैक्षिणक गुणवत्ता, सामाजिक प्रतिबद्धता और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। संस्थान के चांसलर डॉ. विकास जैफ ने बताया कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड अलाइड साइंसेज की नींव वर्ष 2016 में रखी गई थी। इसी वर्ष डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी कोर्स के साथ संस्थान ने व्यावसायिक शिक्षा की दिशा में अपने पहले कदम बढ़ाए। वर्ष 2017 में संस्थान ने नर्सिंग और मिडवाइफरी में डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं में प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान मिला। वर्ष 2018 में फार्मेसी और क्लिनिकल मेडिसिन में डिप्लोमा कोर्स शुरू किए गए, जिससे संस्थान की शैक्षिणक और व्यावसायिक विविधता में वृद्धि हुई।

युगांडा जैसे विकासशील देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की अत्यधिक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड अलाइड साइंसेज ने न केवल पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता पर ध्यान दिया, बल्कि छात्रों के समग्र विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व पर भी बल दिया। यही कारण रहा कि वर्ष 2023 तक संस्थान में छात्र नामांकन की संख्या 1300 तक पहुँच गई, जो इसकी लोकप्रियता और प्रभावशीलता का प्रमाण है। संस्थान की उपलब्धियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान तब मिली जब वर्ष 2024 में युगांडा की प्रथम महिला और देश की शिक्षा व खेल मंत्री जनेट मुसेवेनी ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड अलाइड साइंसेज को बेस्ट टेरशरी इंस्टीट्यूट के रूप में सम्मानित किया। यह सम्मान संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था, जिसने इसके प्रयासों को नई प्रेरणा दी। इसके बाद वर्ष 2025 में युगांडा नर्सिंग एंड मिडवाइफरी काउंसिल तथा युगांडा काउंसिल ऑफ़ आलाइड हेल्थ साइंसेस द्वारा भी संस्थान को पुनः सम्मानित किया गया, जिससे इसकी प्रतिष्ठा और भी बढ़ी।

इन 11 वर्षों में संस्थान ने जो उपलब्धियाँ अर्जित की हैं, वे केवल एक शैक्षिणक संस्था की नहीं बल्कि संकल्प, सेवा और समर्पण की जीवंत मिसाल हैं। चांसलर डॉ. जैफ ने इस अवसर पर कहा कि जैफ इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का दर्जा मिलने की सफलता का सफर ईश्वरीय आशीर्वाद के साथ हमारी टीम, विद्यार्थियों, फैकल्टी, अभिभावकों और शुभचिंतको की भी है। यह यात्रा परमपिता परमेश्वर के मार्गदर्शन और दिव्य आशीर्वाद के बिना संभव नहीं थी। अब हम विश्वविद्यालय के रूप में और भी अधिक उत्तरदायित्व और उत्साह के साथ काम करेंगे। जैफ इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का यह नया रूप वैश्विक स्वास्थ्य शिक्षा जगत में एक प्रेरणास्पद मॉडल के रूप में उभरता जा रहा है, जिसकी जड़ें भारतीय मूल्यों और वैश्विक दृष्टिकोण से पोषित हैं।

निष्क्रिय सरस बूथ होंगे रद्द

जयपुर। जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (जयपुर डेयरी) ने शहरभर में वर्षों से निष्क्रिय पड़े सरस बूथों को समाप्त करने और उन्हें योग्य एवं इच्छुक नव-आवेदकों को पुनः आवंटित करने के उद्देश्य से एक ठोस शुरुवात की है। जयपुर डेयरी के प्रबंध संचालक मनीष फौजदार जानकारी देते हुए बताया कि अनेक व्यक्तियों द्वारा बिना सक्रिय संचालन की मंशा के बूथों का आवंटन करवाया गया, जो लंबे समय से बंद पड़े हैं। ऐसे निष्क्रिय बूथ न केवल सरस उत्पादों की नियमित बिक्री को प्रभावित करते हैं, बल्कि सड़क पर अनावश्यक अतिक्रमण कर यातायात में भी बाधा उत्पन्न करते हैं। इस कारण जयपुर डेयरी ने अब इस विषय को गंभीरता से लेते हुए इसे "कठोर कार्रवाई" के रूप में लिया है ताकि शहर की सुंदरता एवं व्यवस्था दोनों को संरक्षित किया जा सके।

प्रथम चरण में ऐसे 54 निष्क्रिय बूथों की पहचान कर ली गई है और इनके आवंटन को निरस्त करने के लिए नगर निगम को पत्र भेजा गया है। आगे की प्रक्रिया में नगर परिषद के सहयोग से इन सभी निष्क्रिय और उपयोगहीन बूथों को शहर से हटाया जाएगा। यह न केवल यातायात को सुगम बनाएगा, बल्कि उन बेरोजगार युवाओं के लिए भी अवसर खोलेगा।

अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ कार्रवाई

टोंक, (निसं)। निवाई थाना क्षेत्र में अवैध बजरी खनन व परिवहन की कार्रवाई के दौरान निवाई थाना पुलिस ने थानाधिकारी रामजीलाल के नेतृत्व में गुरूवार को एसबीआई बैंक झिलाई रोड पर एक पिकअप जिसमें अवैध बजरी भरी हुई जब्त की। वहीं चालक जीतराम पुत्र प्रहलाद मीणा निवासी किशनपुरा थाना पीपलू को गिरफ्तार किया, जिसके खिलाफ एमएमडीआर एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

इसी प्रकार बरोनी थाना पुलिस दल ने दौराने गश्त चिरोंज जंगल मे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जिसमें 3 टन अवैध बजरी भरी हुई को जब्त किया तथा टीम की दूसरी कार्रवाई में चिरोंज रोड पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध बजरी से भरी हुई जब्त की। उक्त दोनों ट्रैक्टर चालक व मालिक के खिलाफ एमएमडीआर एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध कर अनुसंधान जारी है।

पुलिस थाने में सुनवाई नहीं होने से आहत, पीड़ित पिता ने खुदकुशी की

पिता ने नाबालिग बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी, कोई कार्रवाई नहीं हुई

दूदू, (निसं)। पुलिस द्वारा पीड़ित पिता की सुनवाई नहीं करने से आहत होकर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लेने का मामला सामने आया है।

पुलिस थाना क्षेत्र दूदू के अधीन उदयपुरिया गांव में एक किसान द्वारा गत तीन माह पूर्व नाबालिग बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दूदू थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस एवं प्रशासन द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने की थाने पर बेटी को ढूंढकर लाने की मांग को लेकर जाने के दौरान पुलिस द्वारा पीड़ित पिता की सुनवाई नहीं करने से आहत होकर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

- **पिता जब पुलिस थाना व उच्च अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के यहां पहुंचा तो अपमानित कर भगा दिया**

घटना स्थल पर पीड़ित परिवार ने बताया कि पिता गणेश जाट (45) की नाबालिग बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। उसके बाद पिता ने पुलिस थाने व उच्च अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के यहां पहुंचे तो उन्हें उल्टा अपमानित कर भगा दिया गया। अपमान असहायता से आहत होकर आत्महत्या करने को मजबूर होना पड़ा। आत्महत्या की खबर फैलने के साथ ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन गांव उदयपुरिया में एकत्रित हो गए तथा परिजनों की मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए। मांग पूरी हो जाने के बाद ही पोस्टमार्टम करने पर अड़ गए।

मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवलाल बैरवा, पुलिस उपाधीक्षक दीपक खंडेलवाल एवं थाना निरीक्षक मुकेश कुमार खराडिया पहुंचे तथा परिजनों एवं ग्रामीणों को समझाइश का प्रयास किया। परिजनों की मांग है कि मृतक के पुत्र को सरकारी नौकरी एवं एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता व नाबालिग बेटी को ढूंढ कर लाया जाये। ग्रामीण एवं परिजनों में घटना को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। समझाइश का दौर दिन भर चला, लेकिन कोई समझौता नहीं हुआ। मौके पर शाम को अतिरिक्त जिला कलेक्टर गोपाल परिहार एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने भी पहुंचकर परिवारजनों समझाने का प्रयास किया।

सायबर ठगों को खाता देने वाला युवक गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। महिला से मनी लॉन्ड्रिंग और कनाडा में दर्ज फर्जी एफआईआर का डर दिखाकर करीब 12.80 लाख रुपए ठगी कने वाले और सायबर ठगों को बैंक खाता व सिम कार्ड देने वाले शातिर ठग के खिलाफ अजमेर सायबर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बाड़मेर निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खाते में करीब 70 लाख रुपए के संदिग्ध लेन-देन भी सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने अब तक तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि 25 अगस्त 2024 को मेयो लिंक रोड निवासी गार्गी दास के साथ सायबर ठगी की गई थी। उन्हें कॉल कर स्वयं को मुंबई की क्राइम ब्रांच का अधिकारी विजय खन्ना बताने वाले अज्ञात व्यक्ति ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी होने का हवाला दिया। इसके बाद फर्जी दस्तावेज भेजकर उन्हें धमकाया गया कि यदि वह किसी को कुछ बताएंगी तो उन्हें जेल जाना पड़ेगा। डर के मारे पीड़िता ने विभिन्न खातों में 12.80 लाख रुपए जमा करवा दिए। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच करते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। जांच में सायबर पोर्टल के माध्यम से संदिग्ध खातों की पहचान की गई। खातों से जुड़े बैंक स्टेटमेंट, केवाईसी और अन्य दस्तावेजों को खंगालने के बाद पुलिस ने आरोपी बाड़मेर निवासी जुंजा राम उर्फ जीतू को गिरफ्तार किया। एसपी राणा ने बताया कि आरोपी ने अपने बैंक खाते और उस पर पंजीकृत सिम सायबर ठगों को सौंपी, इसके बदले उसे प्रति खाता और निकासी पर मोटा कमीशन दिया जाता।

छह दिन से लापता युवती का शव मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। 18 जुलाई से मंगरोप के सियार गांव से लापता युवती की संदिग्ध हालत में मौत होने का मामला शुक्रवार को सामने आया है। इसके बाद पुलिस युवती का शव लेकर एमजी अस्पताल पहुंची, जहां युवती के परिजनों ने हंगामा कर दिया। युवती की हत्या होने का आरोप लगाकर मेडिकल बोर्ड बिठाने की मांग की। आरोपियों को सजा दिलाने की मांग को लेकर एमजी अस्पताल की मोर्चरी के बाहर बैठ गए। चेतावनी दी कि जब तक न्याय नहीं मिल जाता है तब तक शव लेकर नहीं जाएंगे, अगर दबाव डाला जाएगा तो आकोला में रहने वाले आरोपियों के घर के बाहर ही शव का अंतिम संस्कार करेंगे। मृतका के भाई जसवंत कुमार शर्मा ने बताया कि उसकी बहन सिलाई का काम करती थी। 18 जुलाई से वह लापता हो गई। पुलिस में भी सूचना दी। एसपी कार्यालय में जाकर शिकायत दी, लेकिन सात दिन तक भी उसकी कोई खोज खबर नहीं मिली। गुरुवार रात पुलिस से सूचना मिली कि ममता शर्मा निवासी सियार मांडलगढ़ के गांव में किडनैप या कैद करके रखा है। उसके बाद वहां जाने लगे तो फिर से पुलिस की सूचना मिली कि उसकी तबीयत खराब हो गई है, उसे एमजी अस्पताल लेकर आ रहे हैं, वहां पहुंचो। यहां देखा तो पता चला कि उसकी मौत हो गई है। उसके शरीर पर चोट के निशान हैं। परिजनों ने आरोप लगाया कि अगर पुलिस तुरंत कार्रवाई करती तो उनकी बहन जिंदा होती। ममता का मर्डर करने वाले लोगों को सजा दिलाने की मांग की। इधर, परिजनों ने मेडिकल बोर्ड बिठाने की मांग को लेकर हंगामा कर दिया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरूण गौड़ ने मेडिकल बोर्ड बिठाने को लेकर अनुमति जारी कर दी है। आगे की कार्रवाई जारी है।

ओवरस्पीड स्कूल बस डिवाइडर से टकराई

अजमेर, (कासं)। लोहागल क्षेत्र के चाचियावास रोड पर शुक्रवार सुबह माहेश्वरी पब्लिक स्कूल की बच्चों से भरी बस ओवरस्पीड के चलते बेकाबू होकर डिवाईडर से टकरा गई। बस में 30 से अधिक स्कूली बच्चे सवार थे, जो बाल-बाल बच गए। हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन बस का कांच टूट गया। गनीमत यह रही कि बड़ा हादसा टल गया, लेकिन बच्चों की आंखों में डर और दहशत झलक रही थी।

- **बस में सवार 30 बच्चे बाल-बाल बचे, बड़ा हादसा टला**
- **प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ड्राइवर तेज रफ्तार में बस को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था**

जानकारी के अनुसार लोहागल गांव के समीप चाचियावास रोड से शुक्रवार सुबह सात बजे करीब माहेश्वरी पब्लिक स्कल बस ओवरस्पीड होने के चलते बस ड्राइवर के नियंत्रण से बाहर हो गई और सीधे डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला टायर फट गया और सामने का कांच टूटकर सडक़ पर बिखर गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ड्राइवर तेज रफ्तार में बस को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था, जिससे बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। मौके पर अफरा-तफरी और चीख पुकार मच गई।

प्रत्यक्षदिर्शयों का कहना रहा कि स्कूल बसें बच्चों को सुरक्षित लाने और ले जाने के लिए होती हैं, लेकिन ड्राइवरों की लापरवाही भारी पड़ जाती है। हादसे के बाद स्कूल का स्टाफ मौके पर पहुंचा और बच्चों को दूसरी बस से स्कूल भेजा गया। क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बस को हटवाया और जांच शुरू कर दी है। लोगों का आरोप है कि स्कूल प्रशासन का दबाव रहता है, समय पर स्कूल पहुंचने का, ऐसे में उन्हें मजबूरन तेज रफ्तार में वाहन दौड़ाने पड़ते हैं। कई बार शिकायतें करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती।

व्यापारी से 10 लाख की ठगी

अजमेर, (कासं)। अजमेर में सायबर ठगों के हौंसले बुलंद हैं। अजयनगर निवासी एक व्यापारी से सोशल मीडिया पर दोस्ती कर ट्रेडिंग में निवेश का झांसा देकर करीब 10 लाख रुपए की ठगी का शिकार बनाया है। ठगों ने व्यापारी से 16 लाख रुपए की और डिमांड की, रकम नहीं देने पर फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। पीड़ित व्यापारी ने अपने साथ ठगी की वारदात होने पर सायबर थाना पुलिस में शिकायत दी है।

सारइबर थाने के एएसआई छोटू सिंह ने बताया कि अजय नगर निवासी चावल व्यापारी राजू टेकचंदानी को 12 जुलाई को फेसबुक पर डिंपल नाम की महिला ने फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। इसके बाद उसने ट्रेडिंग वेबसाइट के ज़रिए निवेश का झांसा दिया। शातिर महिला ने कम समय में ज्यादा रिटर्न का लालच देकर व्यापारी को अपने जाल में फांस लिया। पीड़ित राजू ने बताया कि शुरू में छोटे निवेश पर मुनाफा दिखाया गया। 7 दिन की ट्रेडिंग में प्रॉफिट का झांसा देते हुए कुल 10 लाख रुपए अलग-अलग ट्रांजैक्शन में ठग लिए गए।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

ई-निविदा 01/2025-26

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा कृषि महाविद्यालय, नागौर तथा कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, नागौर में श्रमिकों की आपूर्ति करने हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN NO: JAU2526SLR00063, Eproc ID : 2025_AGUJD_489933_1

राज.संवाद/सी/25/6898 नियंत्रक (वित्त)

राजस्थान सरकार
कार्यालय-राजकीय महाविद्यालय करौली (322241)
Email ID: pqcollegekarauli@gamil.com

क्रमांक-2025/727 दिनांक-17.07.2025

(E-tender NIB No. 01/2025-26)

Sealed Single Stage Two-Envelopes and unconditional online Bids for Rate Contract for upto 31.03.2026 provide "Un-Skilled, Semi-Skilled, Skilled And Highly Skilled manpower for Government College, Karauli are invited from interested bidders upto 28.07.2025 at 01.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the Procurement Portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is Rs. 25 Lkh.

UBN NO.- ECD2526SLOB00144

Principal
Government College, Karauli

DIPR/C/10271/2025

कार्यालय उप वन संरक्षक, बीकानेर
ई-मेल-dfobkn@gmail.com & dcf.bknr.forest@rajasthan.gov.in
पब्लिक पार्क, बीकानेर फोन-0151-2544951

क्रमांक-एफ( )भण्डार/उवसंबी./2025-26/4278 दिनांक-14.07.2025

Notice Inviting Bid No. 09/2025-26

Bids for Fenching Work (with Material and Labour) along with NH-II Bikaner-Falodi Block Range Kolayt, Division Bikaner are invited from interested bidders on 05.00 P.M. Date 06.08.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http:/sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in website.The approximate value of the procurement is Rs. 271.60 lakh.

NIB- FOR2526A0782, UBN NO. - FOR2526GLOB00979

Deputy Conservator of Forest
Bikaner

DIPR/C/10265/2025

कार्यालय नगर पालिका केकड़ी जिला केकडी राज.
Email ID – npkekri2011@gmail.com (O) : 01467-220002, 220019 web site : www.urban.rajasthan.gov.in/ulbkekri

क्रमांक : नपाके/विकास/2025-26/1576 दिनांक : 21.07.2025

-: ई निविदा (43/2025-26) (NIB NUMBER - DLB2526A3874) :-

एतद्द्वारा यह है कि राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में अधोलिखित 01 कार्य के लिए ई प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है। निविदा के कुल कार्य – 01 (एक) UBN NO. – 1. DLB2526SLOB123831

अध्यक्ष नगर पालिका केकड़ी — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका केकड़ी

राज.संवाद/सी/25/6848

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नापासर(बीकानेर)
E-mail:- eonagarpalikanapasar@gmail.com

क्रमांकः-न.पा.ना.पा/निर्माण/2025-26/672 दिनांक 24.07.2025

ई- निविदा-सूचना सं0 10/निर्माण/2025-26

नगर पालिका नापासर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेंट प्रकिया से ऑन लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण वैब साईट Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 12.98 लाख
UBN Number :- DLB2526WSOB12497

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका नापासर

राज.संवाद/सी/25/6936

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दूरभाष सं. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.udaipurmc.org

क्रमांक : निविजा/2025-26/-17 दिनांक : 22.07.2025

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 17/2025-26

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रू0 13.51 लाख के कुल 01 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमन्त्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 23.07.2025 एवं अंतिम तिथि 04.08.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 05.08.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No: UNP2526WSOB00059

अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

राज.संवाद/सी/25/6923

नगर विकास न्यास, पाली
प्रथम बंगला परिसर, पाली, फोन नं. 02932-223222, ई मेल - uitpali@gmail.com

क्रमांक : नवि.पा./निविदा/2025/राजस्व 16766865 दिनांक : 24/07/2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या - 27/2025-26

नगर विकास न्यास, पाली की ओर से न्यास/राजकीय विभाग से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचने की तिथि, प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि समस्त विवरण sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. :- ITP2526WSOB00033

अधिशाषी अभियन्ता

राज.संवाद/सी/25/6896

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नापासर(बीकानेर)
E-mail:- eonagarpalikanapasar@gmail.com

क्रमांकः-न.पा.ना.पा/निर्माण/2025-26/658 दिनांक 24.07.2025

ई- निविदा-सूचना सं0 12/निर्माण/2025-26

नगर पालिका नापासर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेंट प्रकिया से ऑन लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण वैब साईट Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 24.91 लाख
UBN Number :- DLB2526WSOB12499

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका नापासर

राज.संवाद/सी/25/6938

कार्यालय नगर पालिका केकड़ी जिला केकडी राज.
Email ID – npkekri2011@gmail.com (O) : 01467-220002, 220019 web site : www.urban.rajasthan.gov.in/ulbkekri

क्रमांक : नपाके/विकास/2025-26/1582 दिनांक : 21.07.2025

-: ई निविदा (44/2025-26) (NIB NUMBER - DLB2526A3876) :-

एतद्द्वारा यह है कि राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में अधोलिखित 02 कार्यों के लिए ई प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है। निविदा के कुल कार्य – 02 (दो) UBN NO. – 1. DLB2526SLOB12220, 2. DLB2526SLOB12222

अध्यक्ष नगर पालिका केकड़ी — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका केकड़ी

राज.संवाद/सी/25/6948

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (भरतपुर वृत्त), भरतपुर
ई-मेल - zcebz@jvvnl.org फोन नं.- 05644-236080

ई-निविदा सूचना

टी.एन.-52 के लिए योग्य निविदादाताओं से ऑनलाईन-निविदा दो भागों (तकनीकी-वाणिज्यिक) में श्रम दर पर आमंत्रित किए जाते है। सहायक अभियन्ता (एच.टी. एम), जयपुर डिस्कॉम, भरतपुर के अन्तर्गत भरतपुर वृत्त में 33/11 केवी सब-स्टेशन माढ़ोनी का निर्माण मय 33 केवी लाइन व 11 केवी लाईन खींचने का कार्य निगम एजारसी दर पर करने के लिये। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 25.07.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाएँ ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 18.08.2025 (सायं 5:00 बजे) तक ही स्वीकार की जाएगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साइट http://www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

(TN-52, UBN: VVN2526WSOB00313)

राज.संवाद/सी/25/6883 संभागीय मुख्य अभियन्ता (भरतपुर संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
पृथ्वीराज मार्ग अजमेर (राज.) फोन न. 0145-2429953,2433813
Email- ajmermc@gmail.com

क्रमांक F.10/50/M/LIGHT/AMC/2024-25/699 दिनांक : 24.07.2025

निविदा-सूचना

नगर निगम अजमेर द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार में उपयुक्त श्रेणी के निविदादाताओं से संबंधित निम्न निविदा आमंत्रित की जाती है कार्यो की अनुमानित लागत टेंडर भरे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख एव टेंडर शर्ते आदि संपूर्ण www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in वेबसाइट पर देखी एवं डाउन लोड की जा सकते हैं

NIB CODE-ANN2526A0075
UBN :-ANN2526WSOB00086

राज.संवाद/सी/25/6930

कार्यालय नगर निगम अलवर (राज0)

क्रमांक-न.नि.अल./स्टोर/2025-26/6234-236 दिनांक- 24.07.2025

Notice Inviting Open Bid/2025-26

नगर निगम अलवर की ओर से निम्नलिखित स्टोर कार्य के लिए संवेदकों से सीलबंद लिफाफे में दिनांक 06.08.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक निविदाऐं आमंत्रित की जावेंगी। निविदाऐं वैबसाईट www.sppp.raj.nic.in से डाउनलोड कर देखी जा सकती हैं। आमंत्रित की जाने वाली 03 निविदाओं के UBN No. एवं अनुमानित लागत निम्नानुसार हैं-

Sr.No.	UBN No.	Amount (in Lacs)
01	DLB2526SLOB12450	16.00
02	DLB2526SLOB12441	15.00
03	DLB2526GLOB12442	20.00

राज.संवाद/सी/25/6924 आयुक्त, नगर निगम, अलवर

कार्यालय नगर पालिका, मसूदा (ब्यावर)

क्रमांक/नपाम/विकास/ईनिविदा/2025-26/520 दिनांक :- 18.07.2025

:: ई -निविदा सूचना संख्या ....../2025-26 ::
(NIB NO. DLB2526A3818)

नगर पालिका मसूदा की ओर से नगर पालिका मसूदा एवं राजकीय विभाग मे नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई- प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। नगर पालिका क्षेत्र के कुल 08 कार्य अनुमानित लागत 152.05 (रू लाख) की निविदा बेचे जानी प्रारम्भ की दिनांक 23.07.2025 एवं 06.08.2025 प्राप्त करने की दिनांक निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajashtan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

UBN NO. DLB2526WSOB12084, 12085, 12086, 12087, 12088, 12089, 12091, 12029

प्रशासक नगरपालिका मसूदा — अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका मसूदा

राज.संवाद/सी/25/6873

कार्यालय नगरपालिका खेजरोली जयपुर राज.

क्रमांक/नपाखेज./2025-26/542 दिनांक : 23.07.2025

निविदा सूचना

इच्छुक पंजीकृतफर्म/ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका खेजरोली द्वारा वर्ष 2025-26 में निम्न कार्य हेतु दर संविदा की जानी है। अतः निविदा फर्म इस कार्यालय से दिनांक 24.07.2025 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 30.07.2025 को प्रातः12 बजे तक निविदा शुल्क व अमानता राशि पालिका कार्यालय में नगद जमा करवाकर प्राप्त किया जा सकेंगे। पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों को दिनांक 30.07.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक अपनी दरें सीलबन्द लिफाफे में प्रस्तुत करनी होगी। संभव हुआ तो प्राप्त सीलबन्द निविदाऐं उसी दिवस को दोपहर बाद 04.00 बजे से उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी। उक्त तिथी को अवकाश होने पर आगामी कार्य दिवस को निविदा प्राप्ति विक्रय/प्राप्ति/खोली जावेगी। उक्त निविदा सूचना http://sppp.raj.nic.in पोर्टल पर दिनांक 23.07.2025 को सांय 5.00 बजे से देखी जा सकती है। उक्त कार्य की एनआईबीकोड व यूबीएन निम्नानुसार है :-

NIB code :- DLB2526A3867
UBN:- DLB2526WSOB12365 UBN:- DLB2526WSOB12366
UBN:- DLB2526WSOB12368

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका खेजरोली

राज.संवाद/सी/25/6950

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द
जिला परिषद रोड, राजनगर
टेलिफोन नं. 02952-220034, फेक्स नं. 02952-221233, ई-मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com

क्रमांक : एफ( )नपरा/ईनी/स्टोर/ई निविदा/1/2025-26/3459 दिनांक : 22.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 1/2025-26

नगर परिषद राजसमन्द द्वारा निविदा कार्यो हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों/संस्थानों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड़ की जा सकती है।

निविदा क्रार्यक्रम	तिथि व समय	
कार्यो की संख्या	1	
कार्यो की अनुमानित लागत	49.00 लाख	
निविदा अपलोड की तिथि	22.07.2025	01:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	22.07.2025	04:00 PM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	31.07.2025	06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	01.08.2025	01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	01.08.2025	04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in	
दोष निवारण अवधी	नियमानुसार	
UBN NO-	DLB2526SLRC12038	

राज.संवाद/सी/25/6916 सभापति नगरपरिषद राजसमन्द — आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR

No.NIT/2025-26/14228-37 **ई-निविदा सूचना संख्या 260/2025-26** Date:24.07.2025

निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रू.)
Renewal & Strengthening of BOT Road Bari-Baseri-Bayana-Weir-Bhusawar-Chhokarwara-Kherli Mod-Kherli Road. UBN- RRC2526WLOB00509	4188.78 Lakh

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

महाप्रबन्धक

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
उच्च माध्यमिक पूरक प्रायोगिक परीक्षा 2025-परीक्षार्थियों/विद्यालयों हेतु

उच्च माध्यमिक **प्रायोगिक पूरक परीक्षा 2025 दिनांक 31.07.2025 से 03.08.2025 तक अजमेर स्थित परीक्षा केन्द्रों पर प्रातः 08.00 बजे आयोजित होगी।** पूरक परीक्षार्थियों की सूचना एवं प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाईट **www.rajeduboard.rajasthan.gov.in** पर अपलोड कर दिए गए हैं। परीक्षार्थी बोर्ड की वेबसाईट पर संबंधित **link** पर जाकर मुख्य परीक्षा 2025 का नामांक अथवा नाम व जिला दर्ज कर पूरक प्रायोगिक परीक्षा नामांक, परीक्षा की तिथि एवं परीक्षा केन्द्र की सूचना ज्ञात कर, प्रवेश पत्र डाऊनलोड करें एवं संबंधित निर्देशों का पालन करे। उक्त परीक्षा संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश बोर्ड की उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त संदर्भ में अन्य कोई जानकारी दूरभाष 0145-2623776 पर की जा सकती है।

सचिव

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
विद्यालयों से GST वसूली के सम्बन्ध में

भारत सरकार के राजस्व विभाग द्वारा जारी परिपत्र दिनांक 11.10.2024 की पालना मे कार्यालय से सम्बद्धता प्राप्त राजकीय/निजी विद्यालयों से जी.एस.टी वसूल किये जाने के सम्बन्ध मे सूचित किया जाता है किः-

1. दिनांक 17.06.2021 से 17.03.2025 तक जिन संस्थाओं द्वारा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड मे सम्बद्धता हेतु आवेदन किया गया था उसकी जी.एस.टी वसूल की जानी है जिसकी सूची बोर्ड की वेबसाइट www.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

आवश्यक सूचना	दिनांक 10.10.2024 के पूर्व राजकीय विद्यालयों से भी जी.एस.टी वसूल की जावेगी

2. समस्त विद्यालय के प्रधानाचार्य सूची से अपने-अपने विद्यालय का नाम व कोड नम्बर का मिलान कर लें, यदि उसमे कोई विरोधाभास स्थिति हो या आपत्ति हो तो ऐसी स्थिति मे दिनांक 31.07.2025 तक प्रभारी अधिकारी (सम्बद्धता) माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर से सम्पर्क कर आपत्ति का निदान करा लें तत्पश्चात किसी भी प्रकार का आवेदन-पत्र स्वीकार नही किया जावेगा।
3. सूची मे अंकित विद्यालयों के प्रधानाचार्य से बोर्ड के आवेदन-पत्र भरवाते समय उनके विद्यालय के सम्मुख अंकित राशि कार्यालय द्वारा वसूल की जावेगी।

सचिव

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इनवेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम)
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर- 302005, फोन-0141-2227751,4593201
ई-मेल-riico@riico.co.in वेबसाइट-riico.rajasthan.gov.in

निविदा सूचना

रीको द्वारा निम्नांकित कार्यो/आपूर्ति/सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सीलबंद निविदाऐं एवं राशि रू. 2.00 लाख से अधिक की निविदाऐं ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन निर्धारित प्रपत्र में eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती हैं:-

इकाई का नाम, UBN एवं कार्य की राशि (लाख रू. में):- जयपुर(उत्तर)-औद्योगिक क्षेत्र झोटवाड़ा (हस्तांतरित), जयपुर में सीमेन्ट कंक्रीट सड़क का निर्माण एवं पुरानी नालियों को आरसीसी बॉक्स कल्वर्ट द्वारा बदलने का कार्य। **RDC2526WLOB00644(557.65),** RDC2526WSOB00610(16.32), RDC2526WSOB00611(27.90), RDC2526WSOB00612(7.20), RDC2526WSOB00613(6.00), RDC2526WSOB00614(72.23), RDC2526WSOB00615(8.96), **अलवर**-मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र अलवर में सडक का सुदृढीकरण और पुनः कालीनीकरण (Recarpeting), टाईल लगाने एवं बिछाने और सी.सी. सडक के निर्माण का कार्य। **RDC2526WLOB00652(614.16),** RDC2526WSOB00651(199.86), RDC2526WSOB00608(6.88), RDC2526WSOB00621(69.61), **नागौर-RDC2526WSOB00622(235.67), श्रीगंगानगर- RDC2526WSOB00634(213.75),** RDC2526WSOB00631(12.74), RDC2526WSOB00632 (139.21), RDC2526WSOB00647(3.15), RDC2526WSOB00648(2.95), RDC2526WSOB00649(2.16), RDC2526WSOB00650(4.32), **भिवाड़ी(द्वितीय)**- RDC2526WSOB00635(143.38), **RDC2526WSOB00636 (211.94), बीकानेर**- RDC2526WSOB00609(11.93), **जयपुर(दक्षिण)**- RDC2526WSOB00620(16.31), RDC2526WSOB00619 (35.67), RDC2526WSOB00618(43.14), RDC2526WSOB00617(4.30), RDC2526WSOB00616(5.13), RDC2526WSOB00633 (1.04), **उदयपुर**- RDC2526WSOB00606(95.34), RDC2526WSOB00607(2.52), **जोधपुर**- RDC2526WSOB00627(8.43), RDC2526WSOB00628(5.06), **सीकर**-RDC2526WSOB00625(66.32), **बालोतरा**- RDC2526WSOB00637 (4.80), RDC2526WSOB00640 (3.10), RDC2526WSOB00643(2.50), RDC2526WSOB00645(2.45), RDC2526WSOB00646(2.10)

कुल कार्यो की संख्या-38

निविदा का विस्तृत विवरण, नियम इत्यादि एवं भविष्य में निविदा में किसी प्रकार के संशोधन/तिथि बढ़ने की जानकारी हेतु वेबसाइट riico.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.rajasthan.gov.in को देखें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: महाप्रबंधक (सिविल), फोन- 0141-4593243

Raj.Samwad/C/25/6946

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

केंद्रीकृत रोजगार सूचना (सीईएन) संख्या 03/2025
पैरामेडिकल श्रेणियों के विभिन्न पदों की भर्ती

सांकेतिक सूचना

नीचे दी गई तालिका में दिए गए विभिन्न कोटियों के पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 08.09.2025 है। सभी प्रकार के पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाईन जमा किए जाने होंगे।

आवेदन प्रारंभ होने की तिथि : 09-अगस्त-2025
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 08-सितम्बर-2025 (23:59 hous)

पदों के नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	प्रारंभिक वेतन	चिकित्सा मानक	01.01.2026 को आयु	कुल रिक्तियां (सभी आरआरबी)
नर्सिंग अधीक्षक	7	44900	C1	20-40	272
डाईलायसिस तकनीशियन	6	35400	B1	20-33	4
स्वास्थ्य एवं मलेरिया निरीक्षक ग्रेड II	6	35400	C1	18-33	33
फार्मासिस्ट (एंट्री ग्रेड)	5	29200	C2	20-35	105
रेडियोग्राफर एक्स-रे तकनीशियन	5	29200	B1	19-33	4
ईसीजी तकनीशियन	4	25500	C1	18-33	4
लेबोरेटरी सहायक ग्रेड II	3	21700	B1	18-33	12
कुल (सभी रे.भ.बो.)					434

उम्मीदवारों को निश्चित रूप से सूचित की जाती है कि ऑनलाइन आवेदन भरते समय आधार का उपयोग करके अपने प्राथमिक विवरण को सत्यापित करें ताकि गैर-आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में विशेष विस्तृत जांच के कारण होने वाली असुविधा और अतिरिक्त देरी से बचा जा सके। आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन प्राप्त करने के लिए आधार में नाम और जन्मतिथि को दसवीं कक्षा उत्तीर्ण प्रमाणपत्र में उपलब्ध पूर्ण नाम और जन्मतिथि के साथ 100 प्रतिशत मिलान करने के लिए अपडेट किया जाना है। इसी प्रकार ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार को नवीनतम फोटो और नवीनतम बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट और आईरिस) के साथ अपडेट किया जाना आवश्यक है।

यह अधिसूचना पूर्ण रूप से सांकेतिक है। पूर्ण विवरण के लिए आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले विस्तृत सीईएन सं0 03/2025 (पैरामेडिकल) को भली-भांती पढ़ने की सलाह दी जाती है। सम्पूर्ण अधिसूचना एवं उपरोक्त भर्ती के संबंध में कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय-समय पर नीचे वर्णित आरआरबी की वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

सीईएन सं. 03/2025 में प्रतिभागी रेल भर्ती बोर्ड की वेबसाइट

अहमदाबाद www.rrbahmedabad.gov.in	अजमेर www.rrbajmer.gov.in	भोपाल www.rrbbhopal.gov.in	भुवनेश्वर www.rrbbbs.gov.in
बिलासपुर www.rrbbilaspur.gov.in	चंडीगढ www.rrbcdg.gov.in	चेन्नई www.rrbchennai.gov.in	गुवाहाटी www.rrbguwahati.gov.in
जम्मू श्रीनगर www.rrbjammu.nic.in	कोलकाता www.rrbkolkata.gov.in	मालदा www.rrbmalda.gov.in	मुंबई www.rrbmumbai.gov.in
मुजफ्फरपुर www.rrbmuzaffarpur.gov.in	पटना www.rrbpatna.gov.in	प्रयागराज www.rrbald.gov.in	रांची www.rrbranchi.gov.in
सिकन्दराबाद www.rrbsecunderabad.gov.in	सिलिगुड़ी www.rrbsiliguri.gov.in	बेंगलुरू www.rrbbnc.gov.in	गोरखपुर www.rrbgkp.gov.in

संख्या रेभबो/अज/एडीवीटी/03/2025
दिनांकः 26.07.2025

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
वर्ष 2026 हेतु ऑनलाईन परीक्षा आवेदन-पत्र भरने की तिथियों में संशोधन की सूचना

वर्ष 2026 की परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले समस्त नियमित एवं स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के ऑनलाईन परीक्षा आवेदन-पत्र भरने एवं शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथियों में निम्नानुसार संशोधन किया गया है :-

परीक्षा शुल्क	आवेदन पत्र भरने की आरम्भ तिथि	आवेदन पत्र भरने एवं चालान मुद्रित करने की अंतिम तिथि	परीक्षा शुल्क बैंक में जमा कराने की अंतिम तिथि	आवेदन पत्र एवं चालान नोडल केन्द्र पर जमा कराने की अंतिम तिथि
सामान्य परीक्षा शुल्क से	24.07.2025	23.08.2025	30.08.2025	06.09.2025
एक अतिरिक्त परीक्षा शुल्क सहित	25.08.2025	10.09.2025	15.09.2025	18.09.2025
असाधारण परीक्षा शुल्क (केवल स्वयंपाठी हेतु) जिला मुख्यालयों पर	11.09.2025	25.09.2025	04.10.2025	सीधे बोर्ड कार्यालय में

आवेदन पत्र भरने से संबंधित अन्य प्रक्रिया/शुल्क पूर्व की भांति यथावत रहेगें। आवश्यक निर्देश बोर्ड की वेबसाईट https://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर देखे।

सचिव

कार्यालय नगर निगम भीलवाड़ा (राज.)

क्रमांक : न.नि.भी./गैराज/2025-26/6469 दिनांक : 23/07/2025

-:: निविदा सूचना 12 ::-

नगर निगम भीलवाड़ा द्वारा निम्नांकित कार्यो के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जिसकी जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	निविदा खोलने की दिनांक	अनुमानित लागत	निविदा शुल्क	धरोहर राशि
1.	Door to Door collection of segregated municipal solid waste from all households, Shops, markets and establishments etc using covered motorized vehicle and transportation of collected waste to Secondary collection point/ Transfer station/ MSW processing facility / land fill/dumping yard site as may be directed by the authority from time to time through Real Time Monitoring using Geo Fencing RFID based monitoring system	दिनांक 14.08.2025 प्रातः 11.00 बजे	रू. 28,76,25,600/-	रू. 5000/-	रू. 57,52,512/-

UBN Code : DLB2526SLOB12382
NIB Code : DLB2526A3876

राज.संवाद/सी/25/6856

आयुक्त
नगर निगम भीलवाड़ा

डेढ़ साल के मासूम को बोरवेल में फेंकने का मामला, अठारह घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद निकाला शव

- एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सिविल डिफेंस और पुलिस टीम ने अठारह घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शुक्रवार सुबह बच्चे के शव को निकाला

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के जमवारामगढ़ थाना इलाके में एक कलयुगी पिता द्वारा डेढ़ साल के बेटे को दो सौ फीट गहरे बोरवेल में फेंकने के मामले में एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सिविल डिफेंस और पुलिस टीम ने अठारह घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शुक्रवार सुबह बच्चे के शव को निकाल लिया है।

डीएसपी प्रदीप यादव ने बताया कि बच्चे का शव 90 फीट की गहराई पर अटका हुआ था और ऊपर से डाली गई मिट्टी के कारण उसे निकालने में काफी मुश्किल का सामना करना पड़ा। एसडीआरएफ,एनडीआरएफ,सिविल डिफेंस टीम के करीब 60 जवान रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे थे। रेस्क्यू टीमों ने दो तरह के जुगाड़ का प्रयोग करके आखिरकार बच्चे का शव निकाला। पुलिस ने शव को स्थानीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कर परिजनों के हवाले कर दिया गया है। वहीं पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने पर ही इसका पूरी तरह से खुलासा हो पाएगा। इसके अलावा बच्चे की हत्या कर शव फेंका था या मरा समझ कर जिंदा ही उसे बोरवेल में फेंक दिया गया था। जिसके चलते आरोपित पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ चल रही है। यह मामला जमवारामगढ़ थाना इलाके के दीपोला गांव का है।

60 लोगों की टीम ने संभाला मोर्चा:- शुक्रवार दोपहर एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई। एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस के 60 मेंबर ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया। बोरवेल में कैमरा डालने के बाद शाम करीब 4:30 बजे बच्चे का हाथ दिखाई दिया। 90 फीट गहराई में बोरवेल में बच्चे के फंसे होने का पता चला। इससे बोरवेल में ही बच्चे को फेंकने की पुलिस को पुष्टि हुई। करीब 18 घंटे की मशक्कत के बाद रातभर ऑपरेशन चलाकर शुक्रवार सुबह करीब 4:30 बजे बोरवेल से बच्चे को बाहर निकाला गया। वहां मौजूद डॉक्टर ने चेक करने के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

गांव में पसरा मातम:- शुक्रवार तड़के जब शव बाहर निकाला गया तो गांव में सन्नाटा छा गया। रेस्क्यू पूरा होने के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली और एंबुलेंस के जरिए बच्चे के शव को अस्पताल भिजवाया। जहां उसका पोस्टमार्टम और उसके बाद सभी प्रक्रिया पूरी होने पर अंतिम क्रिया के लिए शव परिजनों को सौंपा गया।

गांव के लोगों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है:- इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपित ने अपने बेटे की निर्मम हत्या कर इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। बच्चे की बीमारी और घरेलू कलह के चलते उसने ऐसा किया। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा. इस हृदय विदारक घटना ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया है।

बच्चे की मौत से सदमे में मां आने से अस्पताल में भर्ती:- आरोपी ने 20 दिन पहले ही अपनी पत्नी से मारपीट की थी। उसे नग्न कर पीटा था। जिसके बाद वह जान बचाकर वहां से निकल गई और दौसा अपने घर चली गई। वारदात के समय बच्चे की मां अपने घर पर थी। जैसे ही उसे इस वारदात का पता चला तो वह सदमे में आ गई और अस्पताल में उसे भर्ती कराया गया था।

बंद बोरवेल रातोंरात खोलकर बच्चे को फेंका:- लोगों का कहना है हत्यारे को सख्त से सख्त सजा दी जाए। आरोपी बेहद शातिर है। अपनी बच्चे की लाश छिपाने के लिए उसने जिस बोरवेल को चिन्हित किया। वो बोरवेल पहले से बंद था। प्रशासन ने अभियान के तहत बोरवेल को बंद किया था। लेकिन रातोरात ललित ने बोरवेल को वापस खोला। अब स्थानीय विधायक महेंद्र पाल मीणा क्षेत्र में बने अवैध बोरवेल के खिलाफ अभियान चलाने का निर्देश दे रहे हैं।

पिछले कई महीनों से पति-पत्नी में झगड़ा हो रहा था। करीब एक महीने पहले तीनों बच्चों को छोड़कर पत्नी मायके चली गई थी। तब से ललित अकेला तीनों बच्चों की परवरिश कर रहा था। आरोपी पिता ललित बुधवार रात 11 बजे घर पहुंचा था। इस दौरान उसका बड़ा भाई ससुराल में फोन पर बात कर रहा था। इस पर ललित ने कहा कि उसे राम को सफेद कपड़े में बांधकर बोरवेल में डाल दिया है। सूचना पर पुलिस घर पहुंची तो ललित सैनी अपने कमरे में सोते हुए मिला। गुरूवार सुबह कुछ होश में आने पर पुलिस ने ललित से डेढ़ साल के राम के बारे में पूछा।

ललित से सख्ती से पूछताछ शुरू की। उसके बाद पुलिस की सख्ती पर टूट गया। बोला- बीमार बेटे की मौत हो गई थी। शरीर ठंडा पड़ चुका था। उसके शव को खेत में पत्थर से ढके बोरवेल में डाल दिया है। बोरवेल में बच्चे को फेंकने की बात सुनकर दंग रह गए। ललित को लेकर बोरवेल तक पहुंचे। प्रथमदृष्टया जांच करने पर बोरवेल में ताजी मिट्टी और पास उगी घास के टुकड़े डालने का पता चला। एक तरफ ललित के झूठ बोलने का संदेह था, दूसरी ओर डेढ़ माह के मासूम को ढूंढने की मजबूरी। बोरवेल में ताजी मिट्टी और घास डालने को लेकर 50 प्रतिशत बात सही होने पर बोरवेल में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था।

सौ फीट गहरे कुएं में गिरे युवक को निकाला सुरक्षित

जयपुर। कानोता थाना इलाके में सौ फीट गहरे कुएं में शुक्रवार सुबह एक युवक गिर गया। सूचना मिलने पर पुलिस और सिविल डिफेंस टीम मौके पर पहुंची और फिर रेस्क्यू ऑपरेशन किया। टीम ने रस्सी से बांधकर कुएं में उतारी चारपाई से उसको सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस ने प्राथमिक उपचार के लिए उसे एम्बुलेंस से सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया।

एएसआई विजेन्द्र यादव ने बताया कि थाना इलाके में स्थित जयंती नगर निवासी कन्हैया लाल (32) कुएं में गिरा था, जो वह परिवार के साथ यहां रहकर मजदूरी करता है। शुक्रवार सुबह वह शराब के नशे में घर लौट रहा था। घर लौटते समय पड़ोसी के प्लाट में कुएं को भरवाने का काम चल रहा था। शराब के नशे में होने के कारण पैर फिसलने से वह कुएं में जा गिरा। 100 फीट गहरे कुएं में करीब 5 फीट पानी भरा हुआ था। वहां मौजूद लोगों ने पानी में कुछ गिरने की तेज आवाज सुनकर कुएं में देखा। कुएं में कन्हैया लाल गिरा हुआ दिखाई दिया। कुएं में युवक के गिरने का पता चलने पर लोगों की भीड़ जुट गई। कुएं भरवाने के दौरान उसमें लगी बिजली मोटर को बाहर निकाल लिया था। कुएं में मोटर का वायर लटका हुआ था। वायर को पकड़कर कन्हैया लाल ने पानी में डूबने से अपनी जान बचाई।

सार-समाचार

केनरा बैंक डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियम लीग सीजन 4 का शुभारम्भ

जयपुर। केनरा बैंक डीएमपीएल सीजन 4 के संयोजक डॉ संदीप निझावन ने बताया कि 25 जुलाई को इसके चौथे संस्करण का शुभारंभ आरआईसी जयपुर में फर्स्ट इंडिया न्यूज़ के सीईओ व मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा ने किया ,कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि गीतांजली मेडिकल कॉलेज जयपुर के प्रिंसिपल व डीन डॉ अशोक गुप्ता व बॉलीवुड सिंगर रवींद्र उपाध्याय थे। लीग के आयोजन अध्यक्ष डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि पवन अरोड़ा ने इस तरह कि प्रतियोगिता की आवश्यकता बताते हुए इसके सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि व डीएमपीएल के ब्रांड एंबेसडर रवींद्र उपाध्याय ने कहा कि डॉक्टर्स में भरपूर टैलेंट है और वे अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते है ।चीफ कॉर्डिनेटर डॉ हर्षुल टाक ने बताया कि गौरी ज्वेलर्स से गौरी माहेश्वरी व महिमा ग्रुप से धीरेंद्र मदान ने भी इस अनूठे आयोजन की तारीफ़ करते हुए इस आयोजन से जुड़ें। मंच संचालन डॉ रवींद्र सिसोदिया ने किया।

महिलाओं ने तीज उत्सव मनाया

जयपुर। रंगोली गार्डन की महिलाओं ने यहां वैशाली नगर स्थित एक होटल में तीज उत्सव पारंपरिक ढंग से मनाया। कार्यक्रम में करीब एक सौ से अधिक आकर्षक लिबास में सजीली महिलाओं ने उत्साह से हिस्सा लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मिसेज राजस्थान-2025 निधि शर्मा व रजनी मेहता ने विनर्स को तीज क्वीन, लहरिया क्वीन, रैंपवॉक क्वीन जैसे टाइटल्स से भी नवाजा। आयोजक डोली छाबड़ा व महिमा शर्मा ने बताया कि आकर्षक लिबास में सभी महिलाओं तीज पर्व के पारंपरिक लोकगीतों पर कदम थिरकाए। साथ ही आकर्षक रैंपवॉक के दौरान तीज पर्व के इन्द्रधनुषी रंग बिखेरे। कार्यक्रम के दौरान कई रोचक गेम्स ने भी माहौल को खुशनुमा बनाया। कार्यक्रम में डाइटिशियन कीर्ति जैन, नीतू, रीना और नीलम आदि मौजूद रहीं। संचालन एंकर करन ने किया।

मार्केट में उतरे दो नए इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर्स

जयपुर। पियाजियो व्हीकल्स ने अपने इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर सेगमेंट में दो नए मॉडल्स- आपे ई-सिटी अल्ट्रा और आपे ई-सिटी एफएक्स मैक्स लॉन्च किए हैं। ये दोनों गाड़ियाँ खासतौर पर भारत की जमीनी हकीकत को ध्यान में रखकर डिज़ाइन की गई हैं। पियाजियो व्हीकल्स प्रा. लि. के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डिएगो ग्राफी ने कहा, ''भारत में ईवी की माँग तेज़ी से बढ़ रही है और हम चाहते हैं कि हमारे वाहन न सिर्फ टिकाऊ हों, बल्कि लोगों की आजीविका भी बेहतर करें।'' पियाजियो व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट- सीवी डॉमेस्टिक बिजनेस और रिटेल फाइनेंस, अमित सागर ने कहा, ''ग्राहकों की जरूरत है- लंबी रेंज, दमदार बैटरी और कम खर्च। यही सोचकर हमने ये नए मॉडल्स बनाए हैं, जो हर मायने में भरोसेमंद हैं।'' आपे ई-सिटी अल्ट्रा देता है 236 किमी की रेंज, 9.55 किलोवॉट की पावर, बूस्ट मोड, क्लाइंब असिस्ट और स्मार्ट 4जी टेलीमैटिक्स जैसे एडवांस्ड फीचर्स।

पुस्तक ''निज से, निज को'' का लोकार्पण समारोह 27 को

जयपुर। प्रवीणचंद्र छाबड़ा द्वारा रचित पुस्तक ''निज से, निज को'' का लोकार्पण समारोह आगामी 27 जुलाई 2025 (रविवार) को प्रातः 10:30 बजे जयपुर स्थित पिंक सिटी प्रेस क्लब, नारायण सिंह सर्कल में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में विनोद शंकर दवे (भूतपूर्व न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय) और नंद भारद्वाज (हिंदी और राजस्थानी भाषा के वरिष्ठ कवि, कथाकार एवं समीक्षक) विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे।समारोह के विशिष्ट वक्ता होंगे, विजय त्रिवेदी, जो पूर्व एडिटर एनडीटीवी इंडिया, लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सिम विक्रेताओ को गिरफ्तार किया

जयपुर। शास्त्री नगर थाना पुलिस ने संदिग्ध सिम विक्रेताओ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन सिम विक्रेताओ को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछकी जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि शास्त्री नगर थाना पुलिस ने संदिग्ध लोगों को सिम कार्ड बेचान करने वाले पीएसओ के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए बिकार मोबाईल पॉइन्ट के संचालक मोहम्मद बिकार निवासी शास्त्री नगर ,बरकत मोबाईल पॉइन्ट के संचालक फारुख निवासी नाहरी का नाका जयपुर और कुरैशी मोबाईल पॉइन्ट से आसिफ हुसैन निवासी शास्त्री नगर को गिरफ्तार किया है और साथ ही बेची गयी संदिग्ध सिम कार्ड के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

देवनानी से नव नियुक्त कुलगुरू अग्रवाल की मुलाकात

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से यहां विधान सभा में महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के नव नियुक्त कुलगुरू सुरेश कुमार अग्रवाल ने शिष्टाचार भेंट की। अग्रवाल ने देवनानी से विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में किये जाने वाले नवाचारों पर चर्चा की।

नेशनल पावरलिफ्टिंग में जीते मैडल

जयपुर। नेशनल पावरलिफ्टिंग 2025 में राजस्थान के चार खिलाड़ियों हर्ष, सोनू , आयुष, शुभम ने जीते मेडल । चारों खिलाड़ी जयपुर के विद्याधर नगर विधानसभा के रहने वाले है ! कोच नैतिक जांगिड (राष्ट्रीय पदक विजेता) शिव शक्ति जिम ने बताया की चारों खिलाड़ियों का दो महीने बाद होने वाले इंटरनेशनल गेम में भी चयन हुआ है । विद्याधर नगर विधानसभा के जन सेवक विष्णु प्रताप सिंह द्वारा इन सभी खिलाड़ियों का तलवार भेंट कर सम्मान किया गया।

पुराने नियमों के आधार पर करवाओ समाज के चुनाव : हाईकोर्ट

- माहेश्वरी समाज के 27 को होने वाले चुनावों को लेकर कहा कि या तो पुराने नियमों के आधार पर चुनाव कराओ या मामले में आगामी सुनवाई तक यथास्थिति रखी जाए
- अदालत ने मामले में माहेश्वरी समाज व अन्य से जवाब तलब किया है

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने माहेश्वरी समाज के 27 जुलाई को होने वाले चुनावों को लेकर कहा है कि या तो पुराने नियमों के आधार पर समाज के चुनाव कराओ या फिर मामले में आगामी सुनवाई तक यथास्थिति रखी जाए। इसके साथ ही अदालत ने चुनाव होने पर उसे याचिका के निर्णय के अधीन रखा है।जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश सुरेन्द्र सारडा की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। इसके साथ ही अदालत ने मामले में माहेश्वरी समाज व अन्य से जवाब तलब किया है।

अपील में अधिवक्ता प्रत्युष शर्मा ने याचिका में बताया कि माहेश्वरी समाज के 27 जुलाई को चुनाव प्रस्तावित हैं। साल 2020 में नियमों के खिलाफ जाकर समाज के विधान में मनमानी से संशोधन किए गए थे। ऐसे में मूल विधान के खिलाफ हो रहे समाज के चुनाव पर रोक लगाई जाए।

इस दौरान माहेश्वरी समाज अध्यक्ष की ओर से अधिवक्ता अभिनव शर्मा उपस्थिति हुए। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता और उनके बीच पुराने नियमों से चुनाव कराने को लेकर सहमति हो गई है और चुनाव पुराने नियमों से ही कराया जाएगा। अदालत ने उनके बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए पुराने नियमों से चुनाव कराने की छूट देते हुए कहा है कि यदि पुराने नियमों से चुनाव नहीं होते हैं तो मामले में दोनों पक्ष यथास्थिति बनाए रखे।

साइबर क्राइम पुलिस ने किया फर्जी सिम रैकेट का पर्दाफाश

- 15 फर्जी सिम, 4 मोबाइल और 40,450 ठगी की रकम बरामद; एक ठग और तीन बाल अपचारी पकड़े

जयपुर। राजस्थान साइबर क्राइम थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों से सिम कार्ड लेकर साइबर ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में मुख्य आरोपी घनश्याम मीणा की निशानदेही पर एक साइबर ठग नीरज कुमार मीणा को गिरफ्तार किया गया है, साथ ही तीन बाल अपचारियों को भी निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 15 फर्जी सिम कार्ड, 4 मोबाइल फोन और 40,450 की ठगी गई राशि बरामद की है।

मालपुरा गेट थाना क्षेत्र में कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर मोबाइल सिम खरीदने आए एक लड़के की सूचना मिली थी। इस पर साइबर

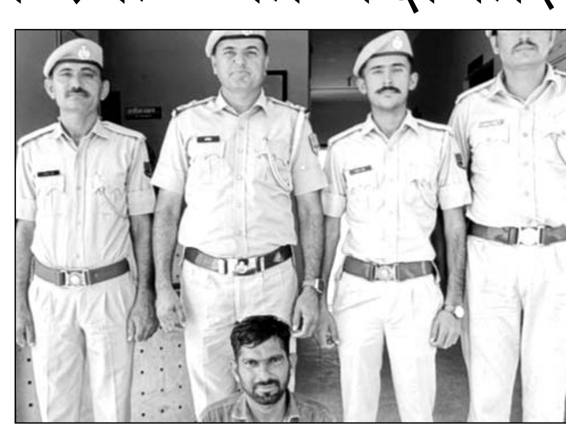

पुलिस ने मुख्य आरोपी घनश्याम मीणा की निशानदेही पर एक साइबर ठग नीरज कुमार मीणा को गिरफ्तार किया ।

क्राइम थानाधिकारी मय टीम मालपुरा गेट स्थित भारती हेक्साकॉम लिमिटेड के सांगानेर स्टोर पर पहुंचे। स्टोर इंचार्ज दीपेंद्र शर्मा की लिखित रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर घनश्याम मीणा निवासी निवाई टोंक को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 7 मोबाइल सिम कार्ड, 2 खाली सिम कवर, 2 आधार कार्ड और एक वीवो कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। घनश्याम मीणा से पूछताछ के आधार पर शुक्रवार 25 जुलाई को साइबर थाना राजस्थान की टीम ने आगे की कार्रवाई की।

देवनानी ने पीपलोदी घटना पर दुख प्रकट किया

- भवन अचानक ढह जाने से 5 विद्यार्थियों की मृत्यु और 11 अन्य बच्चों के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना अत्यंत पीड़ादायक'

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने झालावाड़ जिले के मनोहर थाना विधानसभा क्षेत्र के पीपलोदी गांव में अत्यंत दर्दनाक घटना पर गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि भारी बारिश के चलते राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, पीपलोदी का भवन अचानक ढह जाने से 5 मासूम विद्यार्थियों की मृत्यु और 11 अन्य बच्चों के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना अत्यंत पीड़ादायक है। देवनानी ने दिवंगत बच्चों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

बिजली चोरी एवं दुरूपयोग के मामले पकड़े

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम की सतर्कता शाखा ने शुक्रवार को बगरू क्षेत्र में कार्यवाही की। जिसमें 1 होटल में बिजली के दुरूपयोग तथा 3 आवासीय परिसरों एवं 2 पी.जी. हॉस्टल में विद्युत चोरी के प्रकरणों में 10 लाख रूपए से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) महेन्द्र कुमार शर्मा एवं अधीक्षण अभियंता (सतर्कता) बी.एल. शर्मा ने बताया कि हरधानपुरा देवलिया में संचालित होटल में अघरेलू श्रेणी का 20 किलोवॉट का कनेक्शन स्थापित है। यहां जांच के दौरान स्वीकृत भार की जगह 58.58 किलोवॉट उपयोग में लिया जा रहा था इसी प्रकार, देहमी कलां वसुन्धरा नगर प्रथम स्थित तीन आवासीय परिसरों में मीटर से पहले सर्विस लाइन में कट लगाकर अतिरिक्त तार जोडकर चेन्ज ओवर लगाकर विद्युत चोरी की जा रही थी।

बैंक से रुपये लेकर निकले युवक से नौ लाख रुपए लूटे

- पुलिसकर्मी बताकर बदमाश कार में डालकर युवक का अपहरण कर ले गए थे और दो किलोमीटर दूर रास्ते में फेंककर बदमाश फरार हो गए

जयपुर। बजाज नगर थाना इलाके में बैंक से रुपये लेकर निकले युवक से नौ लाख रुपए लूटने का मामला सामने आया है। पुलिसकर्मी बताकर बदमाश कार में डालकर युवक का अपहरण कर ले गए थे और दो किलोमीटर दूर रास्ते में फेंककर बदमाश फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेकर मामले की जांच कर रही है।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी मालवीय नगर) आदित्य पूनिया ने बताया कि बजाज नगर थाना इलाके में स्थित दुर्गापुरा एसएल कट के पास आरबीएल बैंक से नौ लाख रूपये लेकर निकले पीड़ित जयवंत का बैंक के बाहर आए चार युवकों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर उसका अपहरण कर ले गए। जिसके बारे में वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। अपहरणकर्ताओं ने दो किलोमीटर दूर ले जाकर जीटी के पास रास्ते में फेंक कर फरार हो गए।

सूचना पर पुलिस ने अपहरण जसवंत की जानकारी कर तलाश शुरू की। जीटी के पास मिलने पर पुलिस उसे अपने साथ पुलिस स्टेशन ले आई। पीड़ित की ओर से अपहरण कर लूट मामले में शिकायत नहीं दी गई। जिसमें बदमाशों के साथ जसवंत हंसते हुए बात करता दिखाई दे रहा है। संभवतः बैंक से पैसे निकलवाने के बाद आपस में विवाद होने पर घटना हुई। पुलिस जसवंत से पूछताछ कर रही है।

प्रिंसिपल पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की दौसा टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए ओम शिव महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय दौसा के प्रिंसिपल राकेश कुमार चौबे को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। एसीबी दौसा टीम को परिवादिया ने शिकायत दी कि ओम शिव महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय दौसा (बीएड कॉलेज) के प्रिंसिपल राकेश कुमार चौबे की ओर से प्रेक्टिकल में अच्छे नम्बर देने एवं उपस्थिति पूरी करने के लिए छह हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहे है। प्रिंसिपल की ओर से छह रुपये की मांग कर पांच हजार रुपये लेने पर सहमत हुआ।जिस पर एसीबी दौसा टीम के उप अधीक्षक पुलिस नवल किशोर के नेतृत्व में ट्रैप की कार्रवाई करते हुए प्रिंसिपल राकेश कुमार चौबे को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया।

'कोचिंग बिल कानून का रूप नहीं लेता, तब तक केन्द्र की गाइड लाइन लागू करो '

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कहा है कि जब तक कोचिंग संस्थानों को नियंत्रित करने वाला बिल कानून का रूप नहीं लेता, तब तक इस संबंध में केन्द्र सरकार की ओर से जारी की गई गाइडलाइन को लागू किया जाए। इसके साथ ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत भी कार्रवाई की जा सकती है। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस चन्द्र प्रकाश श्रीमाली की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। वहीं अदालत ने कोचिंग सेंटर संचालकों से पूछा है कि अवसाद में आए विद्यार्थियों को बचाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और पढाई के तरीके में क्या बदलाव किया गया है।

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद की ओर से कहा गया कि राज्य सरकार ने राजस्थान कोचिंग सेंटर नियंत्रण एवं विनियमन विधेयक, 2025 को कानूनी मूर्त रूप देने के लिए विधानसभा में रखा था। वहीं बाद में विधेयक को प्रवर समिति को भेजा गया और वहां इस पर सुझाव मांगे गए हैं। इसके अलावा कानून के बिना केन्द्र सरकार की गाइड लाइन में बताए गए दंडात्मक प्रावधानों को भी लागू नहीं किया जा सकता है। वहीं न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता सुधीर गुप्ता की ओर से कहा गया कि राज्य सरकार की ओर से गाइडलाइन की पालना नहीं की जा रही है। जिससे अभी भी विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाएं हो रही हैं। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इतने लंबे समय तक सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ऐसे में गाइडलाइन की सख्ती से पालना की जाए। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई अगस्त माह के तीसरे सप्ताह में रखी है। राज्य सरकार की ओर से गत सुनवाई पर अदालत को बताया गया था कि इस साल आठ मई तक 14 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की है।

10 बदमाशों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने इलाके में अवैध निवासरत बांग्लादेशी संदिग्ध नागरिक ,हिस्ट्रीशीटर एवं वांछित अपराधियों के खिलाफ उनकी धरपकड़ के लिए विशेष अभियान एरिया डोमिनेशन चलाया। अभियान के तहत पुलिस ने कुछ 10 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि थाना इलाके में अवैध निवारत बांग्लादेशी ,हिस्ट्रीशीटर बदमाश, हार्डकोर बदमाश सहित वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान एरिया डॉमिनेशन चलाया गया। जिसमें पुलिस ने अलग- अलग स्थानों पर अपराधियों को चिन्हित करते हुए दबोच लिया। पुलिस ने दबिश देकर निक्की मीणा , ,सागर, अजय ,साजीद, संजय नगर निवासी ,अमित राजीव नगर निवासी , किशन, संजय ,बल्लू लोहार, शहीद इन्द्रा ज्योति नगर,भट्टा बस्ती निवासी, सलमान 22 ,नया जालूपुरा,नाहरी का नाका निवासी और इस्लाम को दबोच लिया।

ट्रायल के बहाने गाड़ियां चोरी करने वाला एक शातिर बदमाश गिरफ्तार

- आरोपी बलवीर से सामने आया है कि ओएलएक्स ऐप पर पुरानी गाड़ियों का विज्ञापन देकर वह मालिकों से सम्पर्क करता था

जयपुर। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ओएलएक्स ऐप के जरीए गाडी मालिकों से सम्पर्क कर ट्रायल के बहाने गाड़ियां चोरी करने वाले एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चुराई कार बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित चुराई गाड़ी को सस्ते दामों में कबाड़ी को बेचकर मिलने रुपयों से अपने शौक पूरा करता था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पूर्व) आशाराम चौधरी ने बताया कि एयरपोर्ट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ओएलएक्स ऐप के जरीए गाडी मालिकों से सम्पर्क कर ट्रायल के बहाने गाड़ियां चोरी करने वाले आरोपित बलवीर सिंह मीना (27) निवासी कुडगांव जिला करौली को

पुलिस ने आरोपित बलवीर सिंह को गिरफ्तार किया ।

150 किलोमीटर तक पीछा कर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चुराई गई एक कार को बरामद कर लिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपित के सांगानेर, प्रताप नगर, मुहाना और एयरपोर्ट इलाके में आधा दर्जन वाहन चोरी की वारदात करना कबूल किया है। करीब तीन साल पहले इसी तरह गुजरात में वारदात करने पर गिरफ्तार भी हो चुका है।

पूछताछ में आरोपी बलवीर से सामने आया है कि ओएलएक्स ऐप पर पुरानी गाड़ियों का विज्ञापन देकर वह मालिकों से सम्पर्क करता था। गाड़ी के दस्तावेज अपने वॉट्सऐप नंबर पर मंगवा लेता था और फिर शराब ठेके या चौखटी पर जाकर शराबी व्यक्तियों का मोबाइल चुराता। चुराए मोबाइल से वाहन मालिक को फोन कर वाहन खरीदने के लिए दिखाने के बहाने अनजान जगह पर बुलाता।

अपहरण कर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म

जयपुर। कानोता थाना इलाके में परिचित युवक द्वारा अपहरण कर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि आरोपित ने धोखे से अपहरण किया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया। इस संबंध में नाबालिग पीड़िता ने आरोपित परिचित के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि कानोता की रहने वाली नाबालिग लड़की ने मामला दर्ज करवाया है कि परिचित होने के कारण आरोपी से उसकी बातचीत थी। आरोप है कि 4 जुलाई को रास्ते में मिलने पर आरोपी उससे बातचीत करने लगा। धोखे से झूठ बोलकर उसका अपहरण कर अपने साथ ले गया और फिर उसके साथ जबरदस्ती कर दुष्कर्म कर मोबाइल में उसका अश्लील वीडियो बना लिया।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
SATURDAY
26 July 2025
A-B

Healing Wholly !

Every year on July 26, Holistic Therapy Day shines a spotlight on a unique approach to health that considers the whole person: body, mind, and spirit. This day is not just a celebration but a reminder of the deep-rooted belief in the power of holistic healing practices that date back thousands of years, from ancient Ayurveda to traditional Chinese medicine. These practices include meditation, yoga, massage, and more, all aiming to harmonize the physical, mental, and spiritual aspects of our being. The importance of Holistic Therapy Day lies in its emphasis on self-healing and the interconnectedness of our mental, physical, and emotional health.

#RANGREZ

There Is Hope For Dyeing In Jaipur

The Untold Story of Jaipur's Master Dyers: A Legacy in Every Thread

Have you ever heard the story of Jaipur's dyeing artisans?

Not the ones featured in travel brochures or Instagram reels, but the quiet masters who, for generations, have turned fabric into poetry using nothing but their hands, natural dyes, and age-old wisdom.

Tucked away in the narrow lanes of Sanganer and Bagru, just outside Jaipur, lives a community whose artistry predates machines and mass production. These are the *Rangrez*, traditional fabric dyers, whose work has clothed kings, inspired designers, and painted the culture of Rajasthan with colour.

Their process is not just craft; it's ritual. Cotton cloth is first soaked in a solution of natural ingredients, often harad, multani mitti, and even cow dung, to cleanse and prepare the fabric. Then, using dyes derived from indigo, madder root, pomegranate peel, and turmeric, the fabric is dipped, beaten, sun-dried, and washed again and again. The result? Deep, vibrant colors that don't fade with time, only deepen.

What makes these artisans truly remarkable isn't just their skill, but their connection to nature. Unlike modern textile factories that pollute rivers, traditional dyers in Jaipur often use rainwater or filtered groundwater, and many are returning to eco-friendly, zero-waste techniques their ancestors practiced naturally.

But in a world racing towards fast fashion, these artisans struggle to keep up. Hand-dyed fabrics take days, sometimes weeks, to perfect. Synthetic dyes, screen printing, and digital patterns have pushed the market away from slow, meaningful work. Many younger artisans have left the craft altogether, seeking more stable or modern jobs.

Yet, there is hope.

In recent years, there's been a quiet revival. Designers across the globe, from Tokyo to New York, are once again turning to Jaipur's master dyers for authentic, sustainable textiles. Organizations are helping train a new generation in traditional techniques. And tourists, too, are beginning to visit dyeing workshops not just to buy, but to learn.

Still, their story remains under-told. No museum wing honours them. Few books carry their names. But if you visit, if you pause and ask, you'll see history unfolding in real-time, in every swirl of colour, in every wrinkled hand dipping cloth into dye, in every rooftop where fabric flutters like prayer flags.

So, the next time you wear something hand-dyed, ask where it came from. It just might be from a small, sunlit workshop in Jaipur, where colour is still made with heart, not haste.

Sawan Ka Bazaar And The Perfect Ghewar

This journey is not just about taste. It's about scent, texture, memory. About fathers and grandfathers and the women who kept traditions alive. About shrines in side streets and friendships behind shop counters. Ghewar season is fleeting, like the rains themselves. But for a few short weeks each year, Jaipur breathes in sugar, ghee, and nostalgia, and I, like many others, follow the scent.

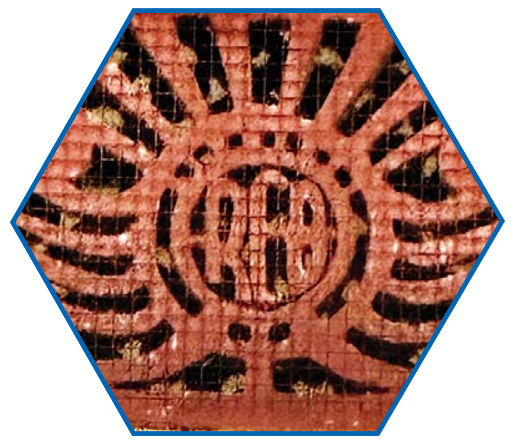

● Pushpendra Bhargava

> As I bite into their crisp Mawa Ghewar, Rajendra Rawat ji explains the 14 or 16 items traditionally sent as 'Baine,' ritual gifts from a married woman to her nand (sister-in-law) during Teej. One of these gifts is ghewar, made only during sawan, with Datura, Aakera ka Phool and Belpatra, as testimony to the sacred monsoon month devoted to Lord Shiva.

Every July, as the monsoon clouds roll over Jaipur and the pink sandstone glows under gentle rain, I find myself drawn into a tradition that blends taste, memory, and devotion, my annual search for the perfect Ghewar.

It begins at Chaura Rasta, once named SMS Highway, built when Maharaja Sawai Man Singh II expanded Jaipur beyond its old city walls. The new gate that opened up this axis became a corridor not just for traffic, but for time. As I walk its length, art deco homes greet me with jharokhas, etched with family initials and generations of detail. Teakwood slabs, old shaving mirrors, ticking clocks, and heirloom cupboards hide pickles and stories alike.

The grandfather's working typewriter like all things grandfather's. The atta chakkis, the weighing scale, the wooden grinder, great grandfather's watchful eyes and tutelage!! The year 1941, Rs. 5 Tanjore Krishna gold paintings, with silver linings and in the endless seamless flow, a photograph with the grandfather and the interim Prime Minister Gulzari Lal Nanda...this is the Pink City's living museum, where homes still whisper.

#NOSTALGIA

Down Sonthali Walo ka Rasta, Somilal's Sweets (Rawat Misthan Bhandar) becomes my first stop. For 140 years, the Rawat family has made Ghewar by hand, passing recipes from one generation to the next. As I bite into their crisp Mawa Ghewar, Rajendra Rawat ji explains the 14 or 16 items traditionally sent as 'Baine,' ritual gifts from a married woman to her *nand* (sister-in-law) during Teej. One of these gifts is *ghewar,* made only during sawan, with Datura, Aakera ka Phool and Belpatra, as testimony to the sacred monsoon month devoted to Lord Shiva.

From there, I meander through Jadiyon ka Rasta and stop at Somani Misthan Bhandar, then Sodani Sweets. Each has its signature touch, some ghewars crisp and airy, others dense with rabdi or mawa. I reach Gopal Ji ka Rasta, where the 87-year-old gentleman from Sharda Bhawan swears by Poddar Misthan Bhandar's version.

The warm woman behind the counter smiles and selects a tiny ghewar for me, the only size I'll allow myself as a diabetic.

My bag grows heavier. Bhatia Paneer Bhandar tempts me with milk cake and akhrot barfi, and they too now offer ghewar. As I walk, I sip Aloo bukhara juice (Plum) at Ganga Juice Centre near Ganga Mata Mandir, places rich with taste and memory.

Eventually, I turn down Haldiyon ka Rasta to reach Ajit Mal Ji's Sambharwala Sweets, where the elderly motherly assistant greets me with laughter and stories. They swear that their Ghewar is better than the more famous Bhawar Ji's in Ghee Walo ka Rasta with the shop called Sambhar Phini Wale!! These rivalries, told with affection, add spice to the journey. And behind it all is Teej-celebrated on the third day after the new moon, following Hariyali Amavasya. On this day, women apply mehndi, prepare flour sweets, and adorn their doorways with turmeric paste, cow dung, and rice. They worship with 14 fruits, sweets, and symbols of Vishnu's chakra and Lakshmi's presence. Ghewar is not just dessert, it is devotion.

> Eventually, I turn down Haldiyon ka Rasta to reach Ajit Mal Ji's Sambharwala Sweets, where the elderly motherly assistant greets me with laughter and stories. They swear that their Ghewar is better than the more famous Bhawar Ji's in Ghee Walo ka Rasta with the shop called Sambhar Phini Wale!! These rivalries, told with affection, add spice to the journey.

This journey is not just about taste. It's about scent, texture, memory. About fathers and grandfathers and the women who kept traditions alive. About shrines in side streets and friendships behind shop counters. Ghewar season is fleeting, like the rains themselves. But for a few short weeks each year, Jaipur breathes in sugar, ghee, and nostalgia, and I, like many others, follow the scent.

From Ritual to Rakhi

Ghewar isn't just a dessert, it's a sacred gift. It is offered as *prasad* during Teej which is a pre-cursor to many revered festivals to follow, Raksha Bandhan, Janmashtami, Ganesh Chaturthi.

Jaipur vs. Bikaner vs. Udaipur

Jaipur's ghewar leans airy and crisp; Bikaner's is slightly thicker and intensely sweet; Udaipur prefers a rabdi topping. Today, fusion ghewars also include rose, pistachio, chocolate, and even gold varq variations.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

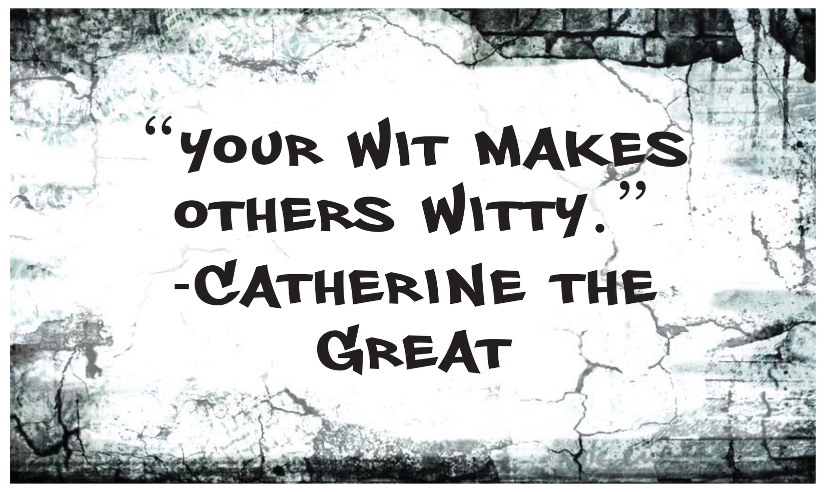

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

डूंगरी भाखरी स्कूल के जर्जर कमरों में जान जोखिम में डालकर पढ़ रहे हैं 250 बच्चे

डूंगरी भाखरी स्थित रा. उ. प्रा. विद्यालय की दीवारें, छत और नींव कभी भी जमींदोज हो सकती हैं

रानीवाड़ा, (निसं)। शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की घोर लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण जालोर जिले के डूंगरी भाखरी स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में देखने को मिल रहा है। यहां दो जर्जर कक्षा-कक्ष कभी भी बड़े हादसे का सबब बन सकते हैं, जिनमें करीब 250 मासूम बच्चों का भविष्य और जीवन दांव पर लगा है।

प्रधानाध्यापक देवाराम चौधरी ने बताया कि कई बार उच्चाधिकारियों को सूचित करने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई, जिससे बच्चों के अभिभावकों में गहरा रोष व्याप्त है। मामले का खुलासा करते हुए प्रधानाध्यापक देवाराम चौधरी ने बताया कि विद्यालय के पत्रांक 242 दिनांक 05.12.2023 के प्रस्ताव के अनुसार, क्षतिग्रस्त दो कक्षा-कक्षों की मेजर रिपेयरिंग के लिए 6 लाख रुपये की स्वीकृति सत्र 2024-25 में जारी की गई थी। इसके अनुपालन में ठेकेदार द्वारा ग्रीष्मावकाश के दौरान कार्य भी करवाया गया, लेकिन हैरत की बात यह है कि जिन कमरों को सख्त मरम्मत की आवश्यकता थी, उनकी मरम्मत की ही नहीं गई। जब ठेकेदार से इस बारे में जानकारी ली गई, तो उसने अपनी ओर से कार्य पूर्ण होने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया।

जालोर जिले के डूंगरी भाखरी स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के कमरों की छतें और दीवारें जर्जर हो चुकी है, जिससे बच्चों के साथ हादसे का अंदेशा बना हुआ है।

- छह लाख रुपये की स्वीकृति के बाद भी बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़, ठेकेदार पर सवालिया निशान
- कई बार उच्च अधिकारियों को सूचित करने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई, जिससे बच्चों के अभिभावकों में रोष है

चौधरी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिन दो कक्षा-कक्षों की मेजर रिपेयरिंग की सख्त आवश्यकता है, उनका काम न होना किसी भी समय बड़ी दुर्घटना को न्यौता देने जैसा है। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि किसी भी समय कमरों की दीवारें, छत तथा नींव जमींदोज हो सकते हैं। यह स्थिति न केवल बच्चों के लिए जानलेवा है, बल्कि शिक्षकों और स्टाफ के लिए भी खतरा बनी हुई है।

विद्यालय प्रशासन ने इस गंभीर विषय पर कई बार उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर सूचित किया है। जिला कलेक्टर जालोर, जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा जालोर, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, रानीवाड़ा और पीईईओ डूंगरी, रानीवाड़ा को भी इसकी प्रतियां भेजी गई हैं। प्रधानाध्यापक देवाराम चौधरी ने राउ प्रा वि डूंगरी भाखरी के डाइस कोड का भी हवाला दिया, लेकिन बावजूद इसके, आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। शिक्षा मंत्री, राजस्थान सरकार को भेजे गए पत्र में स्पष्ट निवेदन किया गया है कि 'बच्चों की सुरक्षा विभाग एवं राज्य सरकार पर निर्भर है।' यह पत्र स्पष्ट रूप से बताता है कि स्थानीय स्तर से लेकर राज्य स्तर तक इस मामले की जानकारी है, फिर भी बच्चों की जान जोखिम में डालकर शिक्षा दी जा रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने झालावाड़ हादसे पर दुख जताया

झालावाड़ के मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से सात बच्चों की मौत, 28 बच्चे घायल

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे अस्पताल पहुंची और घायल बच्चों की कुशलक्षेम पूछी।

- हमारे परिवार के सात स्कूली बच्चों को भगवान ने हमसे छीन लिया, इस हादसे में 28 बच्चे घायल हो गए ज्योंही मुझे इस घटना की जानकारी मिली, मुझे बहुत आघात लगा : पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे
- 'यदि शिक्षा विभाग के अधिकारी प्रदेश के ऐसे स्कूलों को पहले ही चिन्हित कर लेते और बच्चों को अन्यत्र किसी सुरक्षित भवन में शिफ्ट कर देते तो हमारे ये बच्चे काल का ग्रास नहीं बनते'

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि बहुत ही दर्दनाक घटना है। हमारे परिवार के सात स्कूली बच्चों को भगवान ने हमसे छीन लिया। इस हादसे में 28 बच्चे घायल हो गए। ज्योंहीं मुझे इस घटना की जानकारी मिली, मुझे बहुत आघात लगा।

राजे ने कहा कि मैं तथा झालावाड़-बारां के सांसद दुष्यंत सिंह तत्काल दिल्ली से यहाँ के लिए रवाना हो गए। शिक्षा विभाग प्रदेश के सभी स्कूलों का सर्वे करवाए, जहां भी स्कूल जर्जर अवस्था में हैं, ऐसे स्कूलों से बच्चों को अन्यत्र सुरक्षित भवन में शिफ्ट करें। ऐसे स्कूलों को गिराकर नये भवन बनवायें, ताकि बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ न हो सके। यदि शिक्षा विभाग के अधिकारी प्रदेश के ऐसे स्कूलों को पहले ही चिन्हित कर लेता और बच्चों को अन्यत्र किसी सुरक्षित भवन में शिफ्ट कर देता तो हमारे ये बच्चे काल का ग्रास नहीं बनते। ऐसी घटनाओं से बच्चों और अभिभावकों में भय का वातावरण बनता है। मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखें और इस हृदय विदारक घटना को लेकर कोई राजनीति न करें। आहत परिवारों की मदद करें, राजनीति नहीं। जो भी मांगे हैं उनको सक्षम स्तर पर पहुंचाकर यथा संभव जो भी हो सकता है, निस्तारण करवाने का प्रयास करेंगे। राजे ने का कि मैं ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा को शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना करती हूं।

गौरतलब है कि झालावाड़ के मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से सात बच्चों की मौत हो गई। वहीं 28 घायलों में से 9 की हालत गंभीर है। क्लास में शुक्रवार सुबह बच्चे बैठे थे, इमारत ढह गई और 35 बच्चे दब गए थे। ग्रामीणों ने तत्काल मलबा हटाकर बच्चों को निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया।

बदमाशों ने युवक पर फायरिंग की, युवक घायल

- फायरिंग के पीछे दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश का मामला सामने आ रहा है
- हमलावरों की धरपकड़ के लिये पुलिस टीमें लगी

कोटा, (निसं)। दादाबाड़ी थाना इलाके में गुरूवार देर रात्रि को मोटरसाइकिल पर आये बदमाशों ने घर के बाहर खड़े युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। हमले में युवक के दो गोलियां लगी, युवक को घायलावस्था में उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना दादाबाड़ी इलाके के वक्फ नगर की बताई गई। फायरिंग की सूचना पाते ही दादाबाड़ी पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की गंभीरता को देखते हुए सामने आये सीसीटीवी फुटैज के आधार पर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। फायरिंग के पीछे दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश का मामला सामने आ रहा है। फायरिंग में घायल इरशाद को परिजनो ने उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया हैं। दादाबाड़ी थानाधिकारी मांगेलाल यादव ने बताया कि गुरूवार रात्रि को इरशाद कही से घर पर पहुंचा ही था कि बाइक पर आये बदमाशों ने उस पर फायरिंग कर दी। थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर अल्फेज व उसके कुछ साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, मामले में सामने आया कि फरियादी इरशाद ने पूर्व में अल्फेज के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया था। इसी पुरानी रंजिश को लेकर अल्फेज ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर इरशाद पर फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया है। थानाधिकारी ने बताया कि हमलावरों की धरपकड़ के लिये पुलिस टीमें लगी हुई है, जगह-जगह पुलिस टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये दबिश दे रही है। जल्द ही हमलावरों की गिरफ्तारी की जाएगी।

लिवइन रिलेशन में रहने वाले युगल का होटल से अपहरण

- युवक को पेड़ से बांधकर पीटा, बेहोशी की हालत में पावटा ठेलों के पीछे फेंका
- मारपीट में युवक के पैर भी फ्रैक्चर हो गए, अस्पताल में भर्ती कराया

जोधपुर, (कासं)। शहर में मंडोर स्थित मगराज का टाका क्षेत्र में रहने वाले एक युवक व युवती का पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन स्थित होटल से अपहरण कर लिया गया। उसके बाद युवक से बुरी तरह मारपीट करने के साथ पेड़ से बांध कर पिटाई की गई। आरोपियों ने युगल को दो कारों में डाला और रास्ते भर युवक को पीटा गया। बाद में शहर के पावटा क्षेत्र में ठेलों की पीछे लाकर पटक दिया। होश आने पर उसे मथुरादास माथुर अस्पताल ले जाया गया। पीड़ित ने पर्चा बयान देकर बनाड़ थाने में रिपोर्ट दी है। जांच मारवाड़ जंक्शन पुलिस की तरफ से की जा रही है। मारपीट में उसके पैर भी फ्रैक्चर हो गए।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि मगराज का टांका मंडोर निवासी एक युवक ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह एक युवती को 17 जुलाई को अपने साथ लेकर गया था, जिस पर युवती की मां की तरफ से बनाड़ थाने में गुमशुदगी भी दर्ज कराई गई। इनके द्वारा एक इकरारनामा बाबत लिव इन रिलेशनशिप निष्पादित करवाकर नोटेरी पब्लिक करवाया था। बाद में बनाड़ थाने में युगल ने अपने बयान दर्ज करवा दिए थे। युवती ने अपनी मर्जी से जाना बताया था। इसके बाद दोनों लूणी चले गए। कुछ दिन लूणी में रूकने के बाद यह लोग मारवाड़ जंक्शन स्थित होटल में रहने लगे। 21 जुलाई की रात तीन बजे युवती का मामा पप्पू, करीम, साहिल, जाकिर, आकाश, अशोक, यशपाल आदि दो कारें लेकर वहां पहुंचे। होटल से इन दोनों का अपहरण कर लिया। पर्चा बयान में बताया कि आरोपियों ने बीच रास्ते उसके पास रखे साढ़े चार हजार रूपए, मोबाइल छीन लिया और मारपीट करते रहे। बाद में युवती को दूसरी कार में डाल दिया गया। बाद में सुबह दस बजे आरोपी पप्पू के घर झोपड़ी रोड़ लेकर आए और एक कमरें में बंद कर दिया, जहां पर दिलीप, राजू, पप्पू, ओमा, अनिल आदि शख्स ने उसके साथ मारपीट की। फिर कोकुण्डा लेकर पहुंचे, जहां एक खेजड़ी पेड़ से बांधकर उसे पीटा गया। फिर वहां से रात को पावटा सब्जी मंडी में ठेलों के पीछे अधमरा कर भाग गए। वह बेहोश था। होश आने पर राह चलते लोगों से फोन लेकर अपनी मां को फोन किया। तब मां वहां पहुंची और उसे एमडीएम अस्पताल में भर्ती करवाया। बनाड़ पुलिस ने पीड़ित युवक के पर्चा बयान पर रिपोर्ट दर्ज की है। मामले की जांच मारवाड़ जंक्शन पुलिस की तरफ से की जा रही है।

करंट से कांवड़ियों की मौत का मामला, मुआवजे को लेकर भूख हड़ताल जारी

- मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख रुपये मुआवजा, एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी और झुलसे अन्य लोगों को उचित आर्थिक सहायता की मांग

अलवर, (निसं)। अलवर के लक्ष्मणगढ़ उपखंड क्षेत्र के बिचगांवा गांव में दो कांवड़ियों की करंट लगने से हुई दर्दनाक मौत के मामले ने परिजन अभी भी भूख हड़ताल पर बैठे हैं। हादसे के बाद प्रशासन की ओर से मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की गई थी, लेकिन मृतकों के परिवारजन और ग्रामीण इससे असंतुष्ट हैं। इसी के चलते दूसरे दिन भी गांव के लोग बिचगांवा बस स्टैंड पर भूख हड़ताल पर बैठे रहे।

भूख हड़ताल पर बैठे लोगों की मांग है कि मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख रुपये मुआवजा, एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी और करंट लगने से झुलसे अन्य लोगों को उचित आर्थिक सहायता दी जाए। परिजनों का कहना है कि सरकार द्वारा घोषित राशि नाकाफी है और हादसे की गंभीरता को देखते हुए न्यायोचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। भाजपा नेता श्याम सुंदर मीना भी पीड़ित परिवारों की मांगों का समर्थन करते हुए भूख हड़ताल में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह हादसा लापरवाही का परिणाम है और प्रशासन को जवाबदेह बनाते हुए पीड़ितों को पूरी सहायता दी जानी चाहिए। गौरतलब है कि यह हादसा उस समय हुआ था, जब कांवड़ यात्रा पर निकले युवकों की गाड़ी बिजली के हाईटेंशन लाइन को छू गई थी, जिससे करंट फैल गया और दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 32 अन्य लोग झुलस गए थे।

दवा खरीद के लिए जारी 9.50 करोड़ का टेंडर निरस्त

- 19 प्रकार की दवाओं की खरीद के लिए टेंडर में खामियां उजागर हुई

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम हॉस्पिटल में कैंसर सहित विभिन्न 19 प्रकार की दवाओं की खरीद के लिए 9.50 करोड़ रुपए के टेंडर में खामियां उजागर होने के बाद पीबीएम अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार ने टेंडर निरस्त कर दिए हैं।

पीबीएम हॉस्पिटल की राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी के तहत पिछले दिनों 19 तरह की दवाएं खरीदने के लिए 9.50 करोड़ के रेट कांट्रेक्ट करने के लिए टेंडर पिछले दिनों किए गए थे। टेंडर में कैंसर की दस महंगी दवाएं भी शामिल थी, जिनमें से पांच नई दवाएं थी, जो कभी यूज ही नहीं ली गई। टेंडर कमेटी ने कैंसर विशेषज्ञों की राय लिए बिना ही इन दवाओं को टेंडर में शामिल कर लिया। पीबीएम हॉस्पिटल में दवाएं खरीदने के लिए 9.50 करोड़ के टेंडर की जांच में बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। टेंडर कमेटी में शामिल सदस्यों ने कैंसर विभाग से राय लिए बिना ही कैंसर की दवाओं को शामिल कर लिया, जबकि उन्हें उन दवाओं की उपयोगिता को लेकर कोई अनुभव नहीं था। जानकार सूत्रों का कहना है कि टेंडर में कैंसर की ऐसी दवाओं को शामिल कर लिया गया, जो हाल ही में रिसर्च के बाद बाजार में आई हैं। राजस्थान के अस्पतालों में कैंसर के मरीजों को वह दवाएं अभी नहीं दी जा रही हैं। हैरानी की बात ये है कि उन दवाओं को लेकर किसी तरह की डिमांड ही नहीं थी।

कैंसर विशेषज्ञों से भी उन दवाओं के संबंध में पूछने की जरूरत नहीं समझी गई। इतना ही नहीं ड्रग वेयर हाउस से केवल एक ही मेडिसिन की एनएसी जारी हुई थी। वह भी एक महीने पहले। इसके अलावा शेष 18 तरह की दवाओं की एनएसी लिए बिना ही टेंडर कर दिए गए, जबकि पांच तरह की दवा सरकार से निशुल्क सप्लाई होती है। दरअसल दवाओं की सप्लाई के लिए 50 करोड़ की आरसी के चलते नया टेंडर करने से कमेटी की भूमिका पर सवाल खड़े हो गए हैं। कमेटी में अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार के अलावा सीनियर लेखाधिकारी अभिषेक गोयल, डॉ. मनोज माली और डॉ. सुभाष गौड़ शामिल हैं। बिड डॉक्यूमेंट पर इन सभी के साइन हैं। अब कहा जा रहा है कि डॉक्टरों ने बिड डॉक्यूमेंट ठीक से पढ़ा ही नहीं था, कार्मिकों के भरोसे साइन कर दिए।

नया शिक्षा सत्र शुरू, सरकारी स्कूलों में पाठ्य पुस्तकों का वितरण नहीं

- पहली से छठी क्लास के विद्यार्थी पिछले 24 दिन से बिना किताबों के ही पढ़ाई कर रहे हैं

बीकानेर, (निसं)। राज्य के स्कूलों में नया शिक्षा सत्र शुरू हो गया है। सरकारी स्कूलों में पढ़ने, दाखिला लेने वाले पहली से छठी क्लास के विद्यार्थी पिछले 24 दिन से बिना किताबों के ही पढ़ाई कर रहे हैं। सरकारी स्कूलों में अभी तक पहली से छठीं कक्षा की पाठ्य पुस्तकों का वितरण नहीं हुआ है। इस कारण शिक्षक विद्यार्थियों को ऑनलाइन कंटेंट के द्वारा ही पढ़ा रहे हैं। उधर, अगले महीने 18 अगस्त से फर्स्ट टेस्ट शुरू हो जाएंगे।

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार ने इस साल पहले चरण में पहली से पांचवीं कक्षा के सिलेबस में नई शिक्षा नीति के तहत बदलाव किया है। छठी कक्षा की भी कुछ किताबें भी बदली गई है। ऐसे में विद्यार्थियों को पुरानी किताबों से भी नहीं पढ़ाया जा रहा है। हालांकि पाठ्य पुस्तक मंडल की ओर से निशुल्क किताबों का वितरण शुरू कर दिया गया है, लेकिन जिले के अधिकांश स्कूलों में फिलहाल सातवीं से 12वीं की पुस्तक ही पहुंची हैं। पहली से छठीं कक्षा की पुस्तक नहीं पहुंचने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। हालांकि शिक्षा निदेशक ने प्रवेशोत्सव के साथ ही छात्र-छात्राओं को पुस्तकों का वितरण शुरू करने के निर्देश दिए थे, लेकिन प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को फिलहाल किताबों का इंतजार है।

पानी की समस्या को लेकर प्रदर्शन

ब्यावर, (निसं)। शहर के वार्ड नंबर दो स्थित मोहन नगर, दया नगर की महिलाओं ने कनिष्ठ अभियंता जलदाय विभाग कार्यालय पर प्रदर्शन कर गहरा रोष व्यक्त किया। महिलाओं ने बताया कि बीसलपुर बांध में पर्याप्त पानी होने तथा गत वर्ष और इस वर्ष अच्छी वर्षा होने के बावजूद मोहन नगर, दया नगर के वासींदों को पानी की सप्लाई पूरी नहीं दी जा रही है, जिससे आए दिन लोगों को टैंकर से पानी मंगवाकर पानी पीने को मजबूर और होना पड़ रहा है।

महिलाओं ने बताया कि टैंकर का पानी भारी तथा फ्लोराइड युक्त आता है जिससे स्वास्थ्य एवं आर्थिक हानि दोनों वहन करनी पड़ रही है। जलदाय विभाग में कई बार शिकायत करने पर जांच के नाम पर जिस दिन कर्मचारी जांच करने आते हैं वाल पूरा खोल दिया जाता है और फिर लगातार वाल कम खोलने की वजह से वही स्थिति बनी रहती है, जिससे क्षेत्र वासियों में भारी रोष व्याप्त है। शुक्रवार को क्षेत्र की महिलाओं का आक्रोश फूट पड़ा और कार्यालय में कर्मचारियों को खरी-खोटी सुनाई। उल्लेखनीय है कि मोहन नगर के निवासी पिछले दो वर्ष से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं और अधिकारियों को बार-बार शिकायत करने के बाद भी कोई समाधान नहीं किया जा रहा है।

खेजड़ी की रक्षा कर रहे लोगों पर फायरिंग का विरोध

बीकानेर, (निसं)। भानीपुरा में खेजड़ी की रक्षा कर रहे लोगों पर देर रात फायरिंग के विरोध में ग्रामीणों ने पूगल थाने पर प्रदर्शन कर एसएचओ को परिवाद दिया है, लेकिन देर रात तक इस संबंध में कोई मुकदमा दर्ज नहीं हो पाया। उधर पटवारी ने पेड़ों की कटाई को लेकर फर्द रिपोर्ट तहसीलदार को सौंप दी है।

जानकारी के अनुसार भानीपुरा के ग्रामीण शाम को पूगल थाने पहुंचे। गेट पर प्रदर्शन कर फायरिंग करने वाले बदमाशों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने तथा खेजड़ी की कटाई बंद करने की मांग की। एसएचओ पवन सिंह को परिवाद देकर ग्रामीणों ने जान माल की रक्षा करने की गुहार लगाई है। परिवाद के अनुसार 22 जुलाई की रात एक और दो बजे के बीच अल्फ सोलर प्लांट में अवैध रूप से खेजड़ी कटाई की सूचना मिली थी। ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो वन माफिया ने उनके पीछे गाड़ियां दौड़ाई। जान से मारने की नीयत से ग्रामीणों की दो गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया तथा पिस्तौल से फायर किए। परिवाद में कहा है कि कंपनी ने अवैध रूप से खेजड़ी की कटाई करने के लिए आपराधिक प्रवृति के लोगों को बुला रखा है, जिससे गांव में दहशत का माहौल है। बदमाश लोग नशे की हालत में खेजड़ी काटने आते हैं। खेतों में जो भी दिखाई देता है उसे गाड़ी से कुचलने की कोशिश करते हैं। परिवाद देने वालों में सरपंच प्रतिनिधि ईसरराम, दुर्गसिंह, मदन सिंह, श्रवण सिंह, मनोहर सिंह, विशाल सिंह, मूल सिंह, भंवर सिंह, छैलूसिंह सहित काफी संख्या में ग्रामीण शामिल थे। इस घटना को लेकर देर रात तक पूगल थाने में कोई मुकदमा दर्ज नहीं हो पाया था।

भानीपुरा पटवारी मूलदान चारण ने मौके की फर्द रिपोर्ट तैयार कर राजस्व तहसीलदार को सौंपी है। इस रिपोर्ट में लिखा है कि अल्फ सोलर अमरसर प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट में अवैध रूप से खेजड़ी के 191 पेड़ काटे गए हैं। यह जमीन अलग-अलग खातेदार जगुकंवर, किशन संह, मोहन सिंह, शिशुपाल सिंह, मूलसिंह, कालूसिंह, नरपतसिंह, मोहन सिंह, रामप्रताप नायक, जगमाल सिंह, पूनम सिंह, महेंद्र सिंह, राजूसिंह, शिवसिंह, कुशालसिंह, शिशपालसिंह, जयपालसिंह, गजूसिंह, रूप कंवर, संतोष कंवर से सोलर कंपनी ने लीज पर ली हुई है। पटवारी ने बताया कि कंपनी के प्रतिनिधि को खेजड़ी नहीं काटने के लिए दूरभाष पर पाबंद किया है।

अवैध बजरी खनन में लिप्त वाहन जब्त

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र की कोठारी नदी में अवैध बजरी खनन पर जिला स्पेशल टीम की बड़ी कार्रवाई की। आधा दर्जन ट्रैक्टर-ट्रॉली व दो जेसीबी जब्त की। इससे खनन माफिया में हड़कंप मच गया।। जिले में अवैध बजरी खनन पर शिकंजा कसते हुए जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर जिला स्पेशल टीम ने मांडल थाना क्षेत्र के अंतर्गत बहने वाली कोठारी नदी में शुक्रवार सुबह बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान अवैध बजरी खनन में लिप्त आधा दर्जन से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉली और दो जेसीबी मशीनों को मौके से जब्त किया गया, जबकि कई खनन माफिया और उनके वाहन मौका पाकर फरार हो गए।

पुलिस ने फायरिंग कर तस्कर की कार को रोका, 141 किलो डोडा-चूरा बरामद

कोटा, (निसं)। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थो की तस्करी पर रोक लगाने एवं तस्करों की धरपकड़ के लिये केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 141 किलो डोडा-चूरा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीम को देखकर कार में सवार आरोपी ने सरकारी वाहन को टक्कर मारने का प्रयास किया, टीम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दो राउंड फायरिंग कर कार का टायर क्षतिग्रस्त कर दिया। टीम ने आरोपी का पीछा कर आरोपी को अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा सहित गिरफ्तार कर लिया।

यह कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के मार्गदर्शन में की गई। उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अपनी उदयपुर नंबर की क्रेटा कार से प्रतापगढ़ क्षेत्र से मारवाड़ क्षेत्र की ओर भारी मात्रा में अवैध डोडा-चूरा लेकर जा रहा है। सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन), चित्तौड़गढ़ सेल और चित्तौड़गढ़ डिवीजन प्रथम के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम गठित की गई और टीम को रवाना किया गया। गठित टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी और वाहन की पहचान करने के बाद, संदिग्ध कार को रुकने का इशारा किया गया।

सीबीएन टीम ने कार से अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा जब्त किया।

- टीम ने आरोपी का पीछा कर आरोपी को डोडा-चूरा सहित गिरफ्तार कर लिया
- टीम को देखकर कार में सवार आरोपी ने सरकारी वाहन को टक्कर मारने का प्रयास किया था

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि कार चालक ने रुकने के बजाय सरकारी वाहन को टक्कर मारने का प्रयास करते हुए वाहन की गति तेज कर दी। टीम ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए निवारक दल द्वारा टार राईफल से दो राउंड फायर किए गए, जिससे कार का एक टायर क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद सीबीएन अधिकारियों ने कार का लगभग एक किलोमीटर तक पीछा किया और मंडलाचारण-बाड़ी रोड़, माइंस रोड चौराहा के पास, निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़ पर उसे रोक लिया। चालक ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन निवारक दल ने उसे पास के खेत में पकड़ लिया और उसके वाहन की तलाशी ली। टीम ने तलाशी के दौरान कार से 141.290 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया और एनडीपीएस एक्ट में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

भारत को मजबूत करने के लिए अनुशासन, आत्म बल और ज्ञान की जरूरत : उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री

■ भारतीय शिक्षण मंडल जयपुर-प्रांत द्वारा 'व्यास पूजा उत्सव-2025' कार्यक्रम का आयोजन

कोटपूतली । उद्योग एवं वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार, युवा मामले और खेल, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता तथा सैनिक कल्याण विभाग मंत्री राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने कहा कि हर व्यक्ति को जीवन में आगे बढ़ने के लिए गुरु की तलाश होती है, गुरू ही है जो हमारे जीवन का मार्ग प्रशस्त कर हमारा उत्थान करता है। भारत को मजबूत करने के लिए अनुशासन, आत्म बल और ज्ञान की जरूरत है जो कि गुरु शिष्य परंपरा से आएगा। राठौड़ भारतीय शिक्षण मंडल जयपुर-प्रांत द्वारा कोटपूतली के एक निजी होटल सभागार में आयोजित 'व्यास पूजा उत्सव-2025' कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। आयोजन में गुरु-शिष्य परंपरा और भारतीय शिक्षा पद्धति की गरिमा को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। राठौड़ ने कहा कि गुरु और शिष्य के बीच की आत्मिक कड़ी ही हमारी शिक्षा व्यवस्था की असली नींव है। उन्होंने पारंपरिक भारतीय शिक्षा मूल्यों की ओर लौटने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा जीवन में हमारे आगे बढ़ने के लिए हर व्यक्ति को गुरु की आवश्यकता है और मां को सबसे बड़ी गुरू बताते हुए गुरु शिष्य के रिश्ते के बारे में विद्यार्थियों से चर्चा की।

राठौड ने कहा कि देश में खुशहाली लाने के लिए सरकार के टूरिज्म, हेल्थ, एजुकेशन, लॉजिस्टिक, टेक्सटाइल, जेम्स एंड ज्वेलरी के तहत योजनाएं बना रही है ताकि राजस्थान के व्यापारियों को आगे बढ़ने का मंच मिले। उन्होंने कहा कि दूसरे देश में रहने वाले राजस्थान के लोग में राजस्थान आए व एक आर्थिक माहौल को मजबूत करें इस हेतु हमने कई नीतियां बनाई है। इस दिशा में हमने बिजनेस करना आसान व सस्ता किया है। साथ ही अन्य कई निर्णय बी लिए हैं, वहीं राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत राजस्थान में लए निवेश आए हैं, राइजिंग राजस्थान के तहत 35 लाख करोड़ के एमओयू हुए और अभी तक तकरीबन 3 से 3.50 लाख करोड़ के एमओयू धरातल पर उतार दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग अलग-अलग विभागों के साथ मिलकर एक आईटी ढांचा तैयार कर रहा है ताकि सिंगल विंडो क्लीयरेंस को कारगर बना सके। राठौड़ ने बताया कि विभाग द्वारा एक मोबाइल एप भी बनाया गया है जहां निवेशक अपने निवेश को ट्रैक कर सकते हैं और पहली बार पॉलिसी के तहत डायरेक्ट लैंड एलॉटमेंट किया गया है जहां निवेशकों को नीलामी में नहीं जाना पड़ा। उन्होंने रिप्स-2024 के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि योजना के अंतर्गत तकरीबन हजार करोड़ सब्सिडी में दिए हैं इससे रोजगार भी उत्पन्न होगा और सुविधाओं में विस्तार भी मिलेगा। उन्होंने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि ओडीओपी के तहत क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं जिससे की बुनियादी सुविधाएं मिलें। स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मंच दिलाना ही सरकार का उद्देश्य है। उन्होंने कारगिल युद्ध के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि राजस्थान के अनेक शहीदों ने देश की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया है, हम सभी यदि हमारी सोच को मजबूत करें और देश के लिए योगदान दें तो हम भी देश की रक्षा में हिस्सेदारी निभा सकते हैं।

मुख्य वक्ता बी.आर. शंकरानंद, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मंडल ने कहा कि गुरु-शिष्य संबंध भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. श्रीकांत, क्षेत्रीय बौद्धिक प्रमुख, प्रोफेसर कल्पना कटेजा, कुलगुरु, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर जीपी सिंह, क्षेत्रीय संयोजक, उत्तर पश्चिम राजस्थान क्षेत्र ने की।

कोटपूतली में कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ 'व्यास पूजा उत्सव' कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

गांव का फिजूल खर्च रोकने का फैसला

अलवर। बहरोड़ के नासरपुर गांव में शुक्रवार को भगवान शिव मंदिर के 10वें स्थापना दिवस पर ग्रामीणों ने समाज सुधार के लिहाज से बड़े फैसले लिए हैं। मुख्य रूप से तय हुआ कि एक-दूसरे की होड़ में छोटे-छोटे आयोजनों पर बहाए जाने वाले खर्च को कम करना है।

जैसे खुशी के मौके पर आने वाले किन्नरों को अधिकतम 1100 रुपए दिए जाएं। इसके अलावा कुआं पूजन और भात न्योतने जैसे छोटे कार्यक्रमों में बड़े गिफ्ट लेन-देन पर लगाम लगे ताकि गरीब परिवार अधिक खर्च से बच सकें।

गांव के निवासी ने बताया- शिव मंदिर में स्थापन दिवस पर भंडारे और भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरे गांव के लोग एकत्रित हुए। गांव की महिलाएं भी भजन-कीर्तन में शामिल हुई थी।

इन सबके बीच में गांव के लोगों ने तय किया कि मौजूदा समय एक-दूसरे को देखकर गरीब परिवार भी छोटे से छोटे कार्यक्रम में अपने बूत से बाहर पैसा खर्च करने लगा है। चाहे उसके लिए कर्ज लेना पड़े। इस कारण काफी परिवारों पर कर्ज बढ़ा है। इस बनावटी और दिखावटी खर्च से बचने के लिए गांव ने तय किया कि शादी व जन्मोत्सव पर आने बधाई देने आने वाले किन्नरों को 1100 रुपए भेंट दी जाएगी। इसके अलावा अन्य छोटे मोटे आयोजन में अधिक खर्च न हो। इसके लिए आमजन से समझाइश की गई है।

सबने एक राय होकर स्वीकार किया है। जैसे भात न्योतने आने वाली बहन बेटी वाले आयोजन में बहुत ज्यादा खर्च किया जाना लगा है। यह परंपरा सही नहीं है।

एक-दूसरे को देखकर अधिक से अधिक पैसा खर्च किया जाने लगा है। जो सही नहीं है। बहन-बेटी भी छोटे-मोटे कार्यक्रम में अधिक महंगे गिफ्ट लेकर आने लगी है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। भगवान शिव के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ती रही, जिसमें महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

एमबी हॉस्पिटल को मिले 40 सिनियर नर्सिंग ऑफिसर

उदयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं राजस्थान जयपुर के निदेशक अराजपत्रित राकेश शर्मा ने सीनियर नर्सिंग ऑफिसर की पदस्थापना सूची गुरुवार रात को जारी की। राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन उदयपुर संभागीय अध्यक्ष नरेश पूर्बिया ने बताया कि गुरुवार देर रात जारी हुई पदस्थापना सूची में 1424 नर्सिंग ऑफिसर को सीनियर नर्सिंग ऑफिसर पर पदोन्नति कर पदस्थापन किया गया। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी पिछले लंबे समय से पदस्थापना सूची जारी करवाने पर प्रयासरत थे। राजस्थान में 1424 सीनियर नर्सिंग ऑफिसर मिलने से अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार होगा और बीमारी को भी सहायता मिलेगी। पदस्थापना सूची में एमबी हॉस्पिटल उदयपुर को 40, सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल को 5 व पन्नाधाय महिला चिकित्सालय में 11 सीनियर नर्सिंग ऑफिसर का पदस्थापन हुआ है। सभी को यथा स्थान पदस्थापन होने से खुशी का माहौल है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत आमेटा सहित संगठन के सभी पदाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की।

सूने मकान में नकबजनी करने का आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतली। स्थानीय थाना पुलिस ने एक सूने मकान में नकबजनी की वारदात के मामले में दबिश देकर फरार चल रहे मुख्य अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हांसिल की हैं। उल्लेखनीय है कि थाना पुलिस ने पूर्व में वारदात का पर्दाफास करते हुये कुल 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चोरी किया गया 05 लाख रूपयों की किमत का घरेलू सामान बरामद किया था। एसएचओ राजेश शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि विगत 08 जुलाई को वार्ड नं. 20 मौहल्ला बाछडी निवासी कैलाश गुप्ता ने दर्ज करवाया था कि वह व्यापार के सिलसिले में परिवार सहित बाहर गया हुआ था। जहां सूचना मिली कि मेरे घर में चोरी हो गई हैं। चोरों ने घर के ताले व शटर काटकर वहां रखे 04 सिलेंडर, एलईडी टीवी, इर्न्वटर व बैट्री, मोटर मय र्स्टाटर, 50 हजार रूपयों की नकदी, एसी, 1.5 किलोग्राम के चांदी के जग सैट, 04 सोने की चुडी (06 तोला), 04 जोडी पायजेब, 04 जोडी चुटकी, आर ओ गिजर, 01 लाख रूपये किमत की 50 साड़िया, 1.5 लाख रूपये की किमत के 02 शादी के लहंगे, कासी व पितल के बर्तन, शादी के कपड़े आदि पार कर ले गये। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से गैंग की पहचान करते हुये दबिस देकर 05 अभियुक्तों क्रमशः कस्बे के रामभवन के सामने रहने वाले सुरेश उर्फ बच्चा (30) नागाजी की गौर निवासी राहुल उर्फ पन्या (24) पुत्र वेदप्रकाष खटीक, शाहपुरा के गंगा मार्केट हाल ग्राम पूतली निवासी राहुल (23) पुत्र कैलाष नायक, प्रागपुरा के मौहल्ला खटीकों का निवासी विक्की (26)व ग्राम बामनवास की ढ्राणी सरदारपुरा निवासी विक्रम (30) को गिरफ्तार करते हुये उक्त अभियुक्तों से पुलिस ने चोरी किये गये सामान में से करीब 05 लाख रूपये किमत का घरेलू सामान भी बरामद कर लिया था।

कोटपुतली पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों के जर्जर भवनों का सघन सर्वे होगा : डॉ. आर्तिका शुक्ला

■ जिले में विद्युत विभाग 7 दिवस में विद्युत लाइन, विद्युत पोल इत्यादि को मापदण्डों के अनुरूप दुरूस्त कर क्षेत्रवार जारी करेंगे सर्टिफिकेट

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने संबंधित अधिकारियों को जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में समस्त विद्यालयों, कॉलेजों व आंगनबाड़ी केंद्रों एवं जर्जर मकानों का सघन सर्वे कर क्षितठास्त व जीर्ण-शीर्ण भवनो को चिन्हित करने व उनको तत्काल वैकल्पिक स्थानों पर शिफ्ट कराने के निर्देश दिये हैं तथा विद्युत विभाग के अधिकारियों को 7 दिन में जिले में ढीली विद्युत लाइन, नीचे ट्रांसफार्मर, टेडे विद्युत पोल इत्यादि को दुरुस्त करवा कर निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप व्यवस्था सुचारू होने का सर्टिफिकेट जारी करने के लिए निर्देशित किया है।

जिला कलक्टर के द्वारा विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के निवासियों की सुरक्षा के दृष्टिगत मानसून से पूर्व जारी विस्तृत आदेशों के क्रम में जिला कलक्टर ने जिले में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में जर्जर भवनों का तत्काल पुनः सर्वे प्रारम्भ कर जीर्ण-शीर्ण पाए गए भवनों को वैकल्पिक व्यवस्था करने हेतु जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी व उपखंड अधिकारियों, नगर निगम आयुक्त, विकास अधिकारियों एवं नगर पालिका के अधिशासी अधिकारियों एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, उप निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में समस्त विद्यालयों, कॉलेजों व आंगनबाड़ी केंद्रों का तत्काल सघन सर्वे प्रारम्भ कर क्षितग्रस्त व जीर्ण-शीर्ण भवनो को चिन्हित करने के निर्देश दिए तथा इनका उपयोग बच्चों को बैठाने व अन्य किसी भी गतिविधि में ना हो यह सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। जीर्ण-शीर्ण पाए गए विद्यालयों एवं आंगनबाडी भवनों से बच्चों को वैकल्पिक व सुरक्षित भवन चिन्हित कर उनमें शिफ्ट करावे।

इसी प्रकार शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में जीर्ण-शीर्ण भवनों से भी परिवारों को शिफ्ट करावे। उन्होंने सीईओ जिला परिषद को निर्देश दिये हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों में आवागमन के रास्तों को दुरूस्त करावे। उनमें जल भराव नहीं हो। उन्होंने मानसून पूर्व विद्युत विभाग को जारी विस्तृत दिशा-निर्देशों के क्रम में विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया है कि जिले में 7 दिन के अंदर व्यापक सर्वे के माध्यम से विद्युत लाइन, ट्रांसफार्मर, विद्युत पोल इत्यादि को निर्धारित मापदंडों के अनुसार दुरस्त करवाकर प्रत्येक क्षेत्र के लिए दुरुस्तीकरण पूर्ण करने सर्टिफिकेट संबंधित सहायक अभियन्ता व कनिष्ठ अभियन्ता से लेकर प्रस्तुत करें। सर्वे व दुरूस्तीकरण कार्यों में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जावेगी।

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

उदयपुर । राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड उदयपुर के सहयोग से राहडा फाउंडेशन की ओर से एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें समाज के जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को विभाग की चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड विभिन्न आर्थिक सहायता योजनाएं प्रदान करता है, जिनका उद्देश्य अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सफाई कर्मचारी, अन्य पिछडा वर्ग और दिव्यांगजनों को स्वरोजगार और व्यवसाय शुरू करने में मदद करना है। ये योजनाएं मुख्य रूप से ऋण प्रदान करने पर केंद्रित हैं, जो विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों के लिए उपलब्ध हैं। कार्यक्रम में विभाग की ओर से सहायक प्रशासनिक अधिकारी मोहित माखिजा व बापू लाल मीणा सूचना सहायक तथा संतोष सेन उपस्थित रहे।

नियोक्ता व कर्मचारियों को योजना के लाभ के लिए जागरूक किया

अलवर। कर्मचारी राज्य बीमा निगम के उप क्षेत्रीय कार्यालय अलवर के संयुक्त निदेशक मुकेश चन्द्र मीणा की अध्यक्षता में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के ऑडिटोरियम में आज श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा शुरू की गई स्प्री योजना के संबंध में औद्योगिक संगठनों एवं नियोक्ताओं को जागरूक करने हेतु सेमिनार का आयोजन किया गया।

उप क्षेत्रीय कार्यालय के सयुक्त निदेशक मुकेश चन्द्र मीणा ने योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को दी जा रही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा श्रम मंत्रालय के तत्वावधान में शुरू की गई यह योजना ईएसआई अधिनियम के तहत सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करने की एक विशेष पहल है। यह योजना 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2025 तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि में अपंजीकृत नियोक्ताओं एवं कर्मचारियों जिनमें संविदा एवं अस्थायी कर्मचारी भी शामिल हैं को बिना किसी निरीक्षण या पिछली देनदारी की मांग के ईएसआईसी में पंजीकरण का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि नियोक्ता अपनी इकाइयों और कर्मचारियों का पंजीकरण ईएसआईसी पोर्टल, श्रम सुविधा पोर्टल, एवं एमसीए पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रूप से कर सकते हैं। पंजीकरण की वैधता नियोक्ता द्वारा घोषित तिथि से मानी जाएगी और पंजीकरण से पूर्व की अवधि के लिए कोई अंशदान या निरीक्षण लागू नहीं होगा।

उन्होंने बताया कि यह योजना न केवल स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देती है, बल्कि पूर्वव्यापी दंड के भय को भी समाप्त करती है। इससे पहले, निर्दिष्ट समय-सीमा में पंजीकरण न करने पर कानूनी कार्रवाई, बकाया भुगतान, ब्याज और पेनल्टी का सामना करना पड़ता था। स्प्री योजना 2025 इन बाधाओं को समाप्त कर छूटे हुए प्रतिष्ठानों और श्रमिकों को ईएसआईसी के दायरे में लाने का कार्य करेगी, जिससे विशेषकर संविदा क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को आवश्यक स्वास्थ्य एवं सामाजिक लाभ सुनिश्चित किया जा सकेगा।

एसीएस आनंद कुमार को अरण्यं पुस्तक भेंट

उदयपुर। भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं ग्रीन पीपल सोसाइटी के अध्यक्ष राहुल भटनागर ने हाल ही में प्रकाशित अपनी पर्यावरण विषयक पुस्तक अरण्यं अतिरिक्त मुख्य सचिव (वन एवं पर्यावरण) आनंद कुमार, आईएएस को भेंट की। इस मौके पर भटनागर ने एसीएस कुमार को बर्ड फेस्टिवल व पैडल-टू-जंगल सहित परिंदों और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित होने वाली ग्रीन पीपल सोसाइटी की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में राज्य के वरिष्ठ वन अधिकारियों की सम्मानजनक उपस्थिति रही, जिन्होंने अरण्यं की विषयवस्तु की सराहना करते हुए इसे प्रकृति संरक्षण और सामाजिक चेतना के संगम का प्रभावी माध्यम बताया। भटनागर ने पुस्तक की विषयवस्तु के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वन विभाग में उनके कार्यकाल के अनुभवों पर आधारित अरण्यं पुस्तक पारिस्थितिक संतुलन और सांस्कृतिक महत्व पर केंद्रित है।

पूर्व विधायक गुर्जर का जन्मदिन मनाया

पावटा। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी महासचिव और पूर्व विधायक इन्द्रराज गुर्जर के जन्मदिन पर शुक्रवार को कांठोस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न सेवा कार्यो का आयोजन किया गया। इस मौके पर कांठोस ब्लॉक संगठन महामंत्री अजय सैनी के नेतृत्व में कस्बे के गोपीनाथ मंदिर स्थित श्रीकृष्ण गौशाला में उपस्थित गौवंशों को हरा चारा, गुड़ और दलिया खिलाकर सेवा कार्य किये गये।

इन्द्रराज गुर्जर के 42वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में 51 पौधे लगाये गये। पौधारोपण का यह कार्यक्रम राजकीय विद्यालय, गौशाला और सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित किया गया। इसके अलावा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रागपुरा और आंगनबाडी केंद्र में बच्चों को फलों का वितरण किया गया। वही विराटनगर के पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर के 42 वें जन्मदिन पर आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत पावटा मे युवा नेता ओपी बायला के नेतृत्व मे पौधारोपण करके पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर की लम्बी उम्र की कामना की। इस दौरान ब्लॉक कांठोस उपाध्यक्ष शिम्भू दयाल हाडिया, ज्ञानचंद टेलर, रिजवान कुरेशी, सीताराम सिंघल, विक्रम यादव, सामाजिक कार्यकर्ता राजेश हाडिया, गणेश सैनी, सुनिल गुप्ता, मनोज सोनी, श्रीराम चौधरी, अमित चौहान, दौलत सैनी, लोकेश यादव, सोनू बंसल, जितेन्द्र यादव, महावीर चावला, इरफान कुरेशी, शहिद लुहार, धर्मपाल, चोबाला सरपंच प्रतिनिधि राजू धनकड, कांठोस नेता जुगल यादव, समाजसेवी बबलू प्रजापति, करतार सिंह शेखावत, कैलाश यादव, रवि स्वामी समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। अजय सैनी व ओपी बायला ने कहा कि इन्द्रराज गुर्जर के जन्मदिन पर सेवा कार्य करना उनके प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त करने का एक तरीका है।

श्री श्याम परिवार की सभी इकाईयों ने मिल कर लगाए 551 पौधे

गंगापुर सिटी। श्री श्याम परिवार सेवा समिति, श्री श्याम गौ सेवा समिति एवं श्री श्याम महिला मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में श्री श्याम गौशाला पर वृक्षारोपण, अमावस्या संकीर्तन एवं लहरिया महोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉक्टर योगेश शर्मा, अध्यक्षता भामाशाह रमेश पटवारी, विशिष्ट अतिथि भुवनेश सिंघल रामगंज मंडी एवं भानु प्रकाश गुप्ता एडवोकेट ने सर्वप्रथम बाबा श्याम के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सुरेश जी खूंटला द्वारा गणेश वंदना एवं हनुमान वंदना के साथ स्तुति की गई। समिति अध्यक्ष नंदकिशोर धोलेटा के द्वारा मैं हूं तेरा नौकर तेरी हाजिरी रोज लगाता हूं प्रस्तुति देकर सभी को भाव विभोर कर दिया। मंचासीन अतिथियों का समिति पदाधिकारी द्वारा तिलक लगाकर एवं दुपट्टा पहन कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं सदस्यों के द्वारा गौशाला के चारों ओर वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। जिसमें अशोक, कदम, आम, कल्पवृक्ष, अमरूद, नीम, बढ, नींबू, गुलमोहर, जामुन, शमी पत्र सहित कई तरह के 551 पौधे आरोपित किए गए। जिसमें 61 पौधों पर ट्री गार्ड लगाए गए। महिला मंडल द्वारा आयोजित लहरिया महोत्सव में महिलाओं एवं बच्चों ने गौशाला में लगे झूलों पर झूलकर सावन की मल्हार का आनंद लिया। कार्यक्रम में महिलाओं ने सावन के गीतों पर नाचकर खूब आनंद लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ योगेशजी शर्मा द्वारा सभी श्याम प्रेमियों के लिए गौ सेवा का संदेश दिया गया और बताया कि कुछ दिनों पहले गंगापुर क्षेत्र की सभी गौशालाओं का औचक निरीक्षण प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा किया गया था जिसमें केवल श्री श्याम गौशाला ही एकमात्र ऐसी गौशाला थी जिसका सभी अधिकारियों ने एक स्वर में समर्थन किया एवं कहा कि यह गौशाला अपने सभी मानकों पर खरा उतरती है।

गंगापुरसिटी में श्रीश्याम परिवार की सभी इकाईयो ने 551 पौधे लगाए।

सार-समाचार

पौधारोपण से सशक्त कदम

उदयपुर । जिला प्रशासन के निर्देशानुसार वन मंडल, उदयपुर की ओर से ग्रीन लंग्स, रिसाला उदयपुर में वन महोत्सव 2025 का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री बजट घोषणा के अंतर्गत पंच गौरव योजना के तहत "एक जिला, एक वृक्ष" अभियान के तहत आयोजित वन महोत्सव में मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी रही। अध्यक्षता उदयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त राहुल जैन रहे। उप वन संरक्षक मुकेश सैनी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि इस वर्ष के लिए उदयपुर जिले का चिन्हित वृक्ष "महुआ" तथा उद्यानिकी वृक्ष के रूप में "सीताफल" को चुना गया है। कार्यक्रम के दौरान 200 महुआ एवं 200 सीताफल के पौधों का सामूहिक रूप से रोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। पौधारोपण कार्यक्रम में स्कूली बच्चों, ग्रामीण नागरिकों तथा वन विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित 200 से अधिक लोगों की सहभागिता रही। संभागीय आयुक्त केवलरमानी ने ग्रामीणों एवं बच्चों को जन अभियान के रुप में पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। युडीए आयुक्त श्री जैन ने स्कूली बच्चों से पौधा लगवाकर उनकी देखभाल करने पर जोर दिया। महुआ एवं सीताफल दोनों ही वृक्ष विशेष रूप से आदिवासी समुदायों की आजीविका से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। महुआ का उपयोग पारंपरिक खाद्य, औषधीय एवं धार्मिक उपयोगों में होता है, वहीं सीताफल एक लोकप्रिय फलवृक्ष है जो ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण और आय का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत है। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने हर्षोल्लास से भाग लेते हुए "एक बच्चा, एक पौधा" का संकल्प लिया। सभी प्रतिभागियों द्वारा उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई। सामूहिक रूप से किए गए इस प्रयास ने वन महोत्सव को एक जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल वृक्षारोपण करना था, बल्कि नागरिकों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना एवं भावी पीढ़ियों को प्रकृति संरक्षण के प्रति प्रेरित करना भी था। इस अवसर पर वक्ताओं ने जलवायु परिवर्तन, हरियाली बढ़ाने और सतत विकास के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन वृक्षों की देखरेख और संरक्षण हेतु सभी सहभागियों को नियमित निगरानी एवं संवेदनशीलता से जुड़ने के आग्रह के साथ किया गया। सहायक वन संरक्षक घनश्याम कुमावत एवं सहायक वन संरक्षक सुश्री सुरेखा चौधरी सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, ग्रामीणजन तथा स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

कलक्टर कोटड़ा दौरे पर रहे

उदयपुर। जिला कलक्टर नमित मेहता एवं पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल शुक्रवार को जिले के सुदूरवर्ती आदिवासी अंचल कोटड़ा उपखंड के दौरे पर रहे। इस दौरान जिला कलक्टर ने उपखंड क्षेत्र में संचालित विभिन्न राजकीय संस्थानों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कलक्टर सबसे पहले एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल पहुंचे, जहां उन्होंने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, भवन की स्थिति, भोजन व्यवस्था और छात्रावास की स्थिति का गहन अवलोकन किया। मेहता ने विवेकानंद मॉडल रेजिडेंशियल विद्यालय, बालिका छात्रावास और अन्य आवासीय परिसरों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने भवनों की स्थिति, पेयजल, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण वातावरण मिलना चाहिए। जिला कलक्टर ने उपखंड मुख्यालय स्थित पंचायत समिति डीओआईटी सभागार में सभी विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी ली। बैठक में उन्होंने संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों, पेयजल और बिजली आपूर्ति, फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति समेत विभिन्न विकास कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़ी योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कोटड़ा जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में सरकारी सेवाओं की सुलभता, पारदर्शिता और गुणवत्ता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों की शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और छात्रावास सुविधाओं की निगरानी को प्राथमिकता देने पर ज़ोर दिया। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन दीपेंद्र सिंह, जिला परिषद सीईओ रिया डाबी, कोटड़ा उपखंड अधिकारी हँसमुख कुमार, समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी सचिव 26 से उदयपुर प्रवास पर

उदयपुर। खान एवं पेट्रोलियम विभाग प्रमुख शासन सचिव एवं उदयपुर जिले के प्रभारी सचिव टी. रविकान्त 26 जुलाई से उदयपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी सचिव रविकांत 26 जुलाई को प्रातः 7:55 बजे वायुयान से उदयपुर आएंगे। सुबह 11 बजे खान एवं भू-विज्ञान निदेशालय में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेंगे। मध्यान्ह पश्चात 3 बजे राज्य सरकार के डेढ़ वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों, फ्लैगशिप योजनाओं/कार्यक्रमों एवं विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति समीक्षा एवं 27 जुलाई को होने वाले वन महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा बैठक लेंगे। साथ ही मौका निरीक्षण भी करेंगे। 27 जुलाई को वन महोत्सव कार्यक्रम में भाग लेंगे। 28 जुलाई को प्रातः 7 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

किसान की कुएं में गिरने से मौत

मसूदा (निसं)। मसूदा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत ठाम नासुन निवासी किसान मदन पुत्र बज्जा जाति रावत अपने खेत पर कार्य कर रहा था। पानी पीने के लिए कुएं पर गया कुएं में पानी ज्यादा होने से संतुलन बिगड़ने से मदन कुएं में गिर गया। खेत पर अन्य लोग काम कर कार्य कर रहे थे उनके चिल्लाने से ग्रामीणों की मदद से मदन को काफी मकसद के बाद कुएं से बाहर निकाल सूचना मिलने पर पूर्व सरपंच गिरधारी गुर्जर व अन्य जनप्रतिनिधि व ग्रामीण पहुंचे। मसूदा पुलिस को घटना की जानकारी दी मसूदा पुलिस में जाति के मसूदा उप जिला चिकित्सालय पहुंच कर मृतक मदन का शव कब्जे में लेकर मोर्चरी में रख्या जहां परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी।

मंदिर से मूर्ति व जेवरात चोरी

उदयपुर। झाड़ोल कस्बे में स्थित दिगम्बर जैन मंदिर से चोर मूर्ति एवं छत्र चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 जुलाई रात में अज्ञात चोर झाड़ोल विद्यानिकेतन स्कूल रोड़ पर स्थित दिगम्बर जैन समाज के मंदिर का ताला तोड़ कर गर्भ गृह में घुस कर भगवान आदिनाथ, संभवनाथ, महावीर स्वामी की मूर्ति पर लगे चांदी के छत्र, तांबे का यंत्र, एसीटीवी, डिवीआर, भगवान पाश्वनर्थान की पीतल की प्रतिमा, परात, पाण्डुशिला चुरा ले गए। दूसरे दिन इसका पता चलने पर दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष हुकुमचंद कोडिया पुत्र कालुलाल कोडिया ने पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच एएसआई जगदीश कर रहे है।

समिति अध्यक्ष का चुनाव 30 को

उदयपुर। बड़गांव मध्यम सिंचाई परियोजना के चेयरमैन के चुनाव कार्यक्रम की तिथि निर्धारित कर दी गई है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं जल संसाधन खण्ड चित्तौड़गढ़ के अधिशाषी अभियन्ता राजकुमार शर्मा ने बताया कि राजस्थान सिंचाई प्रणाली के प्रबन्धन में कृषकों की सहभागिता अधिनियम 2000 व नियम 2002 के अन्तर्गत जल उपयोक्ता संगम की जल वितरण समिति के चेयरमैन पद हेतु चुनाव करवाए जा रहे हैं। चुनाव कार्यवाही के तहत 30 जुलाई 2025 को नामांकन पत्र प्राप्त किए जाएंगे एवं आवश्यकता होने पर उसी दिन 30 जुलाई को ही मतदान कराया जाएगा। नामांकन एवं मतदान की प्रक्रिया बांध जल संसाधन विभाग की गेगंहट बड़गांव पर पूर्ण की जाएगी।

तीन हमलावर गिरफ्तार

उदयपुर। घासा थाना पुलिस ने पीडित पर प्राणघातक हमला करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 26 जून को प्रकाश मेघवाल ने रिपोर्ट दी कि रात में मेरे पिता चौक में बैठे थे। इस दौरान मेरे का का मोहनलाल व उसके पुत्र चेतन व ओमप्रकाश ने घर में घुस कर हमला कर दिया। जिससे मेरे पिता गीीर घायल हो गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेशग गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्रसिंह के सुपरविजन में घासा थानाधिकारी प्रवीण सिंह मय टीम ने हमलावर मोहनलाल पुत्र चतुर्भुज व उसके पुत्र चेतन व ओमप्रकाश निवासी खरवड़ों का गुडा घासा को गिरफ्तार किया।

संक्षिप्त

बच्चों की मृत्यु पर शोक व्यक्त

कोटपूतली। झालावाड़ जिले के मनोहर थाना ब्लॉक में शुक्रवार को ग्राम पीपलोद स्थित राजकीय विधालय के भवन के गिरने से हुई मासूम बच्चों की मृत्यु की घटना को लेकर प्रतिक्रिया देते हुये युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेष महासचिव भीम पटेल ने गहरा शोक व्यक्त किया है। पटेल ने कहा कि उक्त घटना में जहां मासूम विधार्थियों की मृत्यु हुई हैं। वहीं बड़ी संख्या में विधार्थी घायल भी हुये हैं। उन्होंने मृतक बालकों के परिजनों के प्रति संवेदना व घायल बालकों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईष्वर से कामना करते हुये कहा कि सरकार व अधिकारियों की गंभीर लापरवाही का नतीजा नौनिहाल बालकों व उनके परिजनों ने भुगता हैं। यह कितनी बड़ी लापरवाही है, इसका अन्दाजा इसी बात से लगाया जा सकता हैं कि पूर्व सूचना के बावजूद भी उक्त घटना कारित हुई हैं। घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुये मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व षिक्षा मंत्री मदन दिलावर को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिये। साथ ही दोषी अधिकारियों पर कडी कार्यवाही करते हुये मृतक बालकों के परिजनों, घायल विधार्थियों व पीड़ित परिवारों को राहत पहुंचाने के तत्काल प्रयास करने चाहिये। यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं बल्कि मानवीय आपदा हैं। सरकार को सोचना चाहिये कि बच्चे वहां पढ़ने के लिये गये थे मरने के लिये नहीं। इस तरह की घटना 21 वीं सदी में भारतवासियों को शर्मसार कर देने वाली हैं।

गाडिया लुहारों को 11 पट्टे बांटे

अजमेर । अजमेर विकास प्राधिकरण की गाडिया लुहारों को भूखण्ड आवंटन योजना के तहत शुक्रवार को एडीए उपायुक्त व मीडिया प्रभारी सूर्यकांत शर्मा ने 11 पट्टे वितरित किए। शर्मा ने बताया कि कायड के खसरा नम्बर 2997 में धूमंतू व अर्धधूमंतू लोगों के लिए भूखण्ड आवंटन किए जाने का कार्य किया जा रहा है। योजना के प्रथम चरण में 41 आवेदकों को पात्र माना गया है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

टोंक। जिला कांग्रेस कमेटी टोंक द्वारा जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा के नेतृत्व में प्रदेशभर में बिगड़ती कानून व्यवस्था, बिजली विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने, पंचायत राज व नगर निकाय चुनाव में देरी जैसे जनहित मुद्दों पर भाजपा की सरकार के खिलाफ मुख्यालय स्थित गांधी पार्क में धर प्रदर्शन कर तथा जिला कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकाल कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौपा।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष बैरवा ने कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा की राज्य सरकार हर क्षेत्र में पुरी तरह विफल है, राज्य की कानून व्यवस्था बिगड चुकी है, जहां बजरी माफिया का बोल बाला है, बिजली विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर के नाम पर लूट मची हुई है, वही परीसीमन के नाम पर चुनाव

जिला कांग्रेस कमेटी टोंक द्वारा जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा के नेतृत्व में प्रदेशभर में बिगड़ती कानून व्यवस्था आदि मामलों को लेकर धरना दिया।

टाले जा रहे है तथा भाजपा को चुनाव हारने का खतरा है। उन्होंने कहा कि मनमाने तरीके से परिसीमन किया जा रहा है परिसीमन पर जो आपत्तियां दी गई थी, उसका निस्तारण नहीं किया जा रहा है। प्रदेश उपाध्यक्ष रामबिलास

- कांग्रेस जनों का आरोप राज्य की कानून व्यवस्था बिगड़ चुकी है, साथ ही बजरी माफिया का बोलबाला है

चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आर.जी.एच.एस. नि:शुल्क ईलाज से संबंधित जो कांग्रेस राज में लागू की गई थी, उसे अघोषित रूप से स्थगित अथवा बंद की जा रही है, जिससे जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिले में दो दिन में 1 घंटे पेयजल सप्लाई किया जा रहा है, जो पर्याप्त नहीं है तथा संविदा कर्मियों को हटाया जा रहा है, राज्य की कानून व्यवस्था बिल्कुल चोपट हो चुकी है।

आमजन अधिकाधिक वृक्षारोपण करें : प्रियंका गोस्वामी

कोटपूतली। हरियालो राजस्थान एवं मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महा अभियान के तहत हरियाली तीज के अवसर पर 27 जुलाई रविवार को जिले में विशेष पौधारोपण अभियान का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम माननीय राज्यमंत्री, राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार एवं जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी के मुख्य आतिथ्य में कृषि महाविद्यालय पाथरेडी में प्रातः 11 बजे से आयोजित किया जाएगा, जिसमें 1500 पौधों का सघन वृक्षारोपण किया जाएगा. हरियाली तीज के अवसर पर जिलेभर में करीब 3 लाख पौधे लगाएं जाने का लक्ष्य है।

अभियान को लेकर जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को लक्ष्यों के अनुरूप पौधरोपण करते हुए अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने

- हरियाली तीज पर 27 जुलाई को होगा हरियालो राजस्थान अभियान के तहत वन महोत्सव का आयोजन
- कृषि महाविद्यालय पाथरेडी में जिला प्रभारी मंत्री सघन वृक्षारोपण करेंगे

कहा कि केंद्र सरकार के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने हरियालो राजस्थान महा अभियान शुरू किया है। इसी के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र के विस्तार एवं आमजन को पौधरोपण के प्रति जागरूक करने के लिए राज्यभर में वन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने आमजन से कार्यक्रम में भागीदारी लेने की अपील करते हुए कहा कि हरियाली तीज के अवसर पर विशेषकर महिलाएं यथासंभव परम्परागत लहरिया परिधान पहनकर वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागी बने।

कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के लक्ष्य तय कर पौधरोपण के लिए गड्ढे खुदवाने, पानी की व्यवस्था करने सहित अन्य जरूरी तैयारियां समय पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वन विभाग की नर्सरियों में पर्याप्त पौधे उपलब्ध हैं, जरूरत के मुताबिक वहां से पौधे प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने पौधारोपण को हरियालो राजस्थान मोबाइल ऐप पर जियो टेग करने के निर्देश दिए, ताकि डिजिटल रूप में रिकॉर्ड रखा जा सके।

कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु जिला स्तर पर उपखंड अधिकारी पावटा कपिल कुमार को प्रभारी अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद कोटपूतली को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

किसानों की आय बढ़ोत्तरी पर चर्चा

टोंक। जिले में सब्जियों एवं फलों के प्रोसेसिंग, वेल्यू चेन, कोल्ड स्टोरेज, कोल्ड वेन के माध्यम से पोस्ट हार्वेस्टिंग मेनेजमेंट, मार्केटिंग एवं कृषकों की आय में बढ़ोतरी के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौंकरिया, किसान, उद्यमी, स्टेक होल्डर्स, कृषि, उद्यान, उद्योग, नाबार्ड व कृषि विपणन विभाग के अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान उद्यान विभाग के उपनिदेशक चंद्रप्रकाश बढ़ाया ने बताया कि बैठक में जिले में फल एवं सब्जियों के विक्रय को सुनिष्चित करने, प्रसंस्करण इकाईयों को बढावा देने, जिले के विभिन्न उत्पादों को एक्सपोर्ट करने एवं कृषकों की आय बढाने में आ रही समस्या एवं समाधान के बारे में चर्चा की गई। कृषकों ने सुझाव दिया कि जिले में सब्जी फसलोत्पादन के बाद जिले एवं राज्य के बाहर उत्पाद को विक्रय के लिए ट्रांसपोर्टेषन सब्सिडी एवं मार्केट की सुनिष्चितता की जाएं। उपनिदेशक ने कहा कि जिले में वेयर हाउस, कोल्ड स्टोरेज, कोल्ड वेन एवं

- सब्जियों एवं फलों के प्रोसेसिंग, मार्केटिंग एवं कृषकों की आय में बढ़ोतरी के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई।

प्रोसेसिंग के लिए कृषकों को अधिकाधिक अनुदान उपलब्ध करवाया जायेगा। बैठक में एडीएम ने उद्यानिकी उद्यमियों को नाबार्ड, उद्यान विभाग एवं उद्योग की विभिन्न अनुदानित योजनाओं का लाभ उठाते हुए फसल कटाई उपरांत प्रबंधन एवं प्रोसेसिंग यूनिट लगाने की सलाह दी। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने किसानों, उद्यमियों को जिले में उत्पादित उत्पादों का अवलोकन कर प्रोसेसिंग यूनिट के लिए प्रेरित किया। उपनिदेशक ने वेयर हाउस, कोल्ड स्टोरेज, कोल्ड वेन एवं प्रोसेसिंग के लिए संचालित योजनाओं, कम्पोनेन्ट्स की विस्तार से जानकारी कृषकों एवं उद्यमियों को दी।

सार-समाचार

चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

सांभरझील (निसं)। घर में घुसकर मंदिर के चांदी के छत्र व नगदी चोरी करने के मामले में सांभर पुलिस ने घनश्याम उर्फ भालू पुत्र श्रवण लाल जाति रैगर उम्र 23 साल निवासी गांधी बस्ती रैगर मौहल्ला सांभरलेक व निखिल वणिया पुत्र स्वर्गीय भंवरलाल जाति धोबी उम्र 19 साल निवासी बाबरो का मौहल्ला सांभरलेक थाना सांभरलेक रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी घनश्याम उर्फ भालू के खिलाफ चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट के कुल 11 प्रकरण व आरोपी निखिल के चोरी के 4 प्रकरण हैं । दर्ज है।इस मामले में रामदेव मंदिर के पुजारी सोहनलाल शर्मा के पुत्र धर्मेंद्र शर्मा निवासी लम्बी गली सांभरलेक थाना सांभरलेक जिला जयपुर ने मामला दर्ज करवाया था। आरोपी दिन में मकानों की रैकी करते हैं, फिर मौका पाकर मकानों में जो भी सामान मिलता उसे चोरी कर ले जाते हैं एवं वारदात के बाद कुछ दिनो के लिये अन्य जगह काम करने चले जाते हैं तथा मामला शांत होने पर वापस घर आकर अन्य वारदात को अंजाम देते है। थाना अधिकारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि अभियुक्तगण मौज मस्ती व नशे का शौक पूरा करने के लिए वारदात को अंजाम देते है।

युवक की संदिग्ध मौत

करौली । करौली के निकट सायपुर गांव में शुक्रवार प्रात: एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह अपने रिश्तेदार के खेत में बाजरे की फसल में खाद डालने गया था। अमित चतुर्वेदी 26 शुक्रवार प्रात: 6:00 बजे गुनेसरी गांव में अपने रिश्तेदार के खेत में बाजरे की फसल में खाद डालने गया था। वहीं अचानक उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार अमित अविवाहित था और परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर है। मृतक का परिवार पूरी तरह खेती-किसानी पर निर्भर है। घर में वही अकेले युवक था जो खेतों में काम करता था। अचानक हुई इस मौत से परिवार को बड़ा आघात पहुंचा है। सूचना मिलने पर करौली सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर करौली जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाते हुए चिकित्सक कि टीम से पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

दो पक्षों में मारपीट, 7 घायल

कोटपूतली। जिले के बानसूर उपखण्ड क्षेत्र के ग्राम आलमपुर में जमीनी विवाद को लेकर हुये दो सगे भाईयों के पक्षों में शुक्रवार को आपसी मारपीट हो गई। इस दौरान हुये झगड़े में कुल 07 जने घायल हो गये। जिन्हें घायल होने पर बानसूर थाना पुलिस ने कस्बा स्थित राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। नर्सिंग अधिकारी श्रीराम सराधना ने बताया कि मारपीट में घायल बृजमोहन (25) पुत्र करण सिंह, राजेष देवी (55) पत्नी करण सिंह, करण सिंह (55) पुत्र धन सिंह, उदयभान सिंह (24) पुत्र करण सिंह, गुलाब सिंह (50) पुत्र धन सिंह, सुरेष सिंह (22) पुत्र गुलाब सिंह, पप्पु सिंह (25) पुत्र गुलाब सिंह आदि घायल हो गये। जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया। इनमें से गुलाब सिंह की हालत बिगड़ने पर जयपुर रैफर कर दिया गया।

33 हाजिरी रजिस्टरो में 127 अधिकारी-कर्मचारी नदारद मिले

राजगढ़ । शासन सचिव प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग के निर्देशन में शुक्रवार को उप शासन सचिव एवं अतिरिक्त निदेशक निरीक्षण सूर्य बहादुर वर्मा के नेतृत्व में सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण किया। टीम की

- विभिन्न विभागों के 48 राजपत्रित अधिकारियों में से 20 अधिकारी अनुपस्थित मिले

ओर से आनंन फानन में में सभी विभागों से रजिस्टर कब्जे में लेने की कार्रवाई से कर्मचारी सकते में पड़ गए। कार्रवाई की कस्बे में चर्चा प्रमुखता से रही। राजकीय विभागों के 33 हाजिरी रजिस्टरो में 127 अधिकारी कर्मचारी नदारद मिले। इससे पूर्व उप शासन सचिव सूर्य बहादुर वर्मा, सुनील कुमार शर्मा सहायक शासन सचिव, महेंद्र कुमार सरावता अनुभागाधिकारी, एवं चेलाराम भदाला सहायक अनुभागा धिकारी की ओर से शुक्रवार प्रात 9:45 दो टीमों ने राजगढ़ के कार्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण दल की

अतिरिक्त निदेशक निरीक्षण सूर्य बहादुर वर्मा के नेतृत्व में सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण किया।

कार्रवाई में विभिन्न विभागों के 48 राजपत्रित अधिकारियों में से 20 अधिकारी अनुपस्थित मिले जिनका प्रतिशत 41.66 एवं 279 अराजपत्रित कर्मचारियों में से 107 अराजपत्रित कर्मचारी अनुपस्थित मिले, जो की प्रतिशत के हिसाब से 38.35 है। अनुपस्थित अधिकारी कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाहीकी रिपोर्ट तैयार की गई है। निरीक्षण दल की ओर से राजकीय कार्यालयों के हाजिरी रजिस्टर जप्त करने की कार्रवाई से राजगढ़ कस्बे के कर्मचारियों में भाग दौड़ का आलम रहा। उप शासन सचिव सूर्य बहादुर वर्मा ने बारीकी से तहसील कार्यालय, उपकोष कार्यालय, रजिस्ट्री शाखा, ब्लॉक कानूनगो कार्यालय एवं उपखंड कार्यालय सहित पंचायत समिति परिसर का निरीक्षण किया। साफ सफाई एवं बस्तो में बंद पड़े रिकॉर्ड का उचित निराकरण करने सहित अधिकारी कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान ब्लॉक शिक्षा, सार्वजनिक निर्माण विभाग, सामुदायिक चिकित्सालय एवं तहसील सहित सभी विभागों के हाजिरी रजिस्टर को कब्जे प्रशासनिक सुधार टीम के राजगढ़ में आगमन की सूचना को लेकर लेट लतीफ आने वाले कर्मचारियों में हड़कंप का आलम रहा।

उद्यमों के वित्त पोषण पर चर्चा

कोटपूतली। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 24 व 25 जुलाई को कोटपूतली-बहरोड़ जिले में सूक्ष्म, लघु एवं मद्यम उद्यमों (एमएसएमई) को वित्तपोषित करने वाली बैंक शाखाओं के अधिकारियों के लिये क्षमता निर्माण पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन भारतीय रिजर्व बैंक जयपुर के उपमहाप्रबंधक विकास अग्रवाल ने किया। इस दौरान भारतीय रिजर्व बैंक जयपुर से प्रबंधक गौरव सोमनाथ धूत, पंजाब नेशनल बैंक से क्षेत्रीय प्रबन्धक श्वेतांक कुमार एवं जिले के अग्रणी जिला प्रबंधक उपस्थित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य एमएसएमई से डील करने वाले बैंक अधिकारियों में एमएसएमई को वित्तपोषित करने से संबंधित विभिन्न दिशानिर्देशों को लेकर जागरूकता पैदा करना है। कार्यशाला में कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, सीकर, झुंझुनू, दौसा, करौली, धौलपुर, अलवर, भरतपुर, डिग एवं जयपुर जिले में स्थित विभिन्न बैंकों के एमएसएमई से डील करने वाले लगभग 65 बैंकर्स ने सहभागिता की। इस दौरान एमएसएमई पर भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देश भारत सरकार द्वारा हाल ही में की गई पहल के प्रतिनिधि द्वारा क्रेडिट रेटिंग के प्रतिनिधि द्वारा एनपीए प्रबंधन आदि विषयों पर सत्र आयोजित किये गये।

किसानों व व्यापारियों को उद्योग लगाने के लिए जागरूक किया

किशनगढ़ बास। कृषि उपज मण्डी समिति सभागार मे प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना को लेकर किसानों एवं व्यापारियों के लिए जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। किशनगढ़ बास कृषि उपज मंडी सचिव नेहा यादव ने बताया कि शुक्रवार को खैरथल कृषि उपज मंडी सचिव राजेश कर्दम की अध्यक्षता में किसानों एवं व्यापारियों के लिए जागरूकता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कर प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद उद्योग उन्नयन योजना को लेकर जानकारी दी गई। कार्यशाला में सचिव राजेश कर्दम ने योजना के तहत व्यापारियो एंव किसानों को सूक्ष्म खाद्य उद्योग लगाने के लिए प्रेरित किया। योजना के तहत सूक्ष्म कृषि प्रसंस्करण इकाई उन्नयन के लिए अथवा नवीन सूक्ष्म कृषि प्रसंस्करण की स्थापना पर प्रोजेक्ट लागत की 35 प्रतिशत या अधिकतम 10 लाख रू. वित्तीय अनुदान के रूप में दिये जाने का प्रावधान की जानकारी दी । इस दौरान उन्होंने योजना के अन्तर्गत स्थापित किये जा सकने वाले सम्भावित उद्योग अचार, पापड, बडी, ब्रेड, बिस्किट, चिप्स, कुरकुरे, जैम/जैली, साबूदाना, पेठा,

- अनाज मंडी किशनगढ़ बास में कृषि उपज मंडी समिति की ओर से शिविर आयोजन किया गया । शिविर में खैरथल किशनगढ बास के कृषि मंडी अधिकारी मौजूद रहे ।
- शिविर में बिस्किट, चिप्स, कुरकुरे, जैम/जैली, साबूदाना, पेठा आदि के उद्योग लगाने के बारे में जानकारी दी ।

नमकीन, सेवई, आईस कैन्डी, सत्तू, दाल पनीर, गजक, पोटेटो फेचफाई, हल्दी, पोहा, शहद, कैचअप, पास्ता, मैकोनी, आईसकीम, केक, टोस्ट, घी, नूडल्स, पोपकॉर्न, पतासा निर्माण के उद्योग सम्मलित बताए। इसके अतिरिक्त आटा चक्की उद्योग, गुड उत्पादन, लहसून, प्याज, अदरक, पेस्ट निर्माण मिठाई (रसगुल्ला, गुलाब जामून) तेल मील प्लान्ट उद्योग, ब्राईट फूट निर्माण, मसाला उत्पादन आदि सूक्ष्म कृषि प्रसंस्करण इकाई स्थापित किये जाने के बारे में बताया। उन्होंने ने लोगो को योजना की सम्पूर्ण जानकारी देते हुये आवेदन की प्रकिया के बारे में अवगत कराया। पीएनबी बैंक के अधिकारी रजत वनजारी ने योजना के संबंध में ऑन लाईन आवेदन किये जाने के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सचिव नेहा यादव ने योजना से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी प्रदान की साथ ही योजना का हितबद्ध व्यक्तियो तक प्रचार प्रसार करने हेतु निवेदन किया। इस मौके पर राजेश चन्द कर्दम सचिव कृषि उपज मण्डी समिति, खैरथल, नेहा यादव सचिव कृषि उपज मण्डी समिति, किशनगढबास, पीएनबी बैंक अधिकारी रजत वनजारी, अनाज मंडी व्यापारी गिर्राज प्रसाद गुप्ता एवं अभयसिंह यादव उपाध्यक्ष व्यापार समिति, उमेशचन्द जैन, विकास गोयल, मांगीलाल, बनवारी लाल, जगदीश प्रसाद, प्रेमचन्द गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, आदि व्यापारी व कृषक वर्ग उपस्थित रहे।

जर्जर भवनों को चिन्हित कर शिफ्ट करने के निर्देश

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने संबंधित अधिकारियों को जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में समस्त विद्यालयों, कॉलेजों व आंगनबाड़ी केंद्रों एवं जर्जर मकानों का सघन सर्वे कर क्षितग्रस्त व जीर्ण-शीर्ण भवनो को चिन्हित करने व उनको तत्काल वैकल्पिक स्थानों पर शिफ्ट कराने के निर्देश दिये हैं तथा विद्युत विभाग के अधिकारियों को 7 दिन में जिले में ढीली विद्युत लाइन, नीचे ट्रांसफार्मर, टेडे विद्युत पोल इत्यादि को दुरुस्त करवा कर निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप व्यवस्था सुचारू होने का सर्टिफिकेट जारी करने के लिए निर्देशित किया है।

जिला कलेक्टर ने विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के निवासियों की सुरक्षा के दृष्टिगत मानसून से पूर्व जारी विस्तृत आदेशों के क्रम में जिले में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में जर्जर भवनों का तत्काल पुन: सर्वे प्रारम्भ कर जीर्ण-शीर्ण पाए गए भवनों को वैकल्पिक व्यवस्था करने हेतु जिला

- 7 दिवस में विद्युत लाइन, विद्युत पोल इत्यादि को दुरूस्त करने के लिए निर्देशित किया।

परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी व उपखंड अधिकारियों, नगर निगम आयुक्त, विकास अधिकारियों एवं नगर पालिका के अधिशासी अधिकारियों एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, उप निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में समस्त विद्यालयों, कॉलेजों व आंगनबाड़ी केंद्रों का तत्काल सघन सर्वे प्रारम्भ कर क्षितग्रस्त व जीर्ण-शीर्ण भवनो को चिन्हित करने के निर्देश दिए तथा इनका उपयोग बच्चों को बैठाने व अन्य किसी भी गतिविधि में ना हो यह सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा जीर्ण-शीर्ण पाए गए विद्यालयों एवं आंगनबाडी भवनों से बच्चों को वैकल्पिक व सुरक्षित भवन चिन्हित कर उनमें शिफ्ट करावे। इसी प्रकार शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में जीर्ण-शीर्ण भवनों से भी परिवारों को शिफ्ट करावे। उन्होंने सीईओ जिला परिषद को निर्देश दिये हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों में आवागमन के रास्तों को दुरूस्त करावे और उनमें जल भराव नहीं हो इस बात का ध्यान रखें। जिला कलेक्टर ने मानसून पूर्व विद्युत विभाग को जारी विस्तृत दिशा-निर्देशों के क्रम में विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया है कि जिले में 7 दिन के अंदर व्यापक सर्वे के माध्यम से विद्युत लाइन, ट्रांसफार्मर, विद्युत पोल इत्यादि को निर्धारित मापदंडों के अनुसार दुरस्त करवाकर प्रत्येक क्षेत्र के लिए दुरुस्तीकरण पूर्ण करने सर्टिफिकेट संबंधित सहायक अभियन्ता व कनिष्ठ अभियन्ता से लेकर प्रस्तुत करें। सर्वे व दुरूस्तीकरण कार्यों में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जावेगी।

न्यायिक कर्मचारियों ने रैली निकाली

अलवर। राजगढ़ में राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ उपशाखा राजगढ़ के बैनर तले न्यायालय के कर्मचारियों ने शुक्रवार को कैडर पुनर्गठन की मांग को लेकर सामूहिक अवकाश लेकर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने पहले कोर्ट परिसर में धरना दिया और फिर रैली निकालकर अपनी मांगों को प्रशासन और सरकार तक पहुंचाने की कोशिश की।

न्यायिक कर्मचारियों ने सरकार पर आरोप लगाया कि वर्षों से कैडर पुनर्गठन की मांग लंबित है, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे कर्मचारियों के हित प्रभावित हो रहे हैं और न्याय व्यवस्था में कार्यरत कर्मचारियों को उनके योग्य लाभ नहीं मिल पा रहे हैं। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में न्यायिक कर्मचारियों ने भाग लिया और एकजुटता के साथ सरकार से अपनी मांगों को पूरा करने की अपील की । इस सामूहिक अवकाश और प्रदर्शन के कारण राजगढ़ न्यायालय में नियमित न्यायिक कार्य प्रभावित हुआ। जमानत याचिकाओं, दस्तावेज सत्यापन और अन्य न्यायिक प्रक्रियाएं बाधित रहीं ।

रात्रि चौपाल में चरागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने सहित अन्य मामलों पर सुनवाई

बौंली -बामनवास । सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर कानाराम ने ग्राम पंचायत रांवल के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में रात्रि चौपाल की अध्यक्षता करते

- फसल बीमा योजना में किसान 31 जुलाई तक बीमा करवा कर लाभ ले सकते हैं

हुए ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान करने के निर्देश दिए । जिला कलेक्टर कानाराम ने उपस्थित ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजना की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसान 31 जुलाई तक बीमा करवा कर लाभ ले सकते हैं, उन्होंने कृषि विभाग के उपनिदेशक राकेश कुमार अटल को निर्देशित करते हुए ग्रामीण

सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर कानाराम ने ग्राम पंचायत रांवल के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में रात्रि चौपाल की अध्यक्षता की।

क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाकर योजनाओं का टोल फ्री नंबर 14447 एप पर फसल एवं नुकसान की सूचना देने की समय सीमा का प्रचार प्रसार कराने, तारबंदी, फार्म पोंड व पाइप लाइन जैसी योजनाओं से अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। इस दौरान चिकित्सा सेवाओं पर चर्चा करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अनिल जैमिनी को आगामी रात्रि चौपाल में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आरोग्य कार्ड मौके पर ही वितरित कर ग्रामीणों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

पंत का फ्रैक्चर के साथ बल्लेबाजी के लिए उतरना 2002 में अनिल कुंबले का टूटे जबड़े के साथ गेंदबाजी करते हुए ब्रायन लारा को आउट करने की तरह याद रखा जाएगा।

– संजय मांजरेकर

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, पंत की साहस की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वेदा कृष्णमूर्ति

भारतीय महिला क्रिकेटर वेदा कृष्णमूर्ति ने शुक्रवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया। वेदा ने आज सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, एक छोटे शहर की लड़की जिसके बड़े सपने थे। कदुर में यह सब ऐसे ही शुरू हुआ। मैंने बल्ला उठाया, यह नहीं जानते हुए कि यह मुझे कहां ले जाएगा। लेकिन मुझे पता था कि मुझे इस खेल से प्यार है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह मुझे संकरी गलियों से लेकर सबसे बड़े स्टेडियमों तक, खामोश उम्मीदों से लेकर गर्व से भारतीय जर्सी पहनने तक, इतना आगे ले जाएगा।

क्या आप जानते हैं ?... जो रूट ने 121 रन की अपनी नाबाद शतकीय पारी के दौरान पोंटिंग को पीछे छोड़ा और दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख के बीच भिड़ंत, पहली बार इंडिया वर्सेस इंडिया

नई दिल्ली, 25 जुलाई। इंटरनेशनल चेस फेडरेशन महिला शतरंज वर्ल्डकप का फाइनल इस बार बेहद दिलचस्प होने वाला है। पहली बार ये मुकाबला इंडिया वर्सेस इंडिया है। दरअसल, जॉर्जिया के बाटुमी में खेले जा रहे महिला शतरंज वर्ल्डकप के फाइनल में भारत की दो खिलाड़ी ठौंड मास्टर कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख ने जगह बना ली है। शतरंज के इतिहास में ऐसा पहली बार होगा जब शतरंज के फाइनल में दो भारतीय खिलाड़ी आपस में मुकाबला करेंगे। भारतीय ठौंड मास्टर कोनेरू हम्पी ने गुरुवार को चीन कीटिंग जीलेई को टाईब्रेकर में हराकर फाइनल में जगह बनाई है। वहीं भारत की ही दिव्या देशमुख एक दिन पहले ही इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच चुकी हैं। अब ये दोनों खिलाड़ी 26 और 27 जुलाई को खिताब के लिए आमने-सामने होंगी।

जयपुर जिला क्रिकेट संघ अंडर - 19 चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चयन ट्रायल 26 व 27 को

जयपुर, 25 जुलाई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा जयपुर की अंडर -19 चैलेंजर ट्रॉफी आयोजित करने के लिए चयन ट्रायल दिनांक 26 व 27 जुलाई को प्रातः 9 बजे आयोजित की जाएगी। जिन खिलाड़ियों ने अपना रजिस्ट्रेशन 24 व 25 जुलाई को करा दिया है उनकी ट्रायल जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी, जयपुरिया हॉस्पिटल की पीछे प्रातः 9 बजे आयोजित की जाएगी। खिलाड़ियों को सफेद पोशाक में आना होगा।

भारत की डेविस कप टीम घोषित

नई दिल्ली, 25 जुलाई। ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन की प्रोफेशनल चयन समिति की एक बैठक स्विट्जरलैंड के खिलाफ 12 और 13 सितंबर 2025 को बील, स्विट्जरलैंड में होने वाले विश्व ठ्रुप 1 मुकाबले में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए डेविस कप टीम के चयन हेतु शुक्रवार को वर्चुअल रूप से आयोजित की गई। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं: नंदन बल - अध्यक्ष, बलराम सिंह और साई जयलक्ष्मी। चयन बैठक में भारतीय डेविस कप टीम के कप्तान रोहित राजपाल, कोच आशुतोष सिंह और एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर भी शामिल हुए। रैंकिंग, उपलब्धता और प्रदर्शन के आधार पर, निम्नलिखित खिलाड़ियों का चयन किया गया: सुमित नागल, करण सिंह, आर्यन शाह, युकी भांबरी, एन श्रीराम बालाजी, दक्षिणेश्वर सुरेश (रिजर्व), मुकुंद शशिकुमार (रिजर्व), ऋत्विक बोलिपल्ली (रिजर्व)। इस मुकाबले के लिए रोहित राजपाल टीम के कप्तान होंगे और आशुतोष सिंह टीम के कोच होंगे।

चाइना ओपन में उन्नित क्वार्टर फाइनल में यामागुची से हारीं

चांगझोउ, 25 जुलाई। उन्नित हुड्डा का चाइना ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन आज समाप्त हो गया जब वह महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से हार गईं। विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी ने भारतीय किशोरी को 21-16, 21-12 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अपने पहले ही बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 इवेंट में खेल रही 17 वर्षीय उन्नित ने अपने निडर प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरीं और बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली केवल चौथी भारतीय महिला एकल शटलर बन गईं। उन्नित ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को हराकर चाइना ओपन 2025 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी थी।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के दिग्गज पहलवान हल्क होगन का निधन

फ्लोरिडा, 25 जुलाई। हल्क होगन के नाम से मशहूर पेशेवर पहलवान टेरी बोलिया का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। वह 71 वर्ष के थे। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट के अनुसार डब्ल्यूडब्ल्यूई के दिग्गज पेशेवर पहलवान टेरी बोलिया निधन गुरुवार को हुआ। डब्ल्यूडब्लयूई को यह जानकर दुख हुआ है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर हल्क होगन का निधन हो गया है।

इंग्लैंड को 186 रनों की बढ़त, भारतीय गेंदबाजों ने निराश किया

रूट का रिकॉर्ड तोड़ शतक

मैनचेस्टर, 25 जुलाई। जो रूट (150) की रिकॉर्डतोड़ शानदार शतकीय पारी की मदद से इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के तीसरे दिन शुक्रवार को सात विकेट पर 544 रन बना लिये है और उसकी बढ्त 186 रनों की हो गई है। भारत ने पहली पारी में 358 रन बनाये थे।

रूट ने कप्तान बेन स्टोक्स (नाबाद 77) के साथ चौथे विकेट के लिए 142 रन की साझेदारी की और टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। रूट ने 248 गेंदों का सामना करते हुए अपनी बेहतरीन पारी में 14 चौके लगाए।

तीसरे दिन का सारा खेल मेजबान टीम के नाम रहा। यहां पर जो रूट का रिकॉर्ड 150 देखने को मिला। ऑली पोप का तेजतर्रार अर्धशतक देखने को मिला और अंत में कप्तान बेन स्टोक्स का स्मार्ट मूव, जहां पर वह रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे और सटीक समय पर क्रीज पर आए। स्टोक्स ने 134 गेंदों पर नाबाद 77 रन की पारी में छह चौके लगाए हैं। इंग्लैंड का स्कोर 544 पर सात विकेट है और उसके पास 186 रनों की बढ्त हो गई है। यानि बचे दो दिन अब भारत के नजरिए से बेहद ही महत्वपूर्ण हो चले हैं। स्टंप्स के समय स्टोक्स के साथ लियाम डासन 21 रन बनाकर क्रीज पर हैं।

इंग्लैंड ने पहले सत्र में 107 रन, दूसरे सत्र में 101 रन और आखिरी सत्र में 111 रन जोड़े। भारत की तरफ से रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने दो-दो विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और अंशुल कम्बोज को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले भोजनकाल के बाद इंग्लैंड ने दो विकेट पर 332 रनों से आगे खेलना शुरु किया। ऑली पोप ने अभी अपने स्कोर में एक रन का इजाफा किया था कि वॉशिंगटन सुंदर ने उन्हें के एल राहुल के हाथों कैच आउट कराकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये हैरी ब्रूक (तीन) भी सुंदर का शिकार बने।

इंग्लैंड ने चायकाल तक चार विकेट पर 433 रन बना लिये है और जो रूट 201 गेंदों में 121 रन और कप्तान बेन स्टोक्स 68 गेंदों में 36 रन बनाकर खेल रहे हैं।

इंग्लैंड ने कल के दो विकेट पर 225 रनों से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में जो रूट और ऑली पॉप ने जुझारू बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने अर्धशतक पूरे किये। इस दौरान जो रूट ने 13 हजार रन पूरे कर लिये है और सर्वाधिक टेस्ट रन बनाने में रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गये है। इंग्लैंड ने लंच तक दो विकेट पर 332 रन बना लिये थे।

पहले सत्र में 28 ओवर में 107 रन बने और एक भी विकेट इस सत्र में नहीं आया। कमाल का खेले हैं ऑली पोप और जो रूट। दोनों ने अर्धशतक पूरे कर लिए हैं और साझेदारी भी 100 से अधिक रनों की हो गई। भारत की ओर से रन आउट के मौके गंवाए गए, एक कैच छूटा लेकिन भारत यहां पर कुछ अलग करता दिखा है। नीची रहती गेंदों की वजह से रूट आगे निकलकर खेल रहे थे, जिसके बाद कीपर को ऊपर लाया गया और दोनों बल्लेबाजों को उनका प्लान बदलने पर मजबूर कर दिया गया।

भारत की ओर से वॉशिंगटन सुंदर ने दो विकेट लिये। अंशुल कम्बोज और रवींद्र जडेजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

जो रूट ने 150 रन की अपनी शतकीय पारी के दौरान पोंटिंग को पीछे छोड़ा और दूसरे स्थान पर पहुंच गए। रूट के 157वें टेस्ट में 13409 रन हो गए हैं और उन्होंने भारत के राहुल द्रविड़ (164 टेस्ट, 13288), कैलिस (166 टेस्ट, 13289) और पोंटिंग (168 टेस्ट, 13378) को पीछे छोड़ दिया है। रूट से आगे अब सिर्फ भारत के सचिन तेंदुलकर (200 टेस्ट, 15921) हैं।

दूसरा सत्र भी एक तरह से इंग्लैंड के ही नाम रहा है, जहां पर रूट ने शतक लगाकर कई रिकॉर्ड धराशायी कर दिए। यह उनका 38वां शतक था और अब वह श्रीलंका के कुमार संगकारा की बराबरी पर आ गए हैं। वह सचिन तेंदुलकर के बाद टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

फिर फंसे आरसीबी के गेंदबाज यश दयाल

जयपुर में दर्ज हुई एफआईआर

जयपुर, 25 जुलाई। आरसीबी के गेंदबाज यश दयाल की मुश्किल कम होने की बजाय बढती जा रही हैं। यश दयाल पर अब जयपुर पुलिस ने एक नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई है। 27 वर्षीय खिलाड़ी पर गाजियाबाद की एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। वहीं महिला का आरोप है कि यश दयाल ने पांच साल के रिश्ते के दौरान शादी का वादा करके उसका यौन शोषण किया। जयपुर के सांगानेर सदर थाने के एसएचओ अनिल जयमन ने बताया है कि ताजा एफआईआर बुधवार को दर्ज की गई। अनिल जयमन ने कहा कि, यश दयाल के खिलाफ पोक्सो अधिनियम और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत यौन उत्पीड़न के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई। जयमन के अनुसार पीड़िता ने आरोप लगाया है कि खिलाड़ी ने उसके साथ पहली बार 2023 में यौन उत्पीड़न किया था जब वह 17 साल की थी और इसी साल अप्रैल में सीतापुरा इलाके के एक होटल में भी उत्पीड़न हुआ था। वहीं एसएचओ ने कहा कि, लड़की ने आरोप लगाया कि क्रिकेटर ने उसके करियर बनाने में मदद और सहयोग का वादा किया था। इस साल अप्रैल में जब वह आईपीएल के लिए जयपुर में था, तब उसने उससे संपर्क किया और उसे होटल में बुलाया, जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ फिर से दुष्कर्म किया। फिलहाल, यश दयाल ने अब तक दोनों मामलों में से किसी पर भी कोई बयान जारी नहीं किया है।

जयपुर के अधिक्षित बने राजस्थान टीम के उप कप्तान

जयपुर, 25 जुलाई। बालाघाट, मध्य प्रदेश में आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय जूनियर बॉयज फुटबॉल बी सी रॉय ट्रॉफी चैंपियनशिप 2025 के लिए राजस्थान की 18 सदस्य टीम आज जयपुर से पहुंची। जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार ने बताया कि राजस्थान की 18 सदस्य टीम में जयपुर जिले के 6 खिलाड़ियों अजीत यादव, अधिक्षित सकलानी, लक्ष्य चौधरी, अबीर सिंह, विहान विराज शेखावत और अतिवीर ढोखा का चयन हुआ है।

लक्ष्य चौधरी और अतिवीर ढोखा पिछली बार भी राजस्थान टीम का हिस्सा रह चुके हैं। अधिक्षित सकलानी को राजस्थान टीम का उपकप्तान भी बनाया गया है। जयपुर जिले के कोच और पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी हितेश शर्मा को राजस्थान टीम का मैनेजर बनाया गया है। हितेश शर्मा की देखरेख में ही राजस्थान टीम का 15 दिवसीय कैंप जयपुर के गाढोंता में स्थित फुटबॉल ठ्राउंड पर संपन्न हुआ। राजस्थान टीम ठ्रुप बी में असम, हरियाणा और जम्मू कश्मीर के साथ है। टीम अपना पहला मैच असम के विरुद्ध 27 जुलाई को खेलेगी। टीम दूसरा मैच हरियाणा के विरुद्ध 29 जुलाई और अपने ठ्रुप का आखिरी मैच जम्मू कश्मीर के खिलाफ 31 जुलाई को खेलेगी। इन चार टीमों में से जो टीम ठ्रुप टॉप करेगी वह आगे सेमीफाइनल के लिए जाएगी।

जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के सदस्य अब्दुल जब्बार, मनोज शर्मा, हितेश शर्मा, डॉक्टर दिलीप सिंह चुंडावत और सेबी फिलिप्स ने राजस्थान टीम को अच्छे प्रदर्शन के लिए

क्वालीफाई राउंड में जयपुर के खिलाड़ियों का रहा दबदबा

जयपुर, 25 जुलाई। सवाई मानसिंह स्टेडियम के इन्डौर बैडमिन्टन हाल में चल रही राजस्थान रैंकिंग बैडमिन्टन टूर्नामेंट मे आज क्वालीफाई राउन्ड के 288 मैच खेल गये। क्वालीफाई राउंड में बॉयज सिंगल्स अंदर-19 , गर्ल्स सिंगल्स अंदर 19, मैन्स सिंगल्स के मैच खेले गए। क्वालीफाई राउंड में आज जयपुर के खिलाड़ियों का दबदबा रहा खेले गए कुछ महत्वपूर्ण मैच में उदयपुर के रिद्धिमान चौहान, चूरू के नमन, अजमेर के रजत राज सिंह, जयपुर का प्रणय शर्मा, अंश अमरनानी, प्रभजोत सिंह सुमित मीणा ने अपना प्रथम क्वालीफाई राउंड पार किया। वही पुरुष एकल में कुछ महत्वपूर्ण मैच में उदयपुर के यथिष्ट चावत, हनुमानगढ के हिमांशु सियाग, बीकानेर के राहुल खत्री ,टॉक के अरनव मिश्रा, अलवर की लोकेश यादव, जोधपुर के देवाशीष प्रजापत, के अलावा जयपुर के पियूष पूनिया अमित गुर्जर हिमांशु गुप्ता जसवंत सिंह पवार विनय प्रताप सिंह सनी जांगिड़ ने पहले क्वालीफाई राउंड पार किया। गर्ल्स सिंगल्स अंदर 19 क्वालीफाई में जयपुर की खुशी वर्मा, रक्षणदा बिष्ट, पूर्वी सियाग, पद्मजा सिंह, एंजेल, अद्विता शर्मा, केअलावा उदयपुर की साक्षी सिंह, झुंझुनू की अन्विता, उदयपुर की सौम्या सिंह ,गौरी शर्मा क्वालीफाई के दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं।ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री मनोज दासोत के अनुसार कल क्वालीफाई के सभी राउंड खेले जाएंगे जिसमें सिंगल्स,डबलस, मिक्स्ड डबल्स,बालक, बालिका, महिला व पुरुष के सभी इवेंट खेले जाएंगे।

यूपी वॉरियर्स ने अभिषेक नायर को बनाया टीम का मुख्य कोच

लखनऊ, 25 जुलाई। यूपी वॉरियर्स (यूपीडब्ल्यू) ने पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक नायर को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के अगले संस्करण के लिए टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है।

नायर का कोचिंग का अनुभव काफी अच्छा है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में मुंबई के दिग्गज खिलाड़ी नायर ने 2019 में संन्यास लेने से पहले भारत के लिए तीन एकदिवसीय मैच भी खेले थे। उसके बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में कदम रखा। वह 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स अकादमी के मुख्य कोच थे और फिर केकेआर के सहयोगी स्टाफ में सहायक कोच के रूप में शामिल हुए। नायर ने सीपीएल 2022 में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया। केकेआर में अपने कार्यकाल के दौरान नायर ने अपने मेंटर गौतम गंभीर के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए और उनकी साझेदारी ने फ्रेंचाइजी को 2024 में अपना तीसरा आईपीएल खिताब जीतने में मदद की। उसी वर्ष जब गंभीर को भारतीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया, तो नायर सहायक कोच के रूप में टीम में शामिल हुए, लेकिन एक साल से भी कम समय में उनका अनुबंध समाप्त हो गया। इसके बाद वह 2018 से 2024 तक केकेआर के बैकरूम स्टाफ का हिस्सा रहने के बाद आईपीएल 2025 के लिए केकेआर के सहायक कोच के रूप में लौटे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम चार मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी

नयी दिल्ली, 25 जुलाई। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 15 अगस्त से शुरु होने वाली चार मैचों की मैत्री श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी।

पर्थ हॉकी स्टेडियम में होने वाली इस श्रृंखला में भारत का सामना विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया से होगा। यह सीरीज भारत के लिए एशिया कप और विश्व कप क्वालिफिकेशन से पहले एक अहम अभ्यास अवसर है। श्रृंखला के मैच 15, 16, 19 और 21 अगस्त को खेले जाएंगे ।

2013 से अब तक दोनों टीमों के बीच खेले गए 51 मैचों में से ऑस्ट्रेलिया ने 35 में जीत हासिल की है। भारत ने नौ बार जीता। जबकि सात मैच ड्रॉ रहे हैं। हाल ही में एफआईएच प्रो लीग में दोनों टीमों के बीच हुए मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दो बार 3-2 से हराया। हालांकि, भारत ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराकर जोरदार वापसी की थी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे को लेकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फल्टन ने कहा, यह दौरा बिहार में होने वाले हीरो एशिया कप से ठीक पहले हो रहा है। यह हमें ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खुद को परखने और स्वयं को निखाने का अवसर है।

उन्होंने कहा, हमने अभी-अभी 10 दिनों का प्रशिक्षण पूरा किया है और शिविर में माहौल उत्साहपूर्ण है क्योंकि हमारा ध्यान आगे की तैयारियों पर पूरी तरह केंद्रित हैं। इस दौरे पर हमारा एक प्रमुख लक्ष्य पहले दो मैचों का उपयोग चयन के लिए करना है, जबकि शेष मैच एशिया कप के लिए चुनी गई टीम के साथ खेले जाएंगे। हमारा लक्ष्य अच्छी तैयारी करना और एशिया कप जीतने के इरादे से जाना है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में नहीं खेलें जाएंगे आईपीएल मैच?

बेंगलुरु, 25 जुलाई। आईपीएल 2026 सीजन के दौरान अब बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोई मैच नहीं खेले जाएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, बेंगलुरु भगदड़ मामले में जांच आयोग ने इस स्टेडियम में बड़े आयोजनों पर रोक लगा दी है। जिसस आरसीबी को बड़ा झटका लगा है। हालांकि, इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

वहीं, बेंगलुरु भगदड़ मामले में कर्नाटक सरकार ने अब आरसीबी के खिलाफ मुकदमा चलाने की भी इजाजत दे दी है। सरकार का ये फैसला जांच आयोग की रिपोर्ट में आया है, जिसमें आरसीबी और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ को घटना के लिए दोषी बताया गया था। आरसीबी के साथ ही कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ पर भी केस चलाने को मंजूरी मिल गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जांच आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम बड़े आयोजनो के लिए असुरक्षित है। इसलिए वहां पर किसी भी बड़े आयोजन पर रोक लगा दी है।

चिराग-सात्विक सीधे गेमों में जीत के साथ चाइना ओपन के सेमीफाइनल में

चांगझोउ (चीन), 25 जुलाई। सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी ने मलेशिया के यू सिन ओंग और ई यी तेओ को शुक्रवार को सीधे गेमों में हराकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 चाइना ओपन 2025 के पुरुष युगल सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

भारतीय जोड़ी ने ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम में शानदार प्रदर्शन करते हुए केवल 40 मिनट में 21-18, 21-14 से मैच अपने नाम कर लिया। भारत, सिंगापुर और मलेशिया ओपन में शानदार प्रदर्शन के बाद, यह इस सीजन में उनका चौथा सेमीफाइनल है।

पहले गेम में शानदार शुरुआत के बाद, सात्विक और चिराग ने मलेशियाई जोड़ी के शुरुआती बढत को रोककर 21-18 से गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में, उन्होंने 15-14 की बढत को तोड़ते हुए छह अंक हासिल किए और जीत पक्की कर ली।

अब उनका सामना दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी आरोन चिया और मलेशिया के सोह वूई यिक से होगा, वही जोड़ी जिसने पेरिस 2024 ओलंपिक क्वार्टर फाइनल में उन्हें बाहर कर दिया था।

इससे पहले उन्नित हुड्डा का चाइना ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से हार के साथ समाप्त हो गया।

विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी ने भारतीय किशोरी को 21-16, 21-12 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

अपने पहले ही बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 इवेंट में खेल रही 17 वर्षीय उन्नित ने अपने निडर प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरीं और बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली केवल चौथी भारतीय महिला एकल शटलर बन गईं। उन्नित ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को हराकर चाइना ओपन 2025 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी थी।

तन्वी और वेन्नाला व्यक्तिगत चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

सोलो, 25 जुलाई। भारत की युवा शटलर तन्वी शर्मा और वेन्नाला कलागोटला ने इंडोनेशिया के सोलो में आयोजित बैडमिंटन एशिया जूनियर्स व्यक्तिगत चैंपियनशिप 2025 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी ने महिला एकल में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त थलिता रामाधनी विर्यावान को 35 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-19, 21-14 से हराया। तन्वी पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रही हैं और अब तक उन्होंने सभी जीत सीधे गेमों में हासिल की हैं।

उनके साथ अंतिम चार में वेन्नाला कलागोटला भी हैं, जिन्होंने 58 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में थाईलैंड की जन्यापोर्न मीपंथोंग को कड़ी चुनौती दी। वेन्नाला ने कुछ तेज रैलियों के साथ पहला गेम 21-18 से जीत लिया, लेकिन जन्यापोर्न ने वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-17 से जीत लिया, जिससे मैच निर्णायक गेम में चला गया।

आरसीए घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 क्रिकेट कैलेंडर घोषित : कुमावत

पूर्व खिलाडियों की कमेटी व सभी चयन कमेटियों के सुझावों के अनुसार आयोजित होंगी आरसीए की विभिन्न आयु वर्ग की पुरूष-महिला क्रिकेट गतिविधियां

जयपुर, 25 जुलाई। बीसीसीआई की आगामी राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं की पूर्व तैयारी के लिए राजस्थान एडहॉक कमेटी संयोजक डीडी कुमावत, सदस्य पिंकेश पोरवाल, आशीष तिवारी ने आज आरसीए सीनियर चयन कमेटी सदस्यों की उपस्तिथि में आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 का विभिन्न आयु वर्ग के पुरुष - महिला क्रिकेट कैलेंडर को जारी किया।

संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 का क्रिकेट कैलेंडर को तैयार करने हेतु गठित राज्य के पूर्व पुरुष - महिला खिलाडियों की 14 सदस्यीय कमेटी द्वारा दिए गए सुझावों के अनुसार आज आरसीए एडहॉक कमेटी ने आरसीए घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 कैलेंडर (विभिन्न आयु वर्ग की पुरुष - महिला क्रिकेट गतिविधियां व प्रतियोगिता) घोषित किया।

आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 क्रिकेट कैलेंडर को आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत , सदस्य पिंकेश पोरवाल , आशीष तिवारी ने राजस्थान सीनियर चयन कमेटी सदस्यों की उपस्थितिमें जारी किया किया। संयोजक के अनुसार आरसीए का घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 कैलेंडर बीसीसीआई की राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं के अनुसार एडहॉक कमेटी द्वारा गठित पूर्व खिलाडियों की कमेटी के सुझावों व सभी चयन कमेटियों से चर्चा के बाद घोषित किया गया है जिसमे खिलाडियों प्रतियोगिताओं की पूर्व तैयारियों के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखनेका उचित अवसर मिले इसका विशेष ध्यान रखा गया है। संयोजक के अनुसार बीसीसीआई के आगामी राष्ट्रिय क्रिकेट कैलेंडर 2025 - 26 की राष्ट्रिय सीनियर , जूनियर व महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अनुसार आगामी अगस्त - सितम्बर माह में आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 का आगाज आरसीए की राज्य स्तरीय सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी , राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन टी20 प्रतियोगिता , राज्य स्तरीय अंडर 19 ट्रॉफी (पुरुष) , राज्य स्तरीय अंडर 23 ट्रॉफी (पुरुष) , राज्य स्तरीय अंडर 16 ट्रॉफी (पुरुष) व अंडर 19 व अंडर 15 वीमेन चयन ट्रायल के आयोजन से होगा।

साथ ही आज आरसीएऑफिस में आयोजित राजस्थान सीनियर चयन कमेटी मीटिंग में सभी सदस्यों नेराज्य स्तरीय सीनियर चैलेंजरट्रॉफी से पूर्व संभावित खिलाड़ियों को प्रतियोगिता की पूर्व तैयारियों हेतु जयपुर में फिटनेस स्किल्स सेशन आयोजित करने का प्रस्ताव आरसीए को दिया व जल्द ही आगामी 1-6 अगस्त को सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी से पूर्व संभावित खिलाडियों का फिटनेस स्किल्स सेशन आयोजित किया जायेगा।

उदघाटन मैच में राजस्थान यूथ ने मिनर्वा क्लब को हराया

जयपुर, 25 जुलाई। राजीव गांधी क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 34वीं राज्य स्तरीय राजीव गांधी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए उद्घाटन मैच में राजस्थान यूथ ने मिनर्वा क्रिकेट क्लब को 8 विकेट से हराया। हुकुम सिंह ठ्राउंड पर मिनर्वा क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आदित्य के 58 रन, शादाब खान के 46 रन, तुषार चौधरी के 18 रन से 46 ओवर में 170 रन बनाकर आउट हो गई। राजस्थान यूथ के लिए शुभम खंडेलवाल ने 31 पर 3, रोहन सिंह ने 35 पर 3, अनुज मीणा ने 42 पर 2 व आरव माहेश्वरी ने 30 पर एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में राजस्थान यूथ ने भुवनेश शर्मा के 84 रन (57 गेंद, 10 चौके व 3 छक्के), अनिल सैनी के 30 रन, अभय शर्मा के नाबाद 53 रन से 22.4 ओवर में 2 विकेट पर 173 रन बनाकर मैच जीत लिया। मिनर्वा क्लब के लिए मोहम्मद बिलाल व नयाफ ने एक - एक विकेट लिया।

एशियन यूथ गेम्स-बहरीन के संदर्भ में भारतीय ओलम्पिक संघ ने ली बैठक

जयपुर, 25 जुलाई। शुक्रवार को दिल्ली में राज्यसभा सांसद एवं भारतीय ओलम्पिक संघ की अध्यक्ष डा. पीटी उषा की अध्यक्षता में 22 से 31 अक्टूबर में बहरीन में होने तीसरे एशियन यूथ गेम्स की विभिन्न तैयारियों के संबंध नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन, साई के अधिकारियों, टॉप्स स्कीम के अधिकारी के साथ बैठक हुई। इस अवसर पर भारतीय ओलम्पिक संघ के सीईओ रघुराम अय्यर भी मौजूद थे।

इस बैठक में राजस्थान से राष्ट्रीय खेल महासंघ के पदाधिकारियों वालीबॉल फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के महासचिव रामानंद चौधरी एवं हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव पूर्व भारतीय कप्तान एवं महाराणा प्रताप अवार्डी डा. तेजराज सिंह ने भाग लिया। इस समय राष्ट्रीय खेल महासंघों में यह दोनों पदाधिकारी ही राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे है। बैठक में मौजूद सभी खेल महासंघों को अपने संभावित खिलाड़ियों की सूची 31 जुलाई तक आईओए को भेजनी है। सभी खेलो के संभावित खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर एसीटीसी के अंतर्गत भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत/आयोजित किये जायेंगे। बैठक के बाद दोनों पदाधिकारियों ने भारतीय ओलम्पिक संघ की अध्यक्ष डा. पीटी उषा से मुलाकात की।

'सभी जर्जर सरकारी भवनों का तत्काल निरीक्षण कर मरम्मत करायें'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पिपलोदी हादसे के बाद बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों के भवनों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये

जयपुर, 25 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर झालावाड़ जिले के पिपलोदी ग्राम के सरकारी स्कूल में हुए दुखद हादसे के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने समस्त जिलों के जिला प्रशासन, सार्वजनिक निर्माण विभाग, कार्यकारी एजेंसी, समसा एवं आरएसआरडीसी सहित, संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी भवनों, विशेष रूप से स्कूलों, अस्पतालों सहित अन्य सार्वजनिक भवनों का तत्काल निरीक्षण कर मरम्मत कार्य करवाए जाएं। इसके लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाए, जो 5 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

शर्मा ने आगे कहा कि प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पीपलोदी हादसे से हम सब दुखी हैं। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए ठोस और त्वरित कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए भवनों के निरीक्षण, मरम्मत और रखरखाव पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झालावाड़ के पीपलोदी में सरकारी विद्यालय की छत गिरने से हुआ हादसा दुखद एवं हृदय विदारक है। इस दर्दनाक हादसे में मासूम बच्चों की मृत्यु से मन व्यथित है। राज्य सरकार दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को पिपलोदी ग्राम के सरकारी स्कूल में हुए दुखद हादसे के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी भवनों का तत्काल निरीक्षण कर मरम्मत कार्य करवाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जर्जर और उपयोग के लिए असुरक्षित पाए जाने पर भवनों को तुरंत खाली करवाया जाए और प्रभावितों का अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास किया जाए। उन्होंने कहा कि जर्जर स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों के लिए वैकल्पिक शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित कर उनके लिए अस्थायी कक्षाओं का संचालन सामुदायिक भवनों या अन्य सुरक्षित स्थानों पर किया जाए।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने बजट 2024-25 में प्रदेश की राजकीय शिक्षण संस्थाओं और 750 विद्यालयों के भवनों की मरम्मत हेतु 250 करोड़ रूपये की बजट घोषणाएं की थी। साथ ही, बजट 2025-26 में भी भवनविहीन व जर्जर विद्यालयों के नवीन भवनों के निर्माण और मरम्मत कार्य के लिए 375 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया था।

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि असुरक्षित पाये जाने वाले भवनों को तुरंत खाली करवा कर प्रभावितों को अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास किया जाना चाहिये। गत दो बजट में राज्य सरकार ने विद्यालयों के भवन निर्माण व मरम्मत कार्यों के लिए 625 करोड़ रूपयों का आवंटन किया है।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के आंगनबाड़ी केन्द्रों की मरम्मत और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए।

बैठक के दौरान, पीपलोदी हादसे पर दो मिनट का मौन रखकर मृतक बच्चों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे तथा वीसी के माध्यम से संभागीय आयुक्तगण, जिला कलक्टर्स एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी जुड़े।

सरकार ने 25 ओटीटी चैनल बैन किए

नई दिल्ली, 25 जुलाई। भारत सरकार ने डिजिटल कंटेंट में बढ़ रही अश्लीलता को लेकर अब एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने कथित तौर पर अश्लीलसामग्री दिखाने के लिए 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म और उनके संबंधित मोबाइल एप्लिकेशन पर बैन लगा दिया है। इनमें उल्लू, एल्ट, देसीफ्लिक्स और बिग शॉट्स जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने अलग-अलग जांच एजेंसियों से पूरी जानकारी हासिल करने के बाद यह फैसला लिया है।

- **इनमें ऑल्ट, उल्लू, बिग शॉट्स, ड्रीम फिल्म्स आदि बड़े नाम शामल हैं। आरोप है कि इन पर अश्लील सामग्री प्रसारित की जा रही थी।**

मंत्रालय की ओर से कहा गया कि इस कदम का उद्देश्य अश्लील और भारतीय कानूनी एवं सांस्कृतिक मानकों का उल्लंघन करने वाले कंटेंट के दिखाए जाने पर रोक लगाना है।

प्रतिबंधित एप्लिकेशन की लिस्ट में प्राइम प्ले, हंटर्स, ड्रीम फिल्म्स, रंगीन और नियोनएक्स वीआईपी भी शामिल हैं। इन प्लेटफॉर्म की अक्सर अपने अश्लील कंटेंट और एडल्ट सीरीज को लेकर आलोचना की जाती रही है, जिसके चलते ये प्लेटफॉर्म अक्सर निशाने पर भी रहते हैं।

करौली में मारुति वैन-पिकअप भिड़ंत में चार महिलाओं की मौत

दुर्घटना में चार मृतक व 14 घायल जाटव परिवार के तथा एक ही कुटुंब के थे

करौली, 25 जुलाई (निंसं.)। ईको वैन और एक पिकअप की आमने-सामने की टक्कर में चार महिलाओं की दर्दनाक मृत्यु हो गई। इस हादसे में 11 महिलाएं, तीन पुरुष और तीन बालक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक व्यक्ति को उपचार के लिए जयपुर अस्पताल के लिए रैफर किया।

हिण्डौन क्षेत्र के बेड़ा वनकी गांव और मुड़ियांकापुरा निवासी एक वैन में करीब 17 महिला पुरुष और बच्चे करौली के पास माची गांव में एक रिश्तेदार महिला की मृत्यु के बाद तीए की बैठक में आए थे। वापस लौटते समय, करौली हिण्डौन सड़क मार्ग पर गुडला गांव के पास सड़क पर सामने से आ रही पिकअप गाड़ी से वैन की जोरदार भिड़ंत हो गई। दोनों वाहनों की टक्कर को देख घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे, जहां से लोगों की मदद एवं निजी वाहनों से घायलों को करौली सामान्य चिकित्सालय लाया गया, जिनमें से चार महिलाएं गुड्डी पत्नी विनोद 35, कमला पत्नी रेवती 40, शकुंतला पत्नी कजोड़ी जाटव 60 व मछला पत्नी जगदीश 40 को ड्यूटी डॉ. ने मृत घोषित कर दिया। इनके अलावा, वाहन चालक दरव सिंह 50 गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उपचार के लिए जयपुर रैफर कर दिया। बाद में शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिये। घटना की गंभीरता को देखते हुए, अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक गुमनाराम, पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम, सदर थाना अधिकारी रामदीन शर्मा पुलिस बल के साथ सामान्य चिकित्सालय पहुंचे। मृतक और घायल एक जाति विशेष जाटव परिवार के और एक ही कुटुंब के थे। इधर जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने भी अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामकेश मीणा को घायलों को अच्छा उपचार देने के निर्देश दिए।

- **हिण्डौन के बेड़ा वनकी गाँव व मुडियांकापुरा के 17 लोग, महिला, पुरुष व बच्चे, एक वैन में करौली के पास माची गाँव में तीये की बैठक में शामिल होने गये थे। लौटते समय गुड़ला गाँव के पास पिकअप से सीधी भिड़ंत हो गई।**

जस्टिस वर्मा के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धनखड़ द्वारा विपक्ष के प्रस्ताव का उल्लेख किए जाने को उनके चौंकाने वाले इस्तीफे का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। हालांकि पूर्व उपराष्ट्रपति ने, स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए, पद छोड़ दिया। सोमवार को उनके इस्तीफे के बाद सरकारी सूत्रों ने कहा कि यदि धनखड़ ने प्रस्ताव स्वीकार करने के अपने इरादे के बारे में सरकार को पहले ही बता दिया होता, तो सत्तारूढ़ दल के सांसदों ने भी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिये होते, जिससे जनता की नजर में भाजपा को इस महाभियोग की पहल करने का श्रेय मिल जाता। इस बीच, चुनाव आयोग ने नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार, भारत को अगस्त के अंतिम सप्ताह तक नया उपराष्ट्रपति मिल जाएगा।

सोमवार से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रणनीति बदल दी है, वह अभी तक बिहार के मतदाता सूची पुनरीक्षण मुद्दे पर ध्यान केन्द्रित कर रहा था और अब, प्रधानमंत्री मोदी के शनिवार को विदेश यात्रा से लौटने के बाद, ऑपरेशन सिंदूर पर ध्यान देने की योजना बना रहा है। इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन संसद के भीतर और परिसर में, दोनों जगह जारी हैं।

इंदिरा गांधी को पीछे छोड़ लगातार प्रधानमंत्री पद पर बने रहने वाले दूसरे प्र.मंत्री बने मोदी

मोदी पहले गैर कांग्रेसी नेता हैं जो सबसे लम्बे समय तक प्रधानमंत्री रहे हैं

नई दिल्ली, 25 जुलाई। नरेंद्र मोदी 25 जुलाई यानी आज लगातार सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले देश के दूसरे प्रधानमंत्री बन गए। पीएम मोदी ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अभी तक लगातार सबसे लंबे समय तक (16 वर्ष 286 दिन) प्रधानमंत्री के पद पर रहने का रिकॉर्ड जवाहर लाल नेहरू के पास है।

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को अपने कार्यकाल के 4078 दिन पूरे कर लेंगे। इंदिरा गांधी 24 जनवरी, 1966 से 24 मार्च, 1977 तक लगातार 4077 दिन प्रधानमंत्री रही थीं। अगर राज्य और केंद्र में सरकार का नेतृत्व करने की बात करें तो नरेंद्र मोदी का सभी प्रधानमंत्रियों के बीच एक अलग रिकॉर्ड है। वह गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में 24 वर्षों तक सरकार का नेतृत्व कर चुके हैं।

- **अगर सरकार का नेतृत्व करने की बात की जाए तो मोदी के नाम एक विशेष रिकॉर्ड है। वे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रुप में 24 साल तक सरकार का नेतृत्व कर चुके हैं।**
- **इंदिरा गांधी 24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977 तक लगातार 4077 दिन तक प्रधानमंत्री रही थी और मोदी शुक्रवार को प्रधानमंत्री पद पर 4078 दिन पूरे कर चुके हैं।**

नरेंद्र मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनका जन्म देश की स्वतंत्रता के बाद हुआ। वह सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले और प्रधानमंत्री पद पर दो कार्यकाल पूर्ण करने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री भी हैं। उनके नाम लगातार दो बार निर्वाचित होने वाले पहले और एकमात्र गैर-कांग्रेसी प्रधानंत्री होने का रिकॉर्ड भी है।

पीएम मोदी लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत हासिल कर सरकार बनाने वाले पहले और एकमात्र गैर-कांग्रेसी नेता भी हैं। वह इंदिरा गांधी (1971) के बाद पूर्ण बहुमत के साथ दोबारा चुने जाने वाले वे पहले प्रधानमंत्री हैं। पंडित नेहरू के अलावा वह एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने किसी पार्टी के नेता के रूप में लगातार तीन आम चुनाव जीते हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया शुरु

नयी दिल्ली, 25 जुलाई। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए राज्यसभा के महासचिव प्रमोद चंद्र मोदी को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है और उनकी सहायता के लिए राज्यसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव गरिमा जैन और निदेशक विजय कुमार को सहायक निर्वाचन अधिकारी बनाया है। आयोग ने इस संबंध में गजट अधिसूचना शुक्रवार को जारी की। आयोग ने कहा कि उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत, विधि एवं न्याय मंत्रालय के साथ परामर्श करके इस चुनाव के संबंध में निर्वाचन अधिकारी और सहायक निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति की गयी है।

- **राज्यसभा महासचिव बनाये गये निर्वाचन अधिकारी**

मानवाधिकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से बच्चे दुर्घटना के शिकार हो गए। ऐसे में यह जरूरी है कि घटना के दोषियों को सजा मिले ओर पीड़ित पक्ष को उचित क्षतिपूर्ति दी जाए।

सिंहस्थ कुम्भ के लिए नासिक के समीपवर्ती 5 रेल्वे स्टेशन विकसित होंगे

सिंहस्थ कुम्भ में तीन करोड़ से ज्यादा लोगों के आने की संभावना है

नयी दिल्ली, 25 जुलाई। महाराष्ट्र के नासिक-त्र्यंबकेश्वर में 2027 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ कुंभ के मद्देनजर, रेलवे 1.011 करोड़ रुपये की लागत से आसपास के पांच रेलवे स्टेशनों को विकसित करेगा।

जिन स्टेशनों को विकसित किया जाना है, उनमें नासिक रोड, देवलाली, ओढ़ ा, खेरवाड़ी और कसबे सुकेणे शामिल हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने शुक्रवार को सिंहस्थ महाकुंभ की तैयारियों की समीक्षा की। मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, भुसावल मंडल के मंडल रेल अधिकारी (डीआरएम) और अन्य अधिकारियों ने मंत्रियों तथा रेलवे बोर्ड को इसकी योजना और कार्यान्वयन की स्थिति के बारे में जानकारी दी।

वैष्णव ने अधिकारियों से महाकुंभ 2025 के अनुभव से प्राप्त सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने अधिकारियों को नासिक के सभी निकटवर्ती स्टेशनों पर पर्याप्त सुविधायें विकसित करने की सलाह दी।

इसके अलावा, सभी पांचों स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं के विकास की योजना है। इनमें कवर्ड ओवर प्लेटफॉर्म, पानी की टंकियां, नये शौचालय और वाटरप्रूफ होल्डिंग एरिया शामिल हैं। सर्कुलेटिंग एरिया, रास्ते, प्रवेश/निकास मार्ग और यात्री सूचना प्रणालियों को भी उन्नत करने की योजना है। सिंहस्थ कुंभ में तीन करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों के आने की संभावना है, जिसे देखते हुए रेलवे बहुत अधिक संख्या में विशेष रेलगाड़ियां चलाने की योजना बना रहा है। एक राउंड-ट्रिप विशेष सर्किट ट्रेन भी चलायी जाएगी। यह तीन ज्योतिर्लिंगों- त्र्यंबकेश्वर, घृष्णेश्वर और ओंकारेश्वर को जोड़ेगी।

तीर्थयात्रियों की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक प्रमुख स्टेशन पर बड़े होल्डिंग एरिया विकसित किये जा रहे हैं। एक केन्द्रीयकृत कमान और नियंत्रण केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। यह प्रभावी निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों और पूर्वानुमानित समय-निर्धारण के लिए एआई उपकरणों से सुसज्जित होगा। अधिकारियों ने बताया कि रेलवे, तैयारियों को लेकर महाराष्ट्र सरकार के साथ निरंतर संपर्क में है।

- **रेल्वे एक राउण्डट्रिप सर्किट ट्रेन भी चलाएगा, जो तीन ज्योतिर्लिंगों, त्रयम्बकेश्वर, ओकांरेश्वर व घृष्णेश्वर को आपस में जोड़ेगी।**

कोचिंग सेंटर्स के लिए सुप्रीम कोर्ट ने दिए 15 निर्देश

नयी दिल्ली, 25 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को दो महीने के भीतर निजी कोचिंग सेंटरों का पंजीकरण कराने सहित, 15 बाध्यकारी निर्देश जारी किए।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के अभ्यर्थी 17 वर्षीय एक छात्र की मृत्यु के मामले में सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिए।

विशाखापत्तनम में छात्र की अपने छात्रावास की छत से गिरने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। यह दुखद घटना जुलाई में विशाखापत्तनम स्थित आकाश-बायजू संस्थान में हुई थी।

पीठ ने मृतक के पिता सुकदेब साहा की याचिका पर फैसला सुनाते हुए, स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग सेंटरों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए ये दिशानिर्देश जारी किए। अदालत ने इसके अलावा केन्द्र सरकार को 90 दिनों के भीतर एक हलफनामा दाखिल कर अनुपालन के संबंध में जानकारी देने का भी निर्देश दिया।

"उदयपुर फाइल्स" को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता हाईकोर्ट में जाकर बहस करें। हमने पहले ही 12 दिन खो दिए हैं। प्राधिकरण ने भी आदेश पारित कर दिया है।"

इस पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा, "12 दिन कोई नुकसान नहीं, जितनी पब्लिसिटी, उतना फिल्म को फायदा।"

हालाँकि भाटिया ने मदनी का हवाला देते हुए कहा, ऐसे लोग हमेशा 'सुपर सेंसर' की तरह काम करते हैं और फिल्म रिलीज़ पर रोक लगाने की कोशिश करते हैं।

"1200 स्क्रीन बुक थीं, पैसा निवेश हो चुका है। हम किस बात को बढ़ावा दे रहे हैं? कि किसी की भावनाएं आहत हों और सीधे कोर्ट से स्टे ले आएं?"

अंततः सुप्रीम कोर्ट ने कोई अंतिम निर्णय नहीं दिया, बल्कि हाईकोर्ट को विवेकानुसार निर्णय लेने की छूट दी।

कोर्ट ने आदेश में कहा: "यह स्पष्ट किया जाता है कि इस न्यायालय ने मामले के गुण-दोष पर कोई राय नहीं दी है। हाईकोर्ट स्वतंत्र है, जो भी आदेश उचित समझे, पारित कर सकता है।"

धनखड़ को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धनखड़ को उनके इस्तीफे के कुछ दिनों के बाद यह निमंत्रण दिया है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि पूर्व उपराष्ट्रपति विपक्ष न्योते पर डिनर में जाएंगे, इसकी संभावना न के बराबर है।(विपक्षी दलों की ओर से राज्यसभा के वर्किंग एडवाइजरी कमेटी की बैठक इस मुद्दे को जोरशोर से उठाया गया। विपक्ष ने कहा कि 74 वर्षीय धनखड़ को राज्यसभा में अपना विदाई भाषण तक देने का मौका नहीं मिला। इसी मुद्दे को और जोर देने के लिए विपक्षी दलों ने एक विशेष फेयरवेल डिनर का आयोजन किया है।

गाज़ियाबाद की जूलरी शॉप में करोड़ों की लूट

गाजियाबाद, 25 जुलाई। गाजियाबाद के लिंक रोड थाना क्षेत्र में डिलीवरी बॉय वेश में आए हथियारबंद बदमाशों ने गुरुवार को दिनदहाड़े एक ज्वेलरी शोरूम में घुसकर गन प्वाइंट पर लाखों के गहने और नगदी लूट ली। लूटपाट की यह घटना ज्वेलरी शोरूम के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

बृज विहार में कृष्ण कुमार वर्मा की मानसी ज्वेलर्स नाम से ज्वेलरी की दुकान है। गुरुवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे दो बदमाश बाइक से दुकान पर पहुंचे। उन्होंने स्विगी और ब्लिंकिट जैसी डिलीवरी कंपनियों की यूनिफॉर्म पहन रखी थी। जब वे दुकान में घुसे, तब दुकान में कृष्ण कुमार का बेटा शुभम वर्मा और एक कर्मचारी मौजूद था। शुभम वॉशरूम गया था और कर्मचारी काउंटर पर बैठा था। बदमाशों ने अंदर घुसते ही कर्मचारी को पिस्टल दिखाकर धमकाना शुरू कर दिया। इसी दौरान शुभम वापस आ गया। बदमाशों ने उसे भी पिस्टल दिखाकर डराया और मारपीट की। इसके बाद, दोनों बदमाशों ने दुकान में रखे करीब 20 किलो चांदी, 125 ग्राम सोने के गहने और 20 हजार रुपये नकद दो बैगों में भर लिए। लूट के बाद बदमाश पिस्टल के दम पर शुभम और कर्मचारी को दुकान के बाहर ले गए और बाइक से फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद शुभम ने तुरंत अपने पिता और पुलिस को फोन किया। पुलिस मौके पर पहुंची और शुभम से पूरी घटना की जानकारी ली। पुलिस के मुताबिक, लूट की जानकारी शाम करीब 4 बजे मिली। शुरुआती जांच में सामने आया है कि पूरी वारदात सिर्फ 6 मिनट में अंजाम दी गई। जांच के लिए दो टीमें बनाई हैं। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और बदमाशों की बाइक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

जांच में यह भी सामने आया है कि बाइक पर जो नंबर प्लेट लगी थी, वह फर्जी थी। साथ ही बदमाश दिल्ली की ओर से आए थे। सीसीटीवी वीडियो में साफ दिख रहा है कि बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर दुकान में मौजूद लोगों के साथ मारपीट भी की। घटना का पूरा 6 मिनट का वीडियो सामने आया है, जिसे पुलिस सुराग जुटाने के लिए इस्तेमाल कर रही है।

- **लुटेरे स्विगी व ब्लिंकिट के डिलीवरी बॉय बनकर दुकान में घुसे थे**
- **बदमाशों ने 20 किलो चांदी, 125 ग्राम सोने के आभूषण तथा 20 हजार रुपए लूटे हैं। मात्र 6 मिनट में लूटपाट कर वे बाइकों से फरार हो गए।**

सरकारी स्कूल की बिल्डिंग गिरा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकर भागने लगे तो ग्रामीणों ने रोककर गाड़ियों के कांच तोड़ दिए। कुछ पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट करने की बात भी सामने आ रही है।

बाद में, पुलिस ने लाठियां फटकारीं और लोगों को खदेड़ा। लोग पहाड़ियों पर जा चढ़े। मौके पर पुलिस का बड़ी तादाद में जाप्ता तैनात है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के आने की भी सूचना थी, जिसके कारण प्रदर्शनकारी और ज्यादा उग्र हो गए। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर भी रास्ता बदलकर दूसरे रास्ते से मनोहर थाना पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय के स्टाफ द्वारा लगातार ग्रामीणों की शिकायत को दरकिनार किया जा रहा था और ग्रामीणों के मना करने के बाद भी इमारत में बच्चों को बिठाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि उन लोगों ने जब विरोध जताया तो स्कूल के स्टाफ ने उन्हें पुलिस कार्रवाई की धमकी भी दी।

जानकारी के अनुसार, मामले में एक्शन लेते हुए राजस्थान सरकार के निर्देशों पर शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालय के स्टाफ को निलंबित कर दिया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, मीना गर्ग, जावेद अहमद, रामविलास लववंशी, कन्हैयालाल सुमन और बद्रीलाल लोधा को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकार ने स्कूल के स्टाफ पर कार्यवाही करके इतिश्री कर ली है, जबकि बड़े अधिकारियों पर भी कार्यवाही होनी चाहिए, क्योंकि ग्रामीणों द्वारा विधायक गोविंद रानीपुरिया, जिला प्रशासन के आला अधिकारी एवं सभी स्थानीय अधिकारियों को बार-बार स्कूल की हालत से अवगत करवाया गया था, लेकिन किसी ने कोई संज्ञान नहीं लिया, सब आश्वासन ही देते रहे और यह हादसा हो गया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मनोहर थाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) में हादसे में घायल बच्चों का हालचाल पूछा, भर्ती छात्रों की कुशलक्षेम पूछी और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने घायलों के परिजनों से बातचीत कर उन्हें ढांढ़स बंधाया और सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और शोक संतप्त परिवारों के साथ अपनी पूरी सहानुभूति जताई। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। शिक्षा मंत्री ने अस्पताल प्रशासन और चिकित्सकों को निर्देश दिए कि इलाज में कोई कमी न रह जाए और सभी आवश्यक संसाधन तुरंत उपलब्ध कराए जाएं।

विपक्ष ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और कई अन्य दलों के सांसद शामिल हुए।

विपक्षी सांसद बैनर लेकर चल रहे थे जिसमें 'एसआईआर- लोकतंत्र पर वार' लिखा हुआ था। उन्होंने 'एसआईआर वापस लो' और 'तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाये।

एसआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रेनी एसआई सहित, अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ऐसे में भर्ती परीक्षा को रद्द किया जाए। दूसरी ओर, राज्य सरकार का कहना है कि पेपर लीक को लेकर व्यापक स्तर पर जांच चल रही है और अभी भर्ती रद्द नहीं की जा सकती।

सावरकर पर बयान के मामले में राहुल को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नयी दिल्ली, 25 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने वीर सावरकर पर विवादास्पद बयान देने के मामले में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को दी गई राहत जारी रखते हुए निचली अदालत के समन पर शुक्रवार को अंतरिम रोक की अवधि अगली सुनवाई तक बढ़ ा दी।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने कांग्रेस नेता गांधी की विशेष अनुमति याचिका पर यह आदेश पारित करते हुए कहा कि वह इससे मामले में चार सप्ताह बाद अगली सुनवाई करेगी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने निचली अदालत के समन पर रोक लगाने से इनकार करने वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को विशेष अनुमति याचिका के जरिए चुनौती दी है।

गांधी ने अधिवक्ता प्रसन्ना एस के माध्यम से दायर अपनी याचिका में दलील दी है कि शिकायत और निचली अदालत (मजिस्ट्रेट) का आदेश धारा 153 ए और 505 भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत किसी भी अपराध का खुलासा नहीं करता है। याचिका में यह भी कहा गया है कि मजिस्ट्रेट का संज्ञान आदेश स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण है। यह शीर्ष न्यायालय द्वारा स्थापित कानून के विपरीत है। याचिका में दलील दी गई है कि उनकी (राहुल गांधी) टिप्पणियाँ एक राजनीतिक भाषण का हिस्सा थीं। इसका उद्देश्य किसी भी तरह से शत्रुता या घृणा फैलाना नहीं था। याचिका में यह भी कहा गया है कि उनके खिलाफ अदालती कार्यवाही वास्तव में उनकी स्वतंत्रता को बाधित करने का एक प्रयास है। दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश सरकार ने गांधी पर लगाए गए आरोपों के संबंध जारी अदालती समन का समर्थन किया है। राज्य सरकार ने शीर्ष अदालत के समक्ष एक हलफनामा के जरिए अपना जवाब दाखिल किया है।

- **सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के सम्मन पर अंतरिम रोक की अवधि अगली सुनवाई तक बढ़ा दी है।**

मानव रहित यान से मिसाइल का सफल ट्रायल

हैदराबाद, 25 जुलाई। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में राष्ट्रीय ओपन एरिया रेंज (एनओएआर) से उन्नत मानवरहित हवाई वाहन से प्रक्षेपित सटीक निर्देशित मिसाइल (यूएलपीजीएम)-वी3 का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया है। यूएलपीजीएम-वी3 पहले से विकसित यूएलपीजीएम-वी2 मिसाइल का उन्नत संस्करण है। यह मिसाइल तीन प्रकार के मॉड्यूलर वॉरहेड प्रदान करती है, जिसमें एंटी-आर्मर कॉन्फ़िगरेशन भी शामिल है, जो रोल्ड होमोजीनियस आर्मर (आरएचए) और एक्सप्लोसिव रिएक्टिव आर्मर (ईआरए) से सुसज्जित आधुनिक बख्तरबंद वाहनों को निष्क्रिय करने में सक्षम है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908